

राज

**कॉमिक्स
विशेषांक**

मूल्य 15.00 संख्या 31

नागायाज और अदृश्य हत्याया



जय श्री

“बुद्धता
नाथ मुळीक
साळ और
हे

श जलगर
स्थित
स्टार लेख-

“चप्पे-चप्पे पर बुधियार बन्द
रक्षाकर्मीयों की मौजूदगी इस
घुमनी खा रही है कि लेख में
हो है, वह साधारण की श्रेणी में
हो आता

कैल क्या... क्या असाधारण हो रहा है लेख में?

“यत्ना नहीं दार...
मिर्क इतना पता है
कि अन्दर प्रोफेसर
श्रीकांत वर्मा कोई
ऐसा आविष्कार
करने में व्यस्त हैं जो
विज्ञान की बुनियाद में
लहलहा मचा
देगा...”



...क्या है वो आविष्कार और अभी पूरा हुआ या नहीं, ये प्रोफेसर वर्मी के सिवा कोई नहीं जानता।



और कोई जान भी नहीं पायेगा...

वहो पहुंचे, फना हो गई

प्रो. दुर्ग



और ले उन्हें उसका वह आविष्कार।

आले वस्त्रों का इरादा भांपने और वह शब्द चीखने में एक पल भी तो नहीं गंवाया उन्होंने—

फायर!



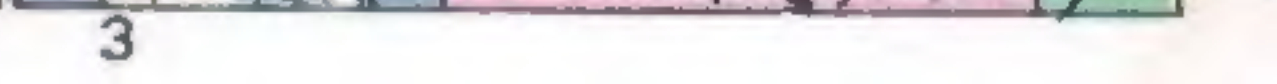
अवधाधुंध बरस पड़ीं मैकड़ों गोलियां—



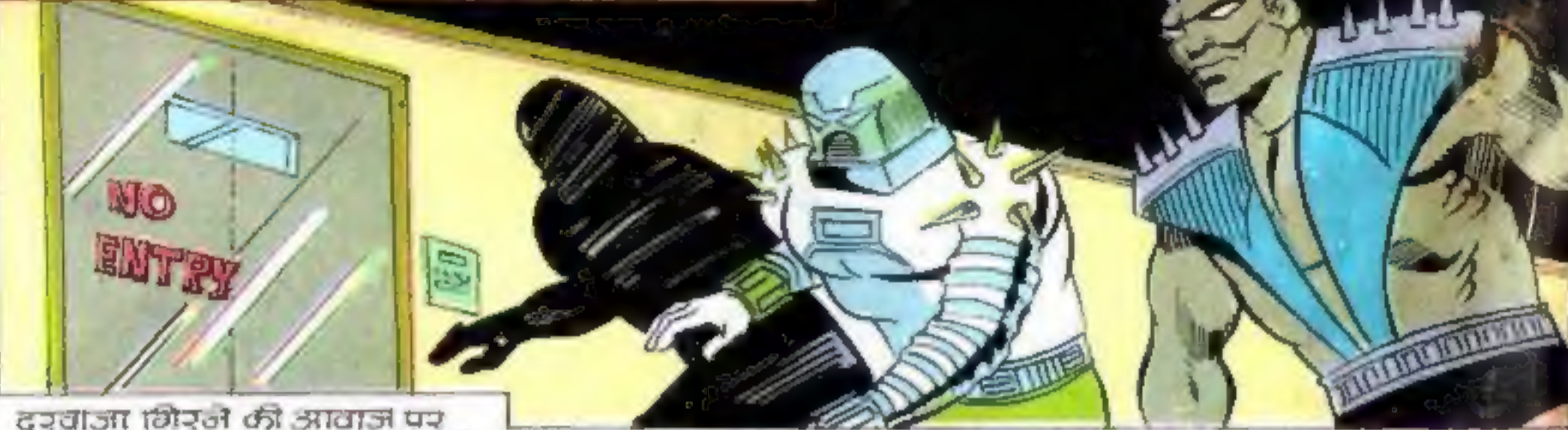
फिलतु वे गोलियां बाल भी तो बाँका नहीं कर पाईं उसका—

हा-हा-हा! बारिश की ये बूँदें भला क्या डिगाड़ पायेंगी टटोल-मटोल का—





दोनों मदमस्त हाथी की भांति घुसते चले गये लैब में—



दरवाजा गिरने की आवाज पर चौंक उठा प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा... वह उछल पड़ा टटोल-मटोल को अपने सामने खड़ा देखकर—



मैं मटोल और ये टटोल! जेलें आये हैं हम राहा तुम्हारा आवे-पकार। जिसे तुम अभी-अभी पूरा करके हुटे हो।



प्रोफेसर को विचारों के भंवर से निकाला टटोल ले—

हमें उम्मीद है तुम बेमौत मरने की जगह हमारी मां का मातृ लेने की अफलमंदी दिखाओगे।



खील उठा प्रोफेसर—

तुम्हारे नापाक इरादे कभी पूरे नहीं हो पायेंगे कमील—



मटोल पर हुआ एटामिक किरणों का भयावह असर—

उफ



गजिसे देखकर टटोल ले दिखाई बिजली सी फुर्ती—



दूसरा मौका नहीं मिलेगा तेरी मल की खांसने का 1000



... क्योंकि उससे पहले ही एटामिक किरणों तुम्हें राख बना देगी।



अब हाथ में पिंजी तो उछलता
प्रोफेसर—

तेरे लिए तो
मेरे हाथ ही काफी
हैं कमीन!

अड़क से प्रोफेसर पर हुआ टटोल का प्रहार—

म
डा
क

आह?

सूज उठाने के लिए आ लिया वह—

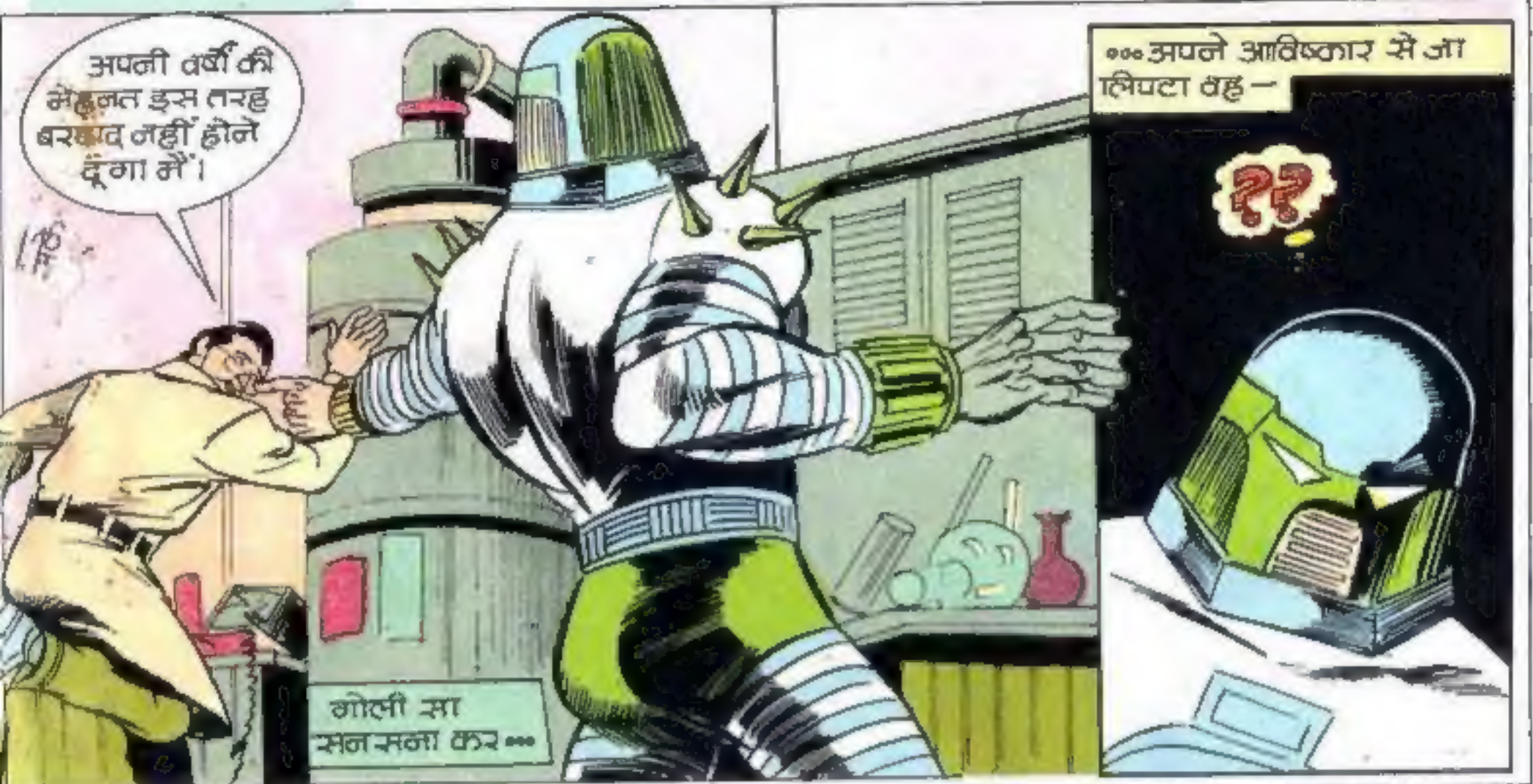
वस प्रोफेसर, ये
तेरी जीवजलीला का
आखिरी सील था।
अब इस पर मौत का
पर्दा डालता हूँ
मैं।

जट की भांति सुन्दर प्रदर्शन कर रहा था
प्रोफेसर—

अचानक पीछे पड़ा वह हलक फाड़कर—

अह!

म
डा
क

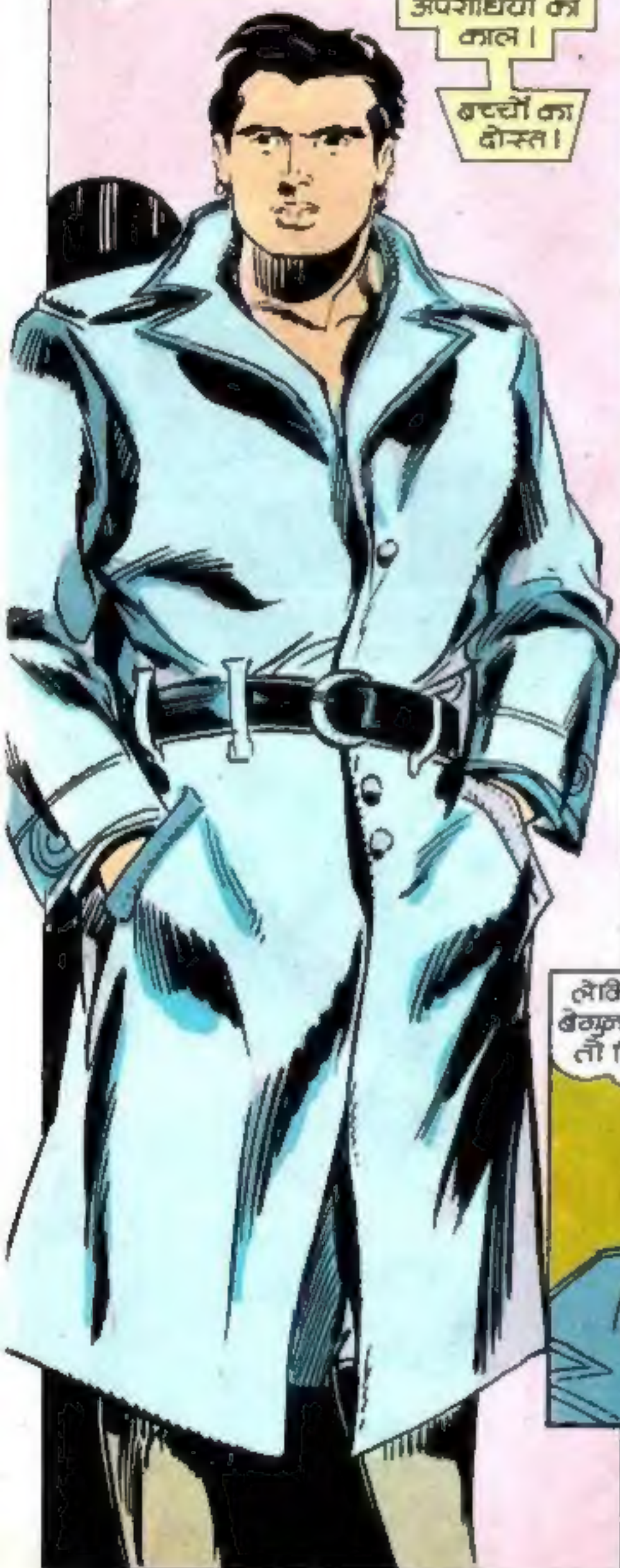


जो गाराज

कालवला का रक्षक।

अपराधियों का काल।

बच्चों का दोस्त।



राज कोमिक्स

...कहाँ बड़ा चला जा रहा था आज ?



अचानक चौंक पड़ा नागराज--

और -- चौंकला भी क्यों ना खतरे में जो थी बहुत सी जिन्दगियाँ --



ब्रेक फेल वह दक उस भीड़ की तरफ बढ़ रहा है, जो अपनी तरफ बढ़ती उस मौल से बेखबर है।

और --

लेकिन मेरे होते एक भी बेगुनाह को आंच भी आ जाये तो धिक्कार है मुझ पर।



साँप की माविन्द टैक्सी से सरसराया नागराज --

ठीक समय पर जा खड़ा हुआ मौत के सामने —
नागराज के बाहुबल के आगे भला कब तक ठहर पाता
वह मशीनी बल —



उसके हैं एक का
हकजल बन्द लौ
हुआ!



खुशी से उछल पड़े लोग --

हुर्रे! नागराज ने
हमें बचा
लिया।

NAGRAJ
IS OUR
REAL
SUPER
HERO!



जमा हो गए सभी नागराज के इर्दगिर्द --

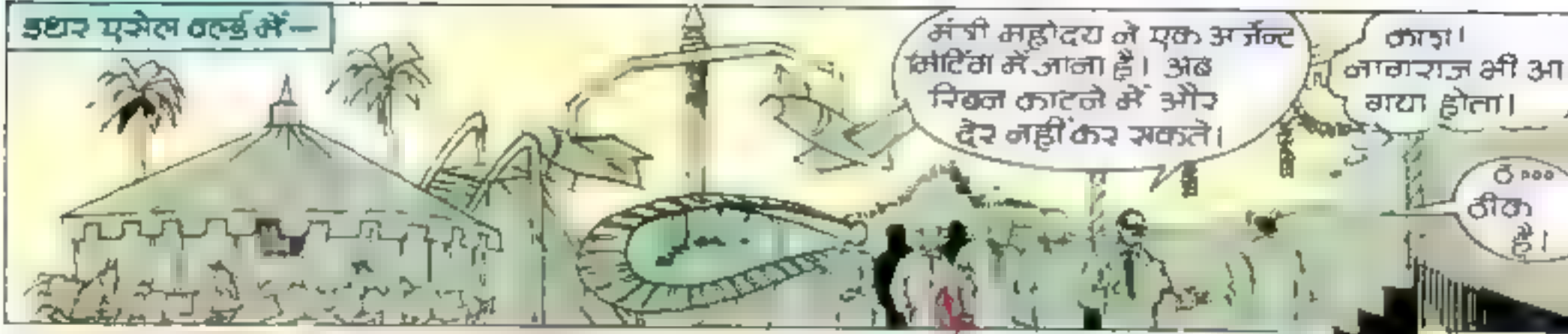
नागराज!
आदोवाफ
रखीज!

आदोवाफ!

अपने
चहुने वालों
से घेर गया
था नागराज --



इधर यूनेसको वर्ल्ड में—



मंजी महोदय ने एक अर्जेंट मिटिंग में जाना है। अब रिजल काटने में और देर नहीं कर सकते।

काश! जागराज भी आ गया होता।

उ... ठीक है।

प्रक्षामंत्री धर्मदा तिलारी कमान्डोज से घिरे बड़े मंच की तरफ—



जिनहुं देखकर जफरत में मुलका उठा था वह शरूस—

अपने पाप का दाण्ड तुझे भुगतना ही होगा कहींने!



क्या सिकता था उसने अपने ओवरकोट के नीचे से—

तरे बाइल को इस धरती में कम करके रहूंगा मैं आज।



उधर मंच पर बड़े मंत्रीजी ने रिजल काटने के लिए सभासभी कैची—



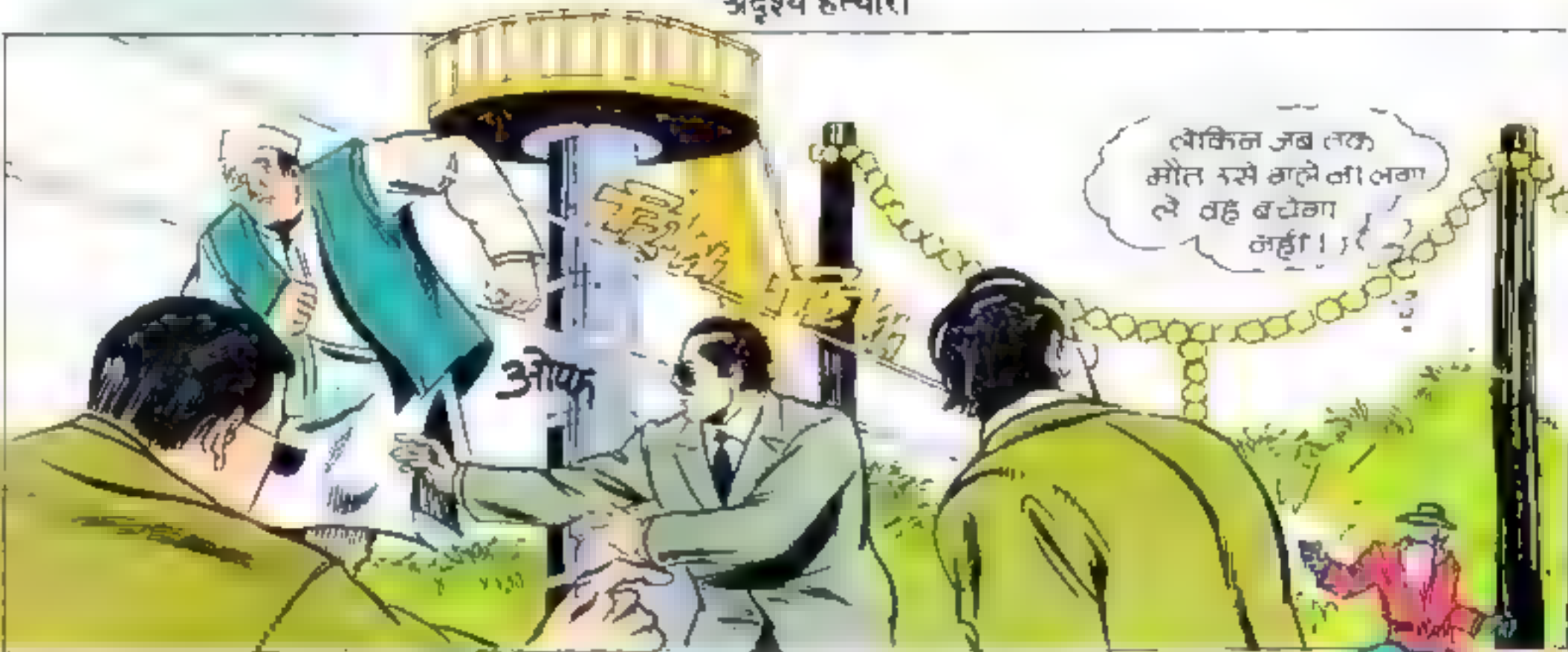
... और इधर इस शरूस ने सभासभी जाने क्या चीज?

अठाले पल्ल—



शिव शिव

उफ! निशाना चूक गया।



अंतर्क हो उसे कमण्डोज —

उह आदमी मंत्री जी पर वार कर रहा है, एक्शन.



एक्शन में आरंभ कमण्डोज...

... सामना न कर सके उस शरूम का जो चीते सा फुर्तीला था —



मार्ग उद्देश्य में रुकने का जहाँ अज्ञान देगा मैं।

आतंक के साथ हैरानी भी जाच उठी मंत्री के चेहरे पर उसकी आवाज सुनकर —

... ये... ये आवाज तो... ये... आवाज तो... ?



... क्योंकि प्रत्यक्ष सा आस्ता हुआ था वह शरूम उसके सामने —



ठीक पहचाना तुमने कमली, एकदम ठीक पहचाना।

तुम सारे मारना क्यों चाहते हो ?



और कुछ नहीं निकल पाया मंत्री के हलक से...

लम्बी -

सब जानता है तू...
कि भी राजा के
पास जाकर पूछ
लेना सपने क्या है

मेरा नाम और
काम जानने के
बाद भी अगर तुम
अपना इरादा
नहीं बदलो तो
तो पछतावा
पड़ेगा तुम्हें।

यह कहा
नहीं जायगा।
हां, तुम जेल जरूर
जाओ क्योंकि
तुम्हें वहां पहुंचाने
आ पहुंचा है...

बाज सा झपटा वह --

पीछे नहीं हेराजी हुई जागरा न को -

ऐसा लम्बा जैसे
इसकी सरे पर लोहे
की वस्तु मारी हो,
लोकेन इसके हाथ
में तो काढ़ दिखाई
ही नहीं दे रहा।
खाली हाथ है
वह तो।

मेरे इरादे तुम
नहीं बदल सकते
जागराज!

बोम्बे

अदृश्य हत्यारा

कुछ ना कुछ तो जरूर है उसके हाथ में। जारों से जकड़ जाये तो घना चल जायेगा।



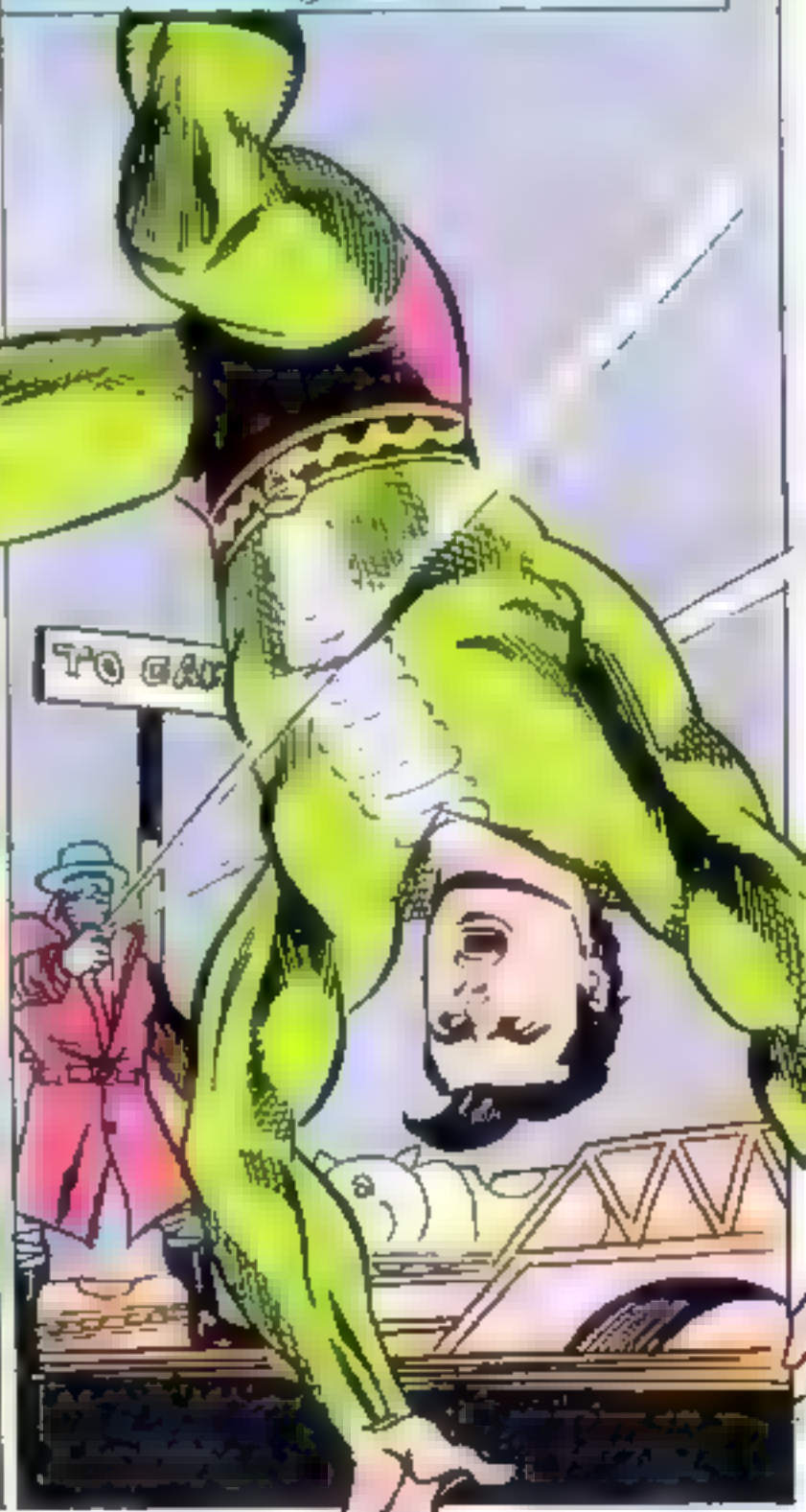
लाभाराज के इशारे पर उसके शरीर से निकलने मेंकड़ी अर्थ।

कमाल दिखाया उस शरूत के हाथ में लमें "कुछ" ले-

फिर...

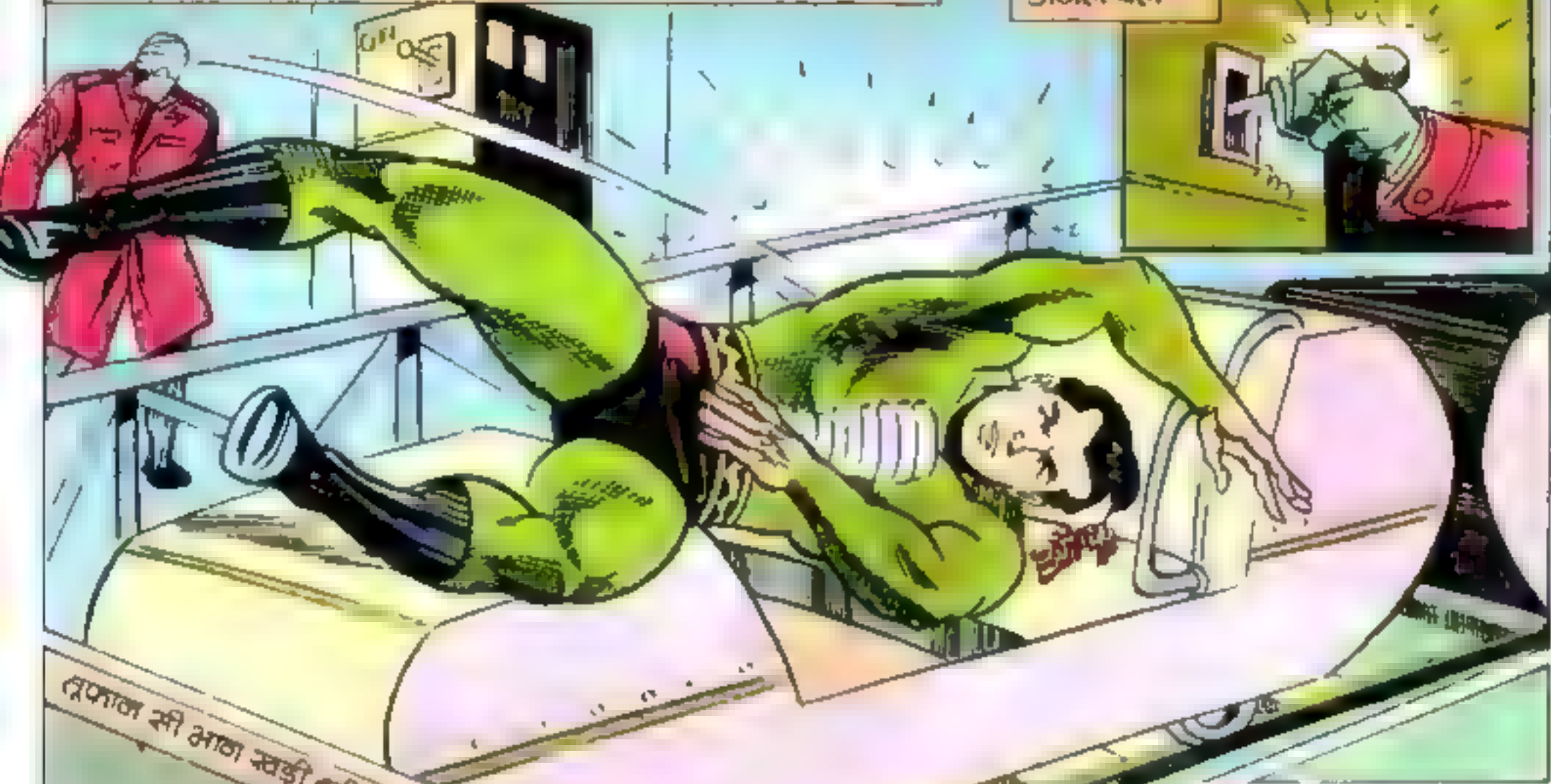
एक बार फिर-

लाभाराज पर भी हुआ "कुछ" का वार-



अपने आप को बचाऊं के चक्कर में डेगल देन पर आ गिरा लाठाराज —

अठारवे परम —



लौफाव सी भाव सखी दुई डेगल देन —

पलटा वह मरु मे
जइ ह्यो चुकें मंजी की
तरफ —



जब तकलू आला
सकर खरन करके
कापस आयेगा लाठाराज!
तब तक मैं अपना काम
खत्म करके जा चुका
होऊंगा।

आह!

मरुमील

इधर लाठाराज अपने परिचित अंताज में लहाराया डेगल देन से —



और—

अब वह कुछ
उसके हाथ में
जहाँ रह
पायेगा।



“कुछ” को ले उड़े जागराज के सर्व—



ओह!

अब तुम
जहाँ बच पाओगे
जागराज की
जागराज से।



तुम
मुझे नहीं
पकड़ सकते
जागराज ...

जामी ...



... नहीं ...



पकड़ ...

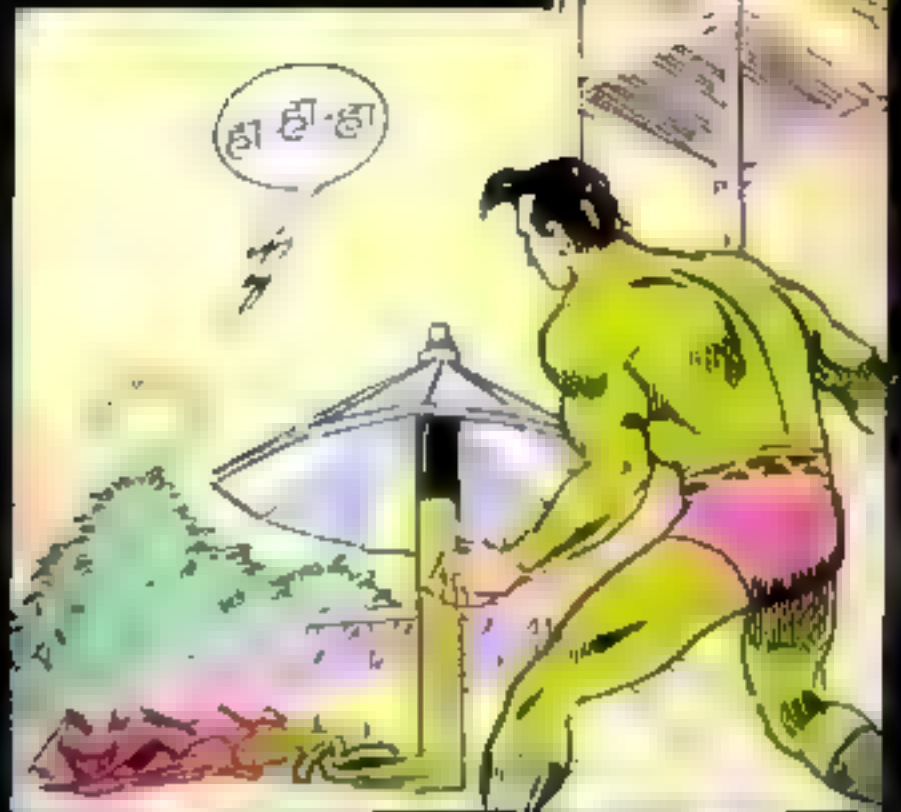


... सकते ...

घोर आश्चर्य से फैलती चली गई जागराज की आंखें—



इलायजेल
मैंज
अदृश्य भादमी



हा हा हा

एक पल बाद ही जड़ से खड़े
जागराज को सुलाई दी किसी
इंजन के स्टार्ट होने की हलकी
सी आवाज—

जो पल प्रति पल दूर होती
चली गई—



आश्चर्य की दुनिया में जागराज को बाहर
लिकाभा वही पहुँची पालेस पोर्सने—

कहाँ गया वह
हत्यारा? कहाँ
गया?

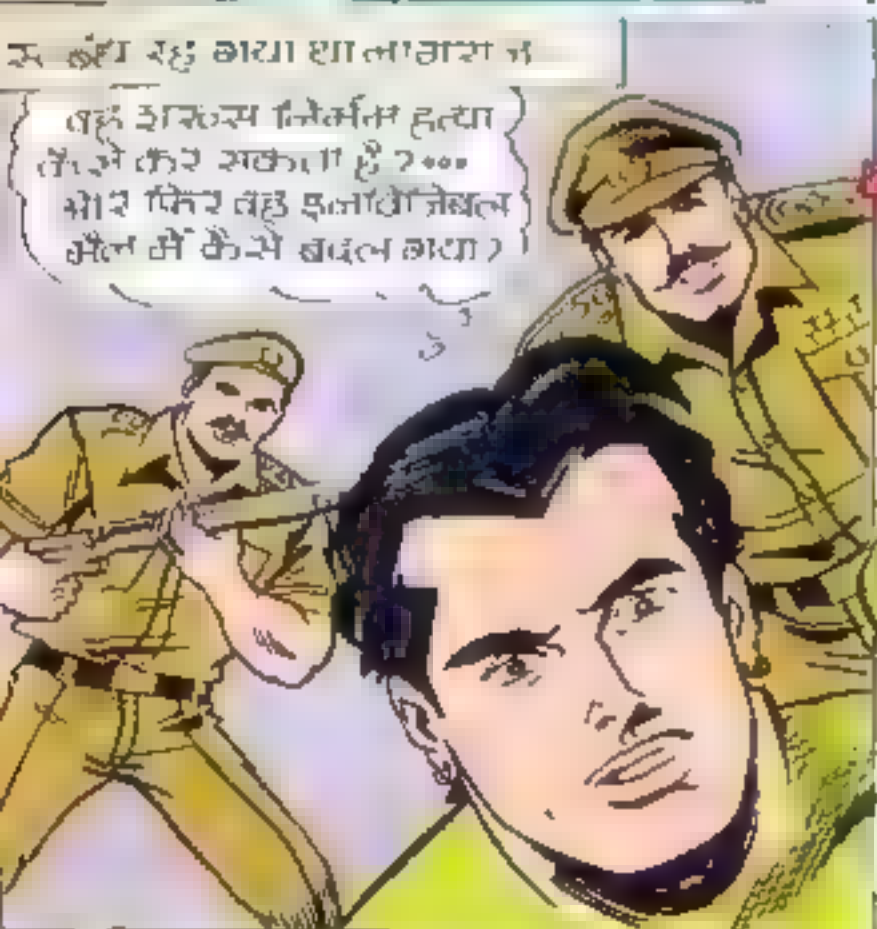
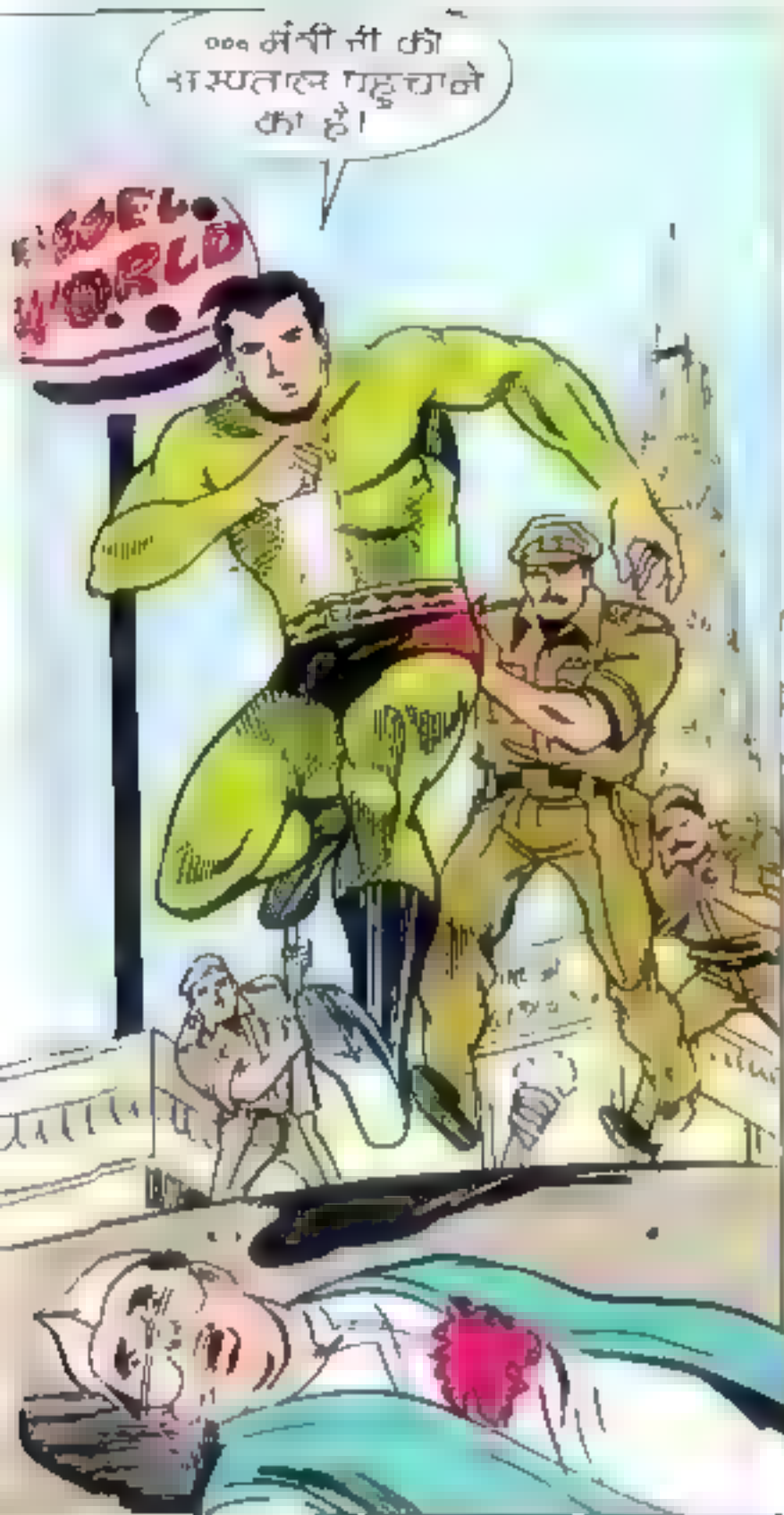


जागराज ने बताया तो—

ऐ...
ऐसा ही
सकता है?

ऐसा ही हुआ है।
लेकिन कितना यह
समय इस विषय में
साधने का
नहीं...





शहर की सबसे उंची
हमारत शिकारी हाकर
पर घुमती "दुनिया"

असल में
हैडक्वार्टर है
W.Q.K.F. का--

यानि वहाँ
आर्गेनाइजेशन
आफ़ किल्पर
फोर्स--

यानि--

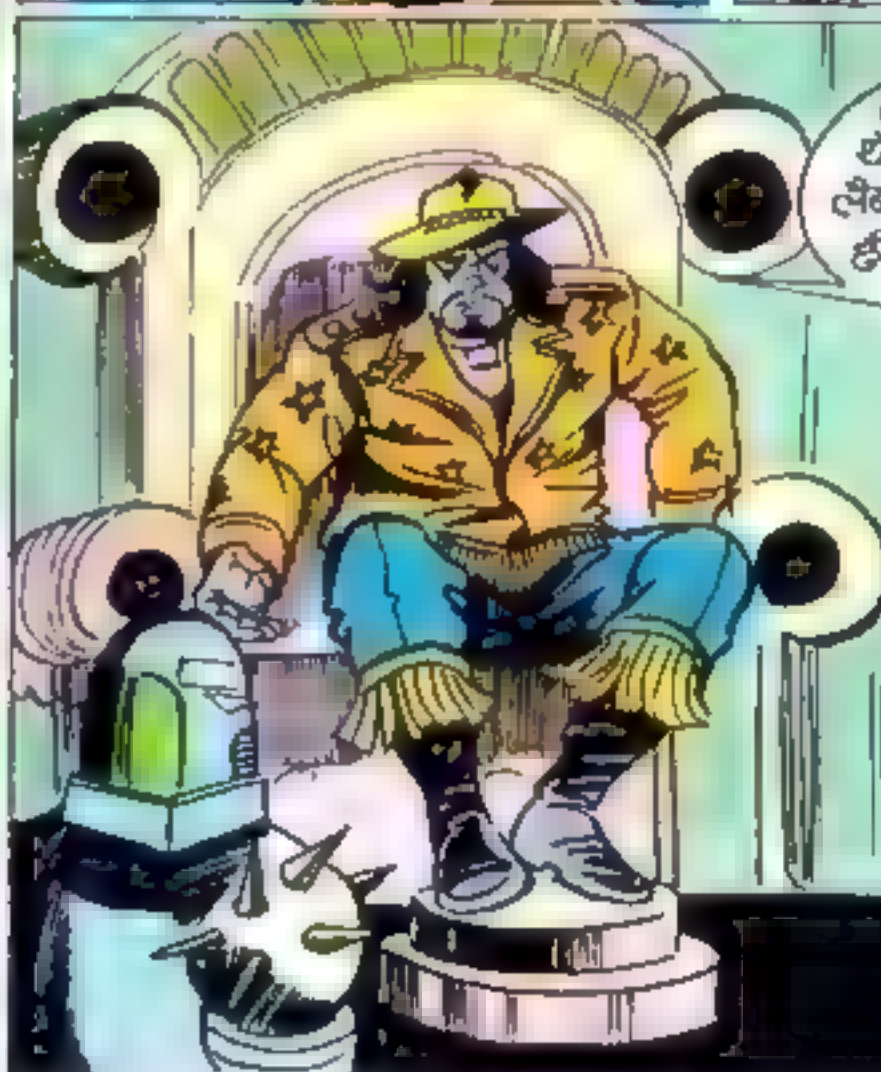
राज कॉमिक्स

जिनके दिलों दिमाग पर
राज करता है--

किल्पर किंग

जो इस समय अपने
चेहरे पर हैरत के भाव
लिये देख रहा था उसे--

टटोल!
तुम जिन्दा हो
टटोल?



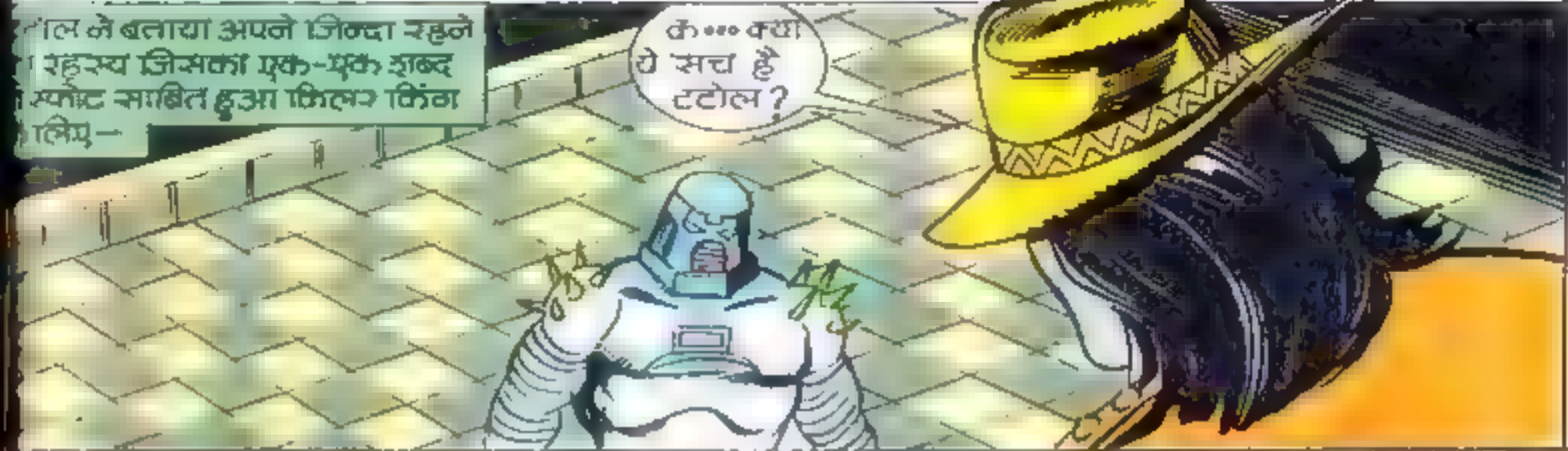
हम तो समझते
थे कि तुम स्टार
लैब के मलखे में
ही दफन हो
गये।--

कैसे
बचे तुम?

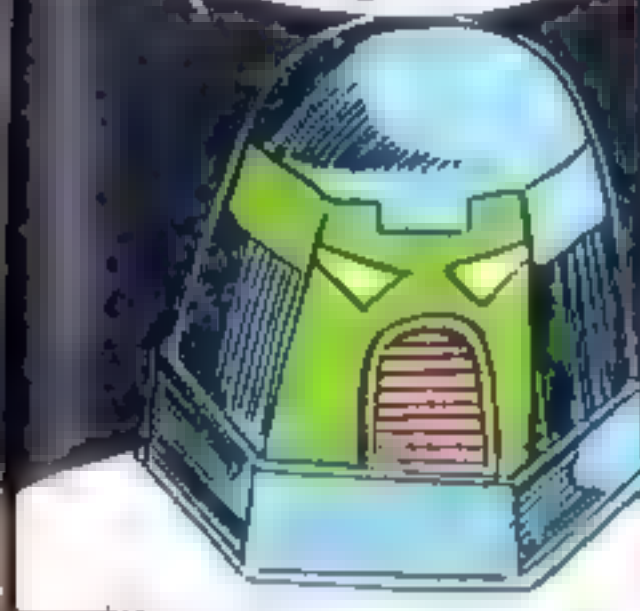
वह टेरिस्ट आर्गेनाइजेशन
जिसके दुर्दांत हत्यारे पूरे विश्व में
टिड्डी दल की तरह फैले हुए हैं--

दाल ले बताया अपने जिन्दा रहने
रहस्य जिसका एक-एक शब्द
स्पष्ट साबित हुआ किन्तु किन्तु
लिए—

क... क्या
ये सच है
टटोल?

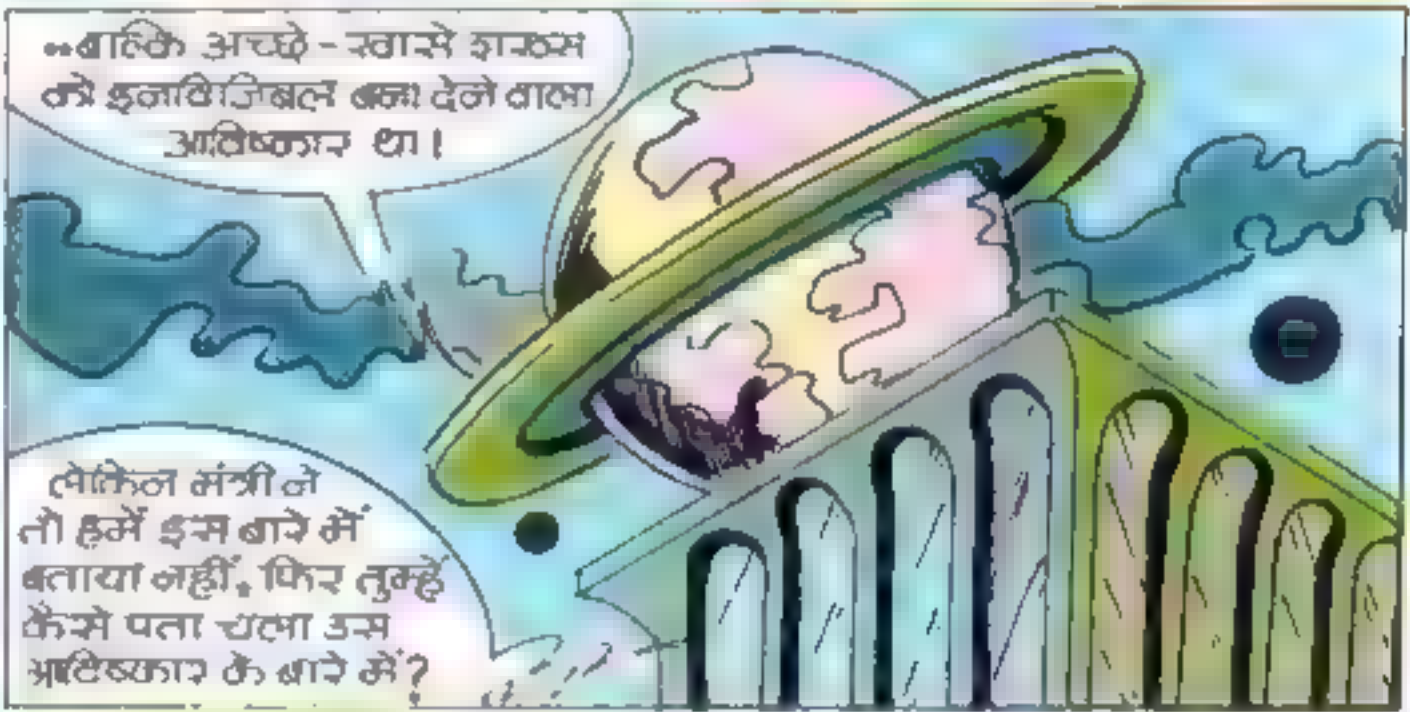


ठीक ऐसा ही हुआ है किन्तु! मंत्री
धर्मेश तिवारी से "सुपारी"
लेकर आपने प्रोफेसर श्रीकांत
के जिस आविष्कार को हमें
लेने भेजा था वह साधारण
नहीं....



...बल्कि अच्छे - खासे शत्रु
को इन्वैजिबल बना देने वाला
आविष्कार था।

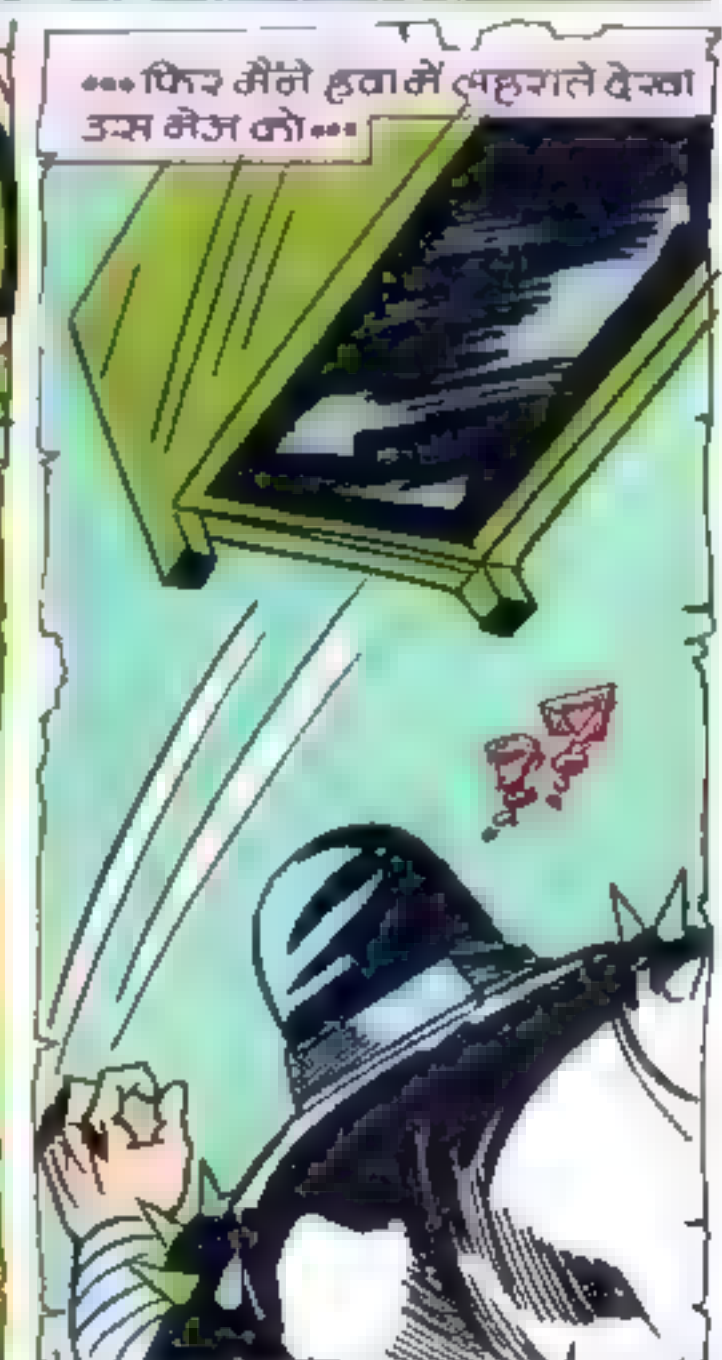
लेकिन मंत्री ने
तो हमें इस बारे में
बताया नहीं, फिर तुम्हें
कैसे पता चला उस
आविष्कार के बारे में?



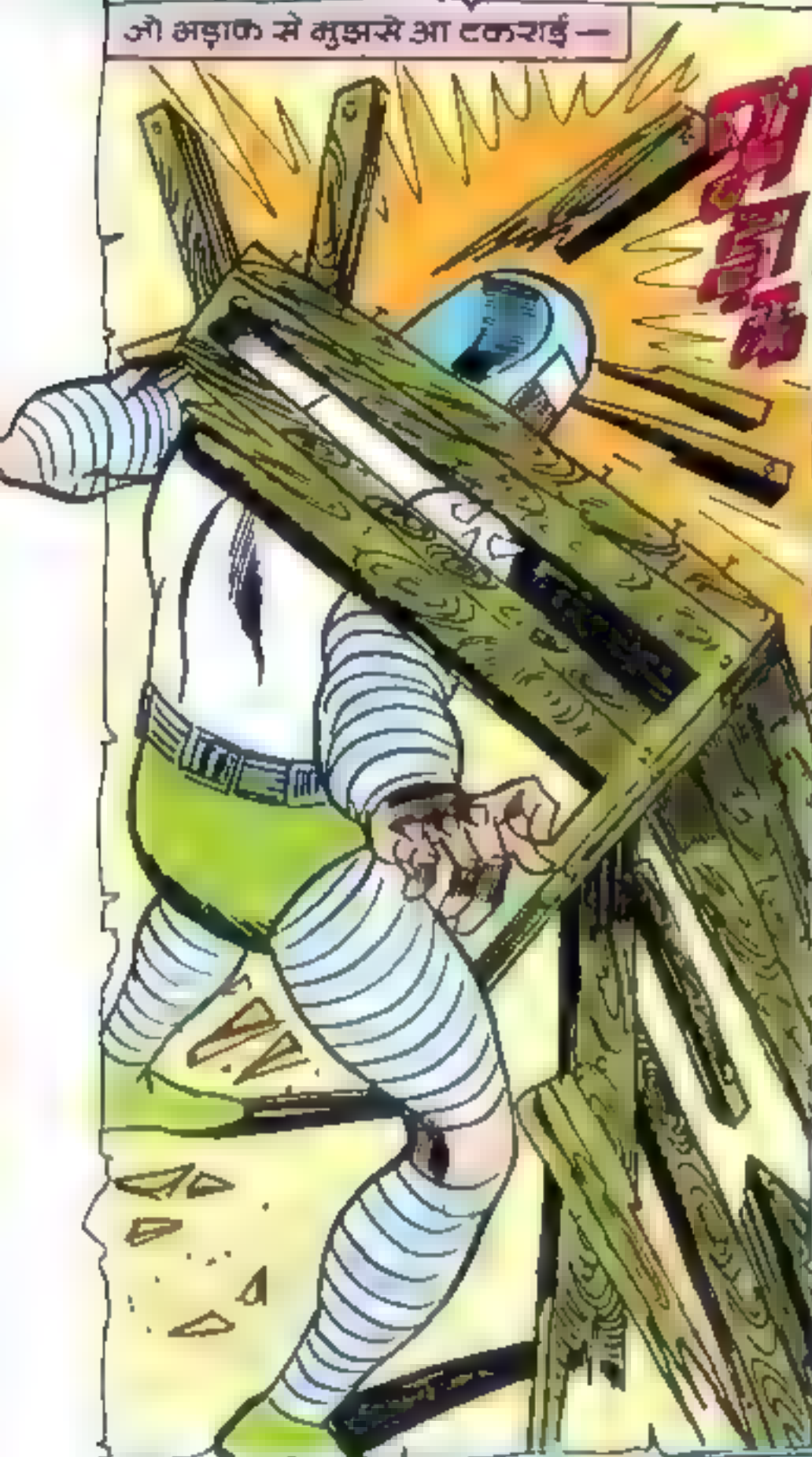
मैंने उस आविष्कार की
बदौलत प्रोफेसर को
गली आँखों से इन्-
वैजिबल होते देखा
है किन्तु!



... फिर मैंने हवा में लहराते देखा
उस मेज को...



ओ अड़ाक से मुझसे आ टकराई —



फिर मुझे खुलता दिखाई दिया
एक "गुप्त" दरवाजा —



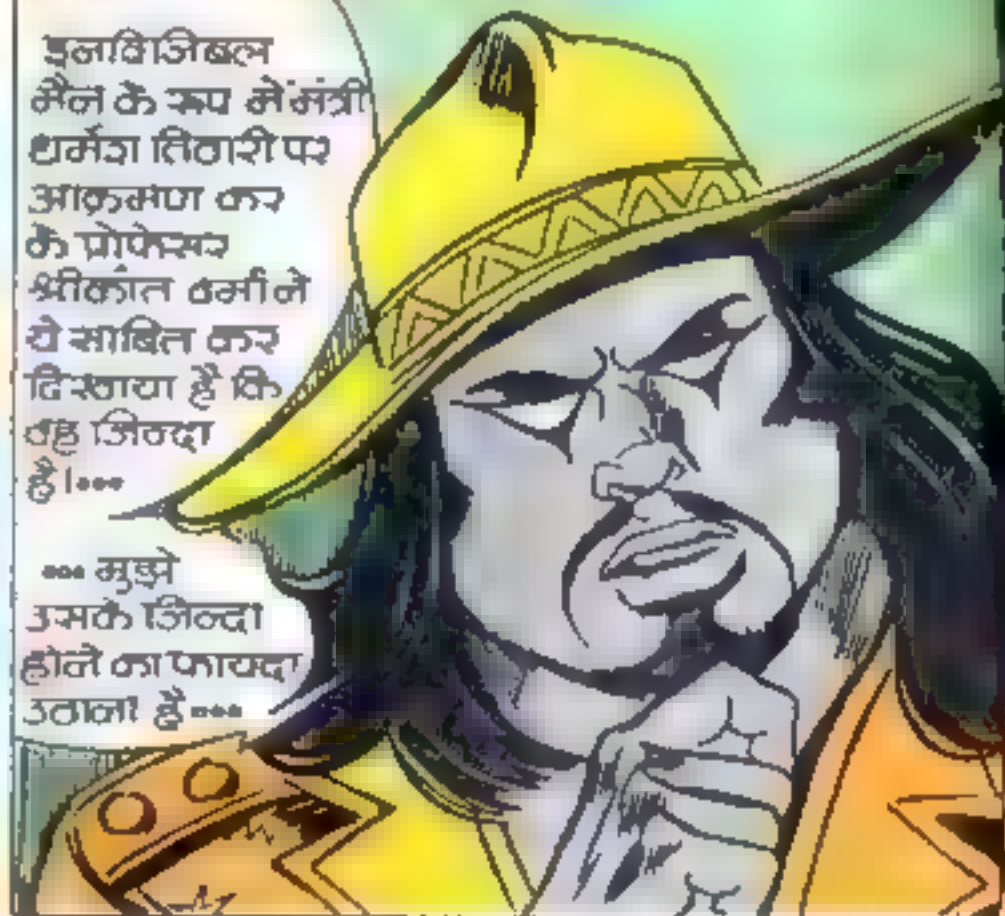
फिर एक पल बाद ही मैं
वह हमाकर जिसने
परखच्चे उड़ा दिये स्टार
लैब के —



अन्धार से फूट रहे थे किलर किंग के मस्तिष्क में
टटोल की सारी बात सुनकर —

इलविजिबल
मैल के रूप में मंत्री
धर्मज्ञ विठ्ठल पर
आक्रमण कर
के प्रोफेसर
श्रीकांत ठगीले
ये साबित कर
दिखाया है कि
वह ज़िन्दा
है।...

... मुझे
उसके ज़िन्दा
होने का फायदा
उठाना है...



... और मेरा
यह हाल कर
दिया।





इधर अचानक उस सुन्दरी के चेहरे पर —

उफ!
अब गई मेरी जान।

सचमुच जान से गई ही वह कोमलवती अगर — अगर उससे जा आ दिवली वह जागरूकी —

जो धमी ही जागरूक के हाथ में —

AT YOUR
SERVICE
MA'M!

जागरूक!

लाइटर के हाथ से
उसका शिकार छीन-
कर तुमने तो अपनी
मौत बुला ही ली रे
जागरूक!

तभी—

उड़क!

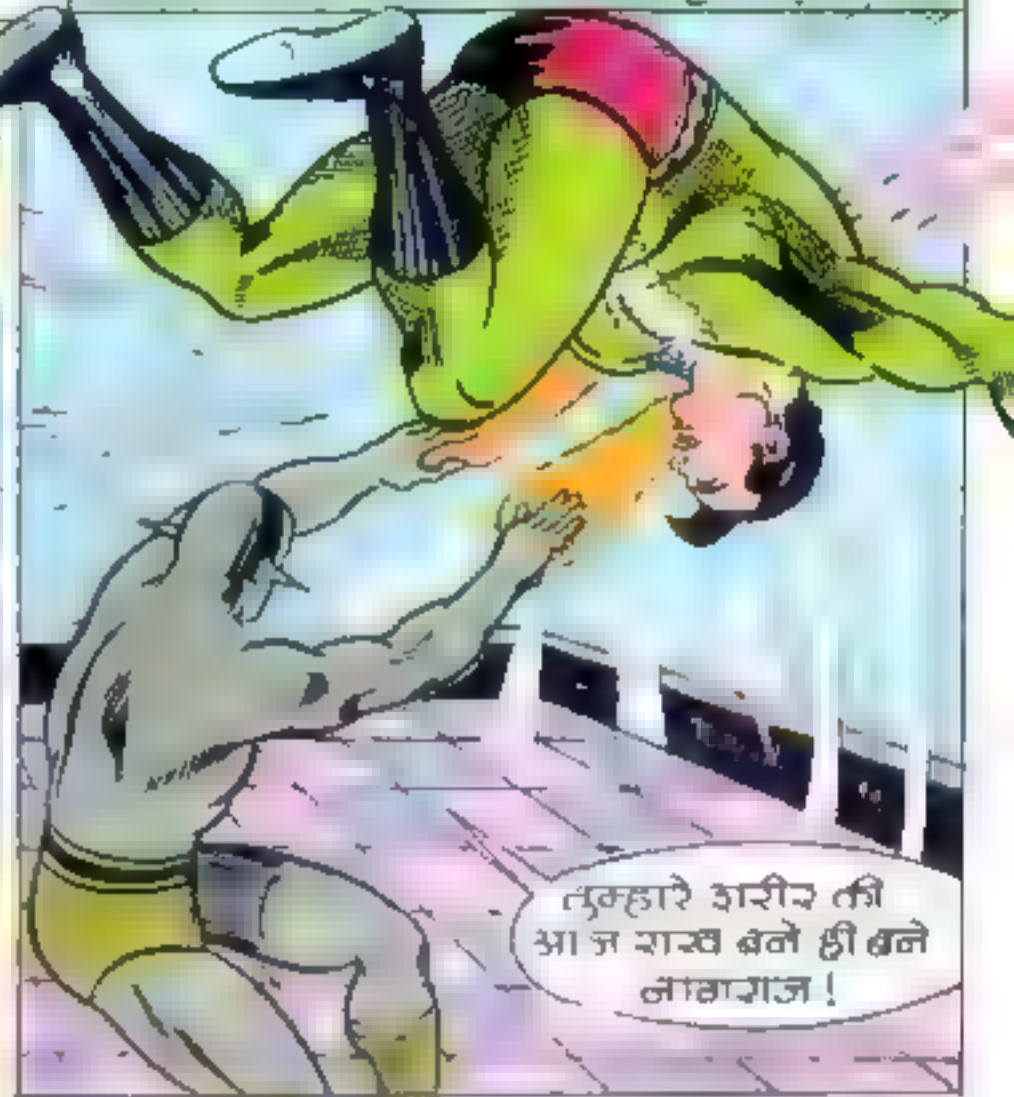
छड़क से गिरा जागरूक —

अदृश्य हत्यारा

लेकिन मौत तो अभी भी सिर पर ही खड़ी थी—

और फटाक से उछला—

उफ, ये छलांग का
लगाता तो निश्चित
ही मौत

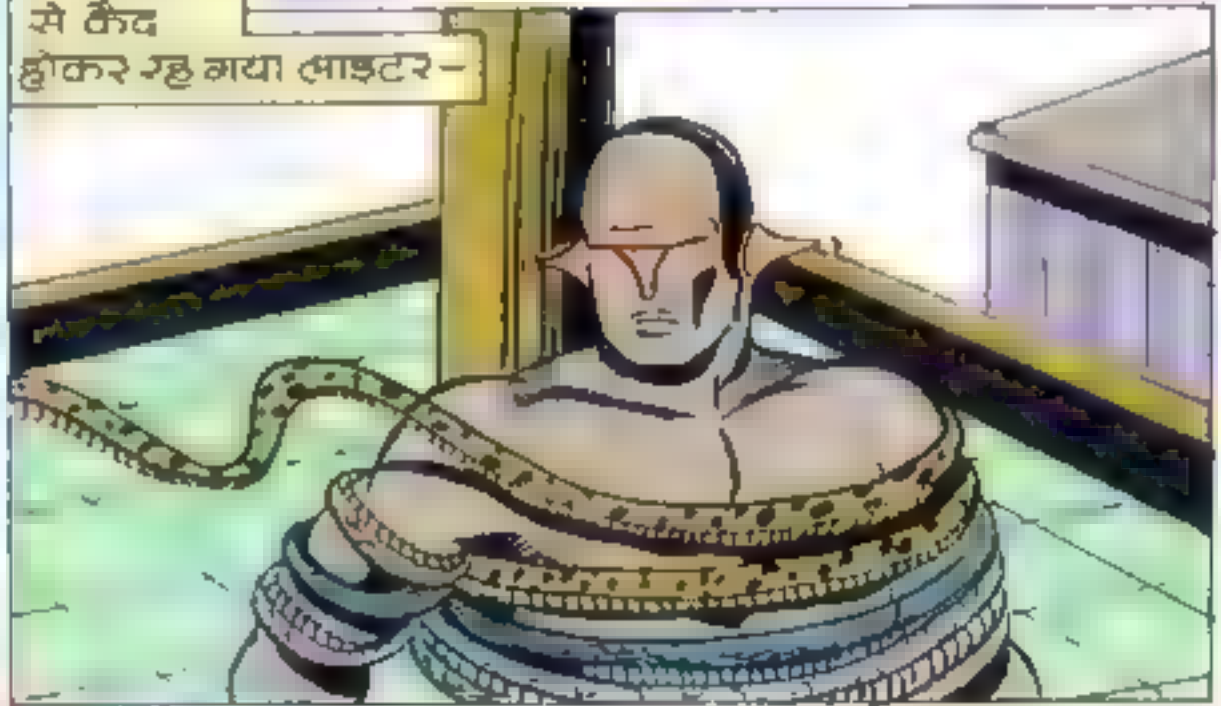


तुम्हारे शरीर की
आज राख बने ही बने
जागराज!

आश्चर्य-
जनक रूप
से खम्बे
से कैद
होकर गह गया लाइटर—



उससे
पहले ही मैं
तुम्हारा कीमा
बना चुका।



किन्तु, शीघ्र ही वह आजाद हुआ अदभुत तरीके से—

हा हा-हा! आग को भी
कोई कैद कर सका
है भला।





जागराज ने आग से बचने का किया साहसपूर्ण उपाय—



सर्प-सैनिकों का आश्चर्यजनक सुरक्षा-कवच था वह—

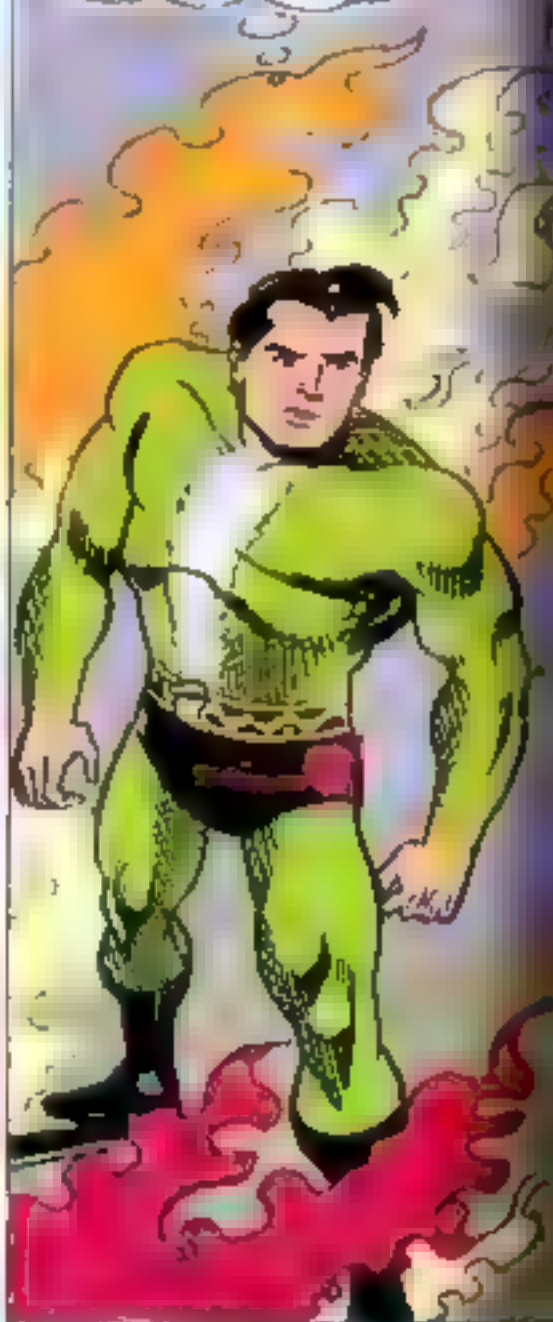


जो उसे पल भर में आग से बाहर निकाल लाया —



आग से बुरी तरह घिर गया जागराज—

बचना होगा इस आग से।



आवा से बाहर आकर सर्प
गोले से बाहर निकला
नागराज--

सर्प सैनिकों ने
आज मेरी जिन्दा
धिता जलने से
बचा लिया

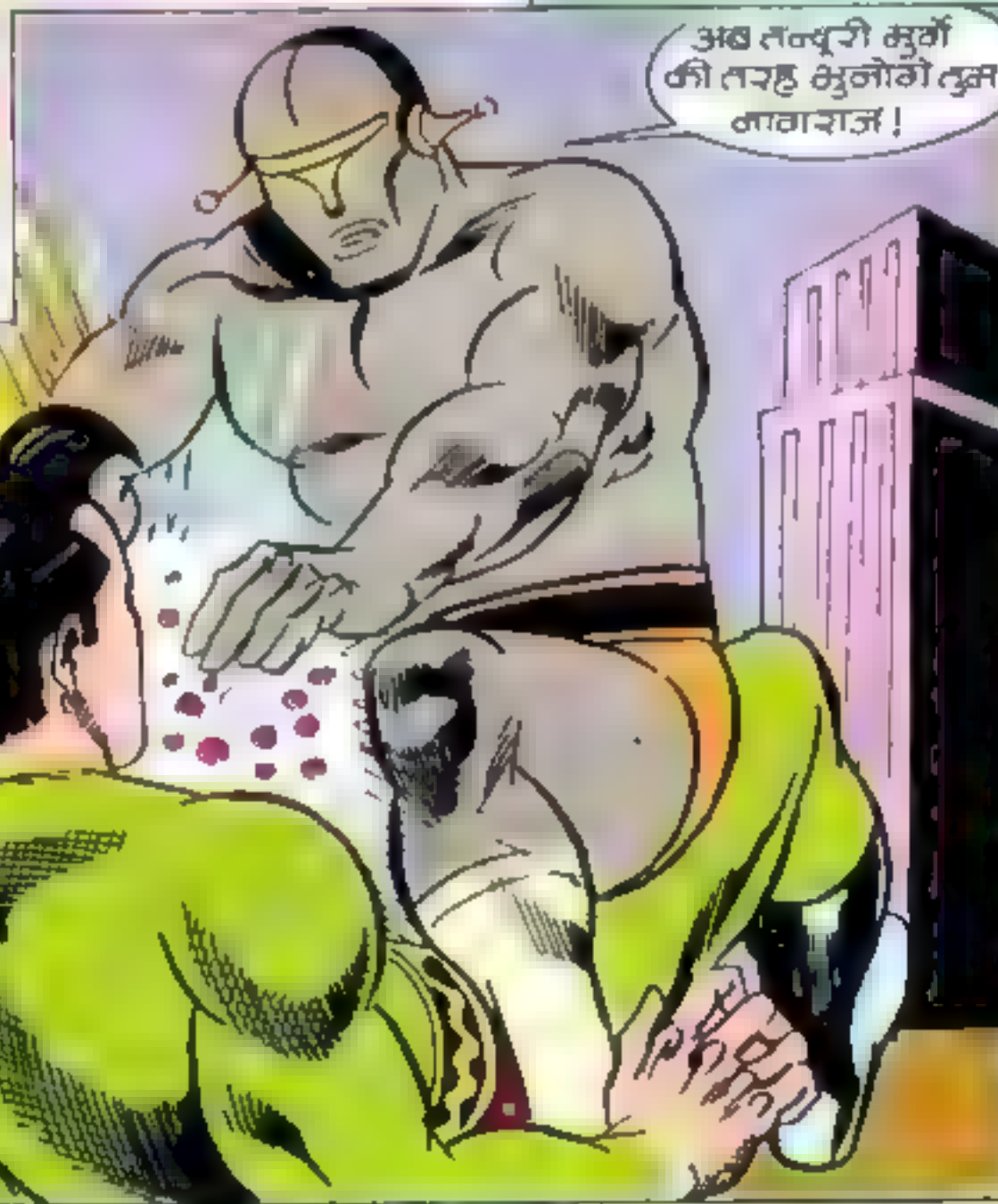
अचानक--



कितनी भी कोशिश कर ले
नागराज ! आज मरना तुम्हें
हम हाथ में है !

इस छलांग के साथ ही--

नागराज के सीले पर सवार हो गया लाइट--

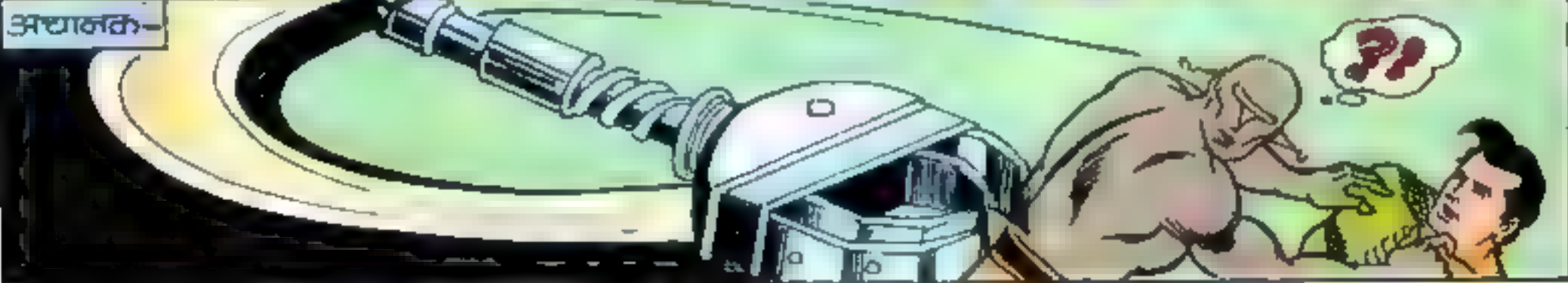


अब तबूरी कुर्ते
की तरह कुल्लोतुम
नागराज !

उबल पड़ी दल-
आक चीख नागरा-
राज के हत्यार से--



अचानक--

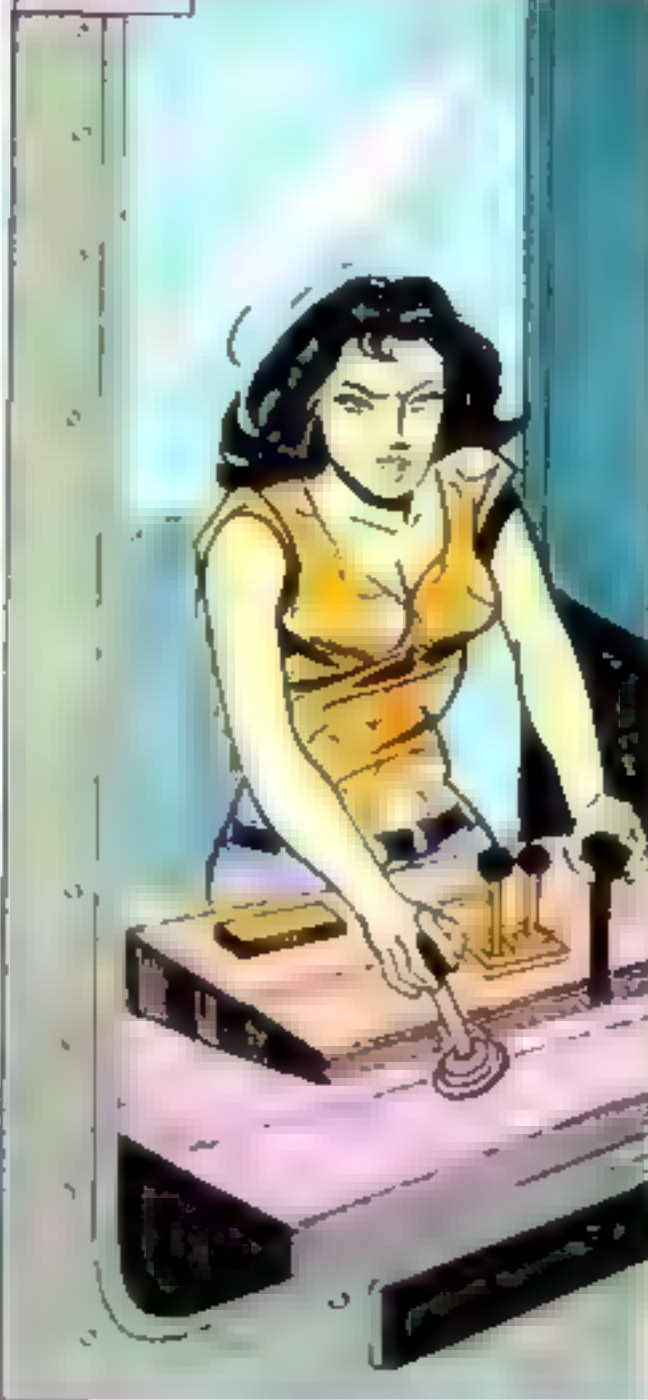


??

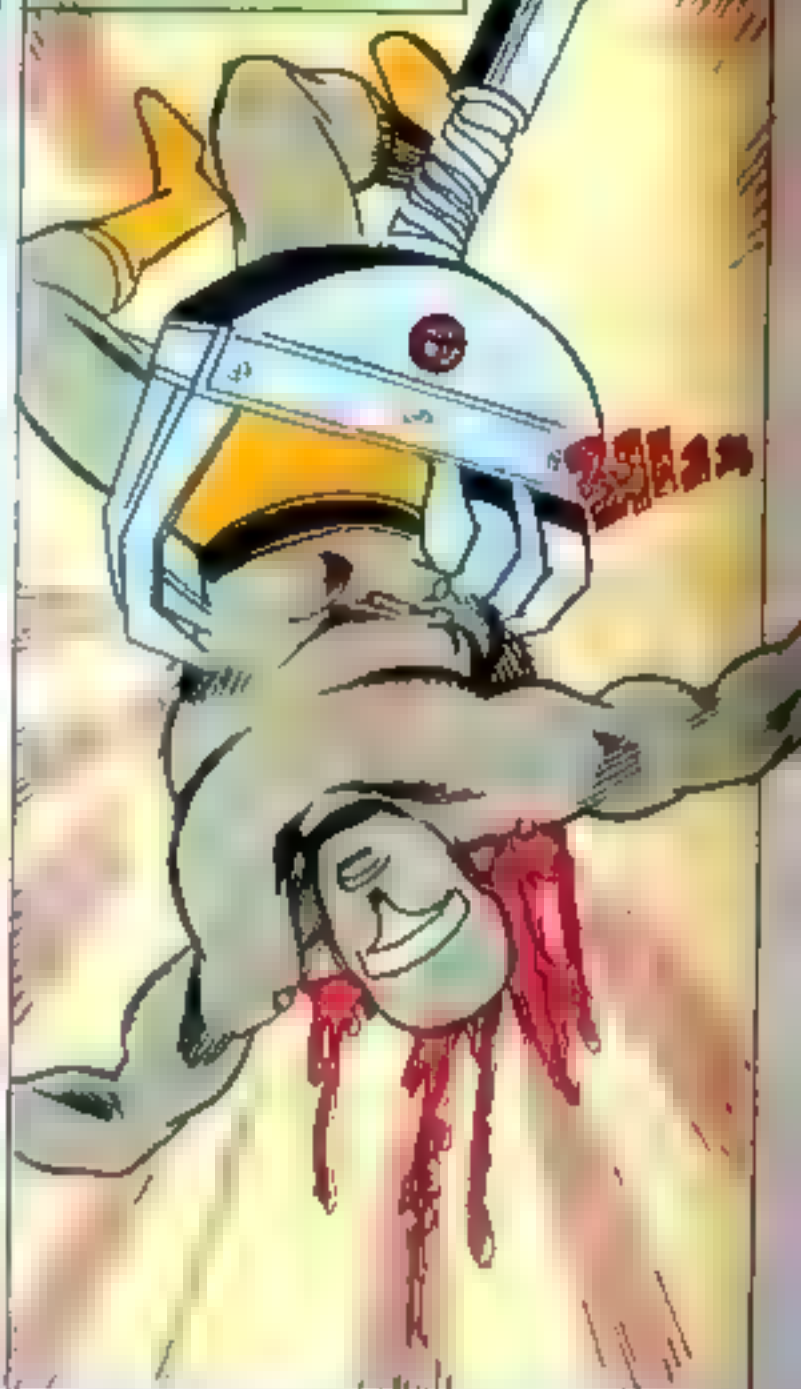
मेरा जीवन बचाने वाले
के जीवन को उंच आगे लो
लागत है मुझ पर।



भिंचते चले गये लड़की के जख्मे
और ...

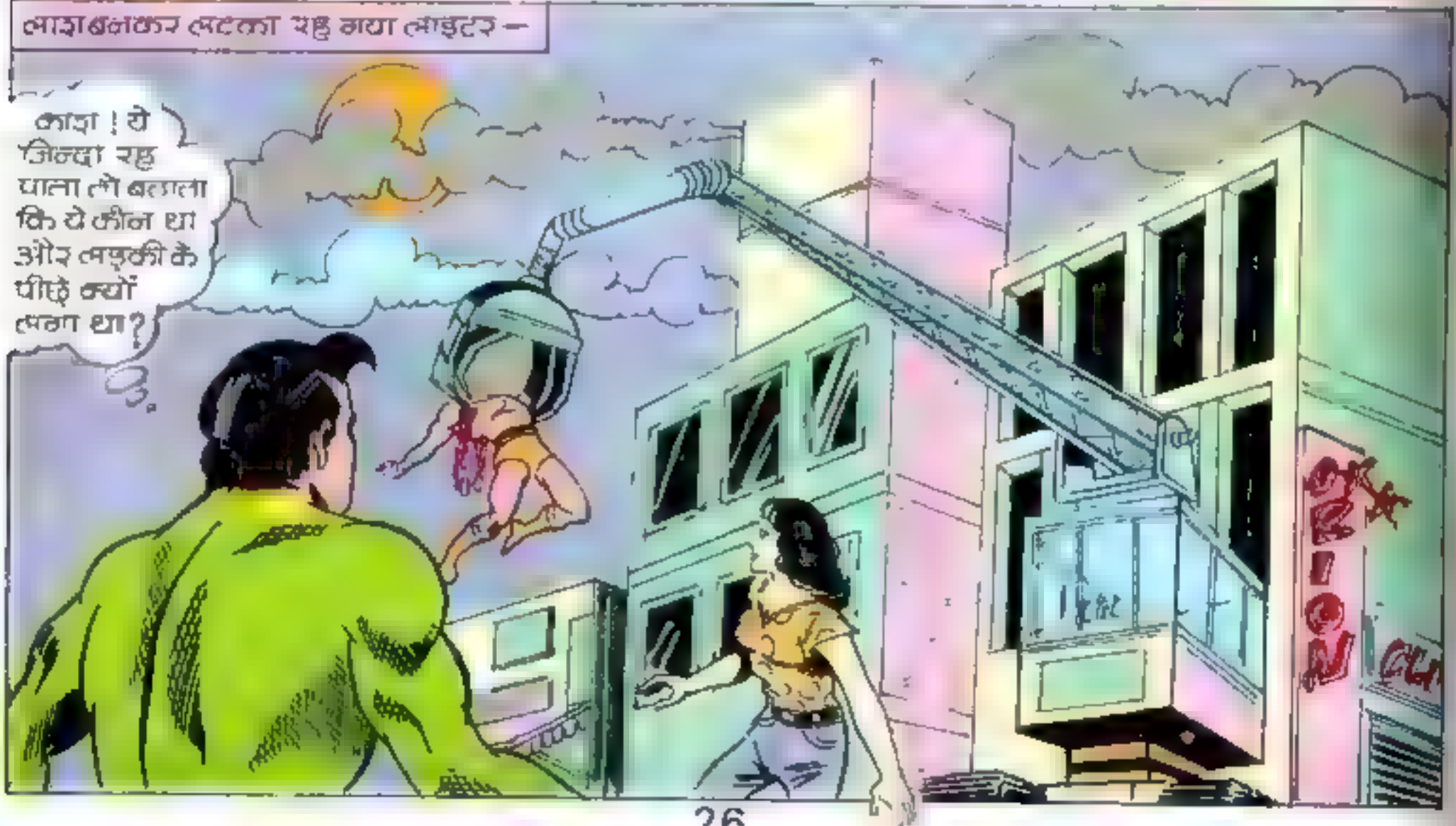


धंसते चले गये डिंकजे के सुकीले कोने
लाइट के शरीर में—



लाश बनकर लटका रह गया लाइट —

काश ! ये
जिन्दा रह
पाता लो बहाना
कि ये कील था
और लड़की के
पीछे क्यों
लगा था?



लड़की ने बताया

य आपने कुछ साधियों के साथ मेरी कार में और अतीत में अपहरण करने आया था। उन्हें तो काबू करने में सफल हो गये थे, लेकिन मैं भाग नहीं सकी।

लेकिन मेरे सवाल का जवाब तो यह लड़की भी दे देगी।



कौन हो तुम?

मेरा नाम गोली वसा है।

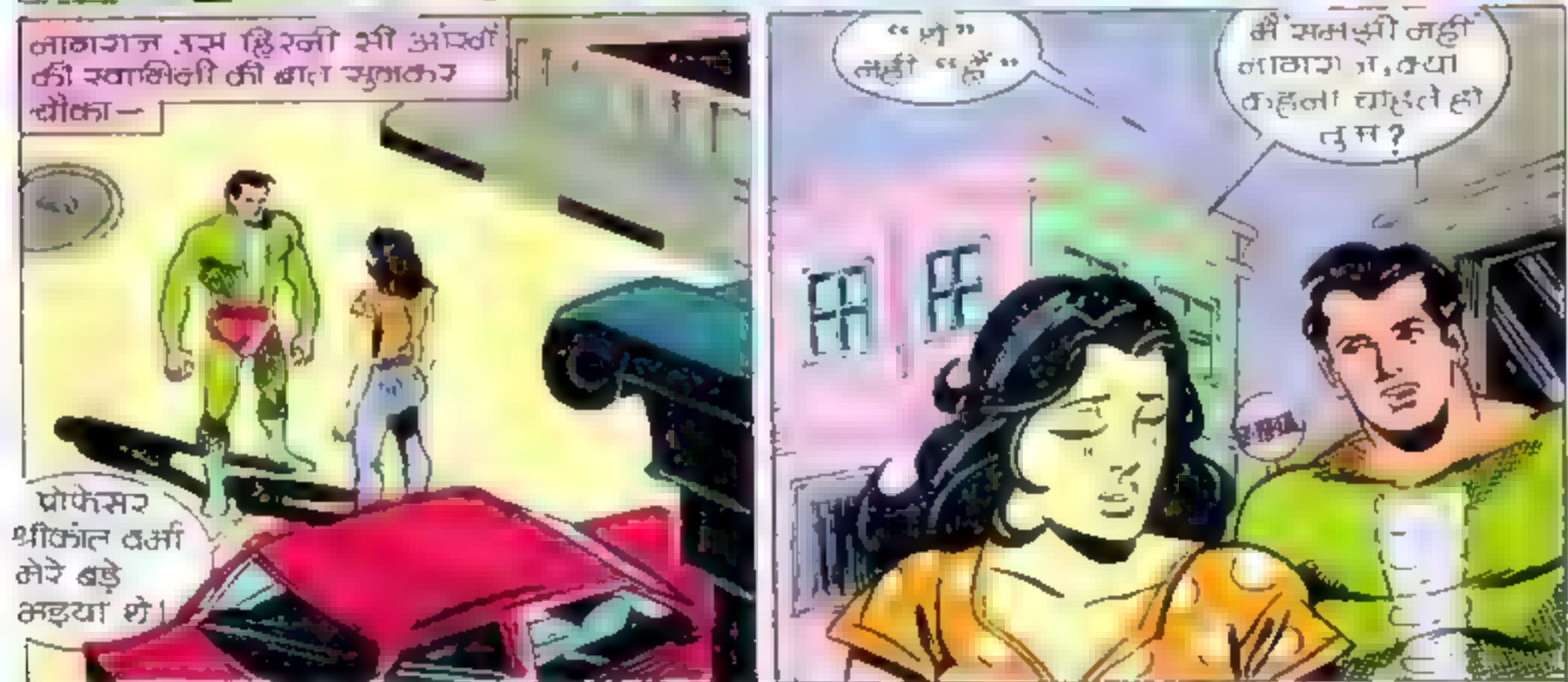


लाभगज उस हिस्से भी अंशों की स्वामिनी की बात सुनकर चौंका -

“ये”
लड़की “हैं”

कौन समझी लड़की लाभगज ने क्या कहना चाहते हो तुम?

प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा मेरे बड़े भइया थे।



नागराज ने समझाया तो हैस्त ही हैस्त जाच उठी उस कजरारे कलों में—

मेरे अड़िया इन्विजिबल मैं ! हत्यारे !... लेकिन उन्होंने मंत्रीजी की हत्या क्यों की ?

यही जानने तो मैं तुम्हारे पास जा रहा था, लेकिन यहां तो कई रहस्य मुंह बाये खड़े हैं...

... कि कौन है लाइटर और उसके साथी जिन्होंने तुम्हारी भाभी और अतीजे का अपहरण किया ?



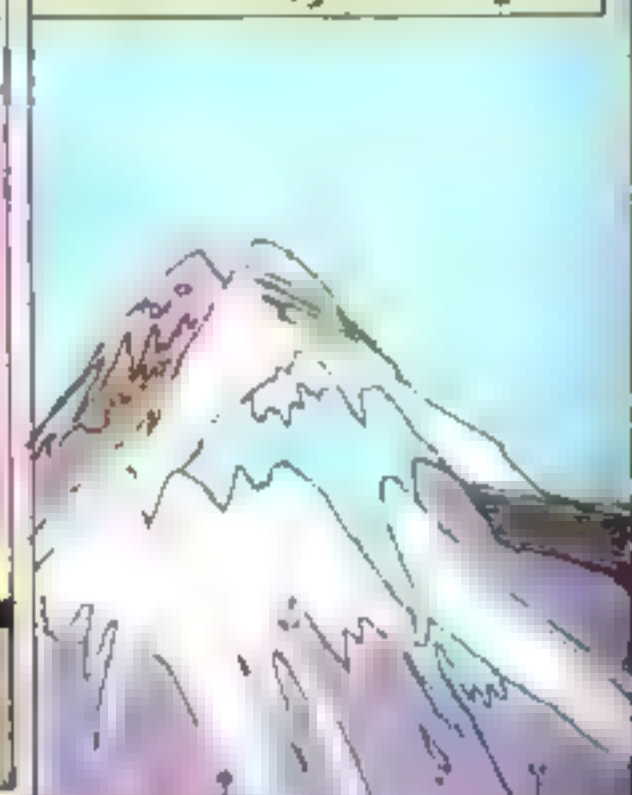
जागिल सी फुफेंकार निकली कोमल कंठ से—

उनका अपहरण करने वाले जो भी हैं, मैं उन्हें दूध डूबी नहीं !

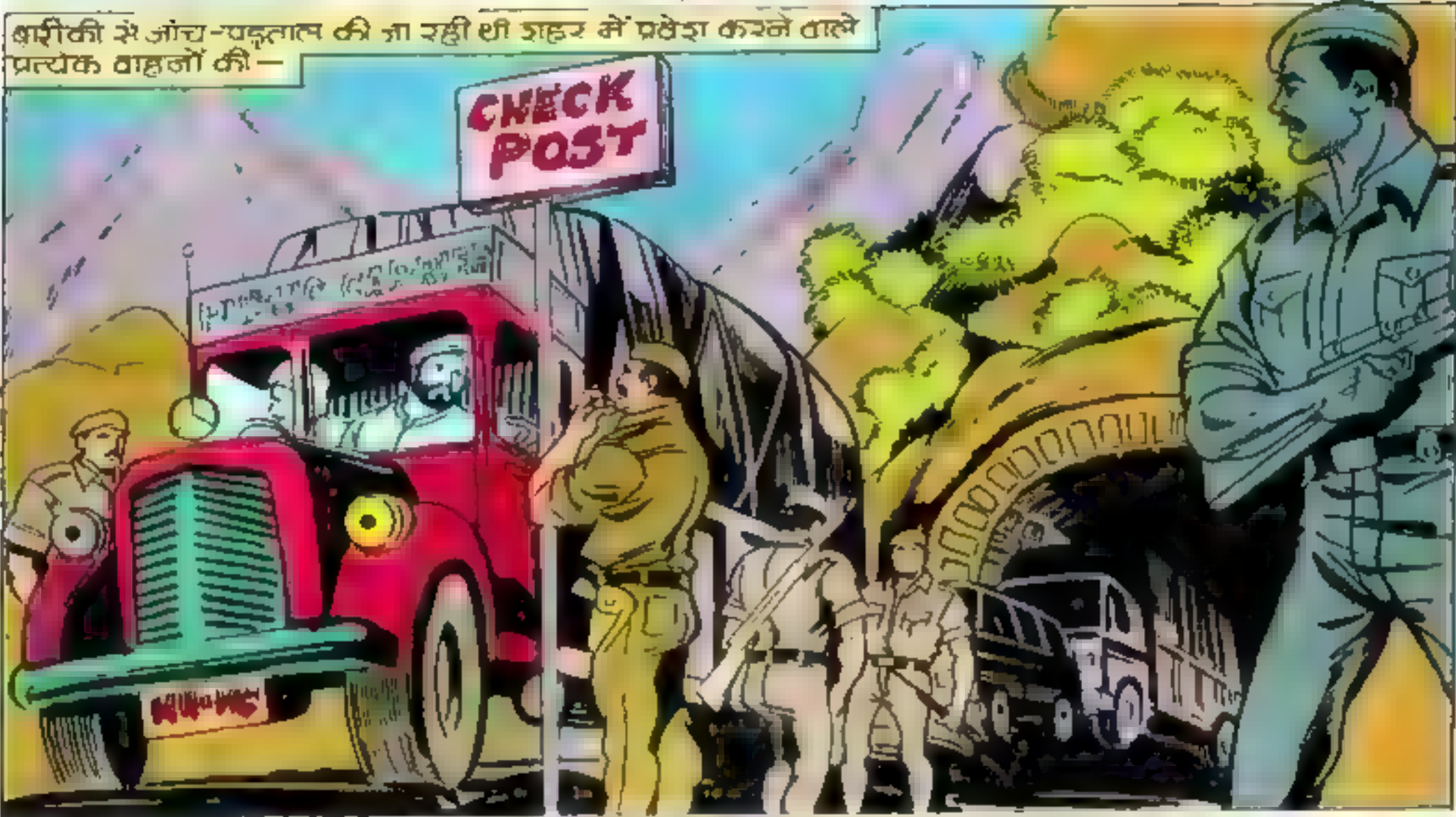
नागराज तुम्हारे साथ है जौली !

भारत - नेपाल बॉर्डर—

जहां आज तैनात था पुलिस-कार्मियों का झुण्ड का झुण्ड—



धारीकी से जांच-पड़ताल की जा रही थी शहर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहनों की—



कारण—

खतर मिली है कि इस रास्ते से आ ज एक बहुत बड़ी कुंजी केरसा-इलाके में लेपाल से आरता से प्रवेश करने वाली है।

लेकिन ऐसा होगा नहीं। अगर वह केरसाइलमेंट "अदृश" होकर भी यहाँ पहुँची तो हमारा चौकस आँखों से वह भी नहीं बचने वाली।

मचलक चौक पड़ी हर चौकस आँख—

हे बलाइन्! इस जल की आवाज। कोई दक इधर आ रहा है।



मिर्फ हेडलाइट ही आ रही है। दक तो कहीं कहीं दिख रहा।

"कछ" तो जरूर है।

सचमुच "कुछ" जरूर था--



लेकिन इसका किसी को पता नहीं चला--

सिर्फ अहसास हुआ ...
अचानक अहसास-- ...
जिसके हाथों में बहुत दूर
हो गई थी ... क्योंकि ...



...भीत बलाकर पुलिस-
कर्मियों के सिर से गजर
चुका था वह "कुछ".



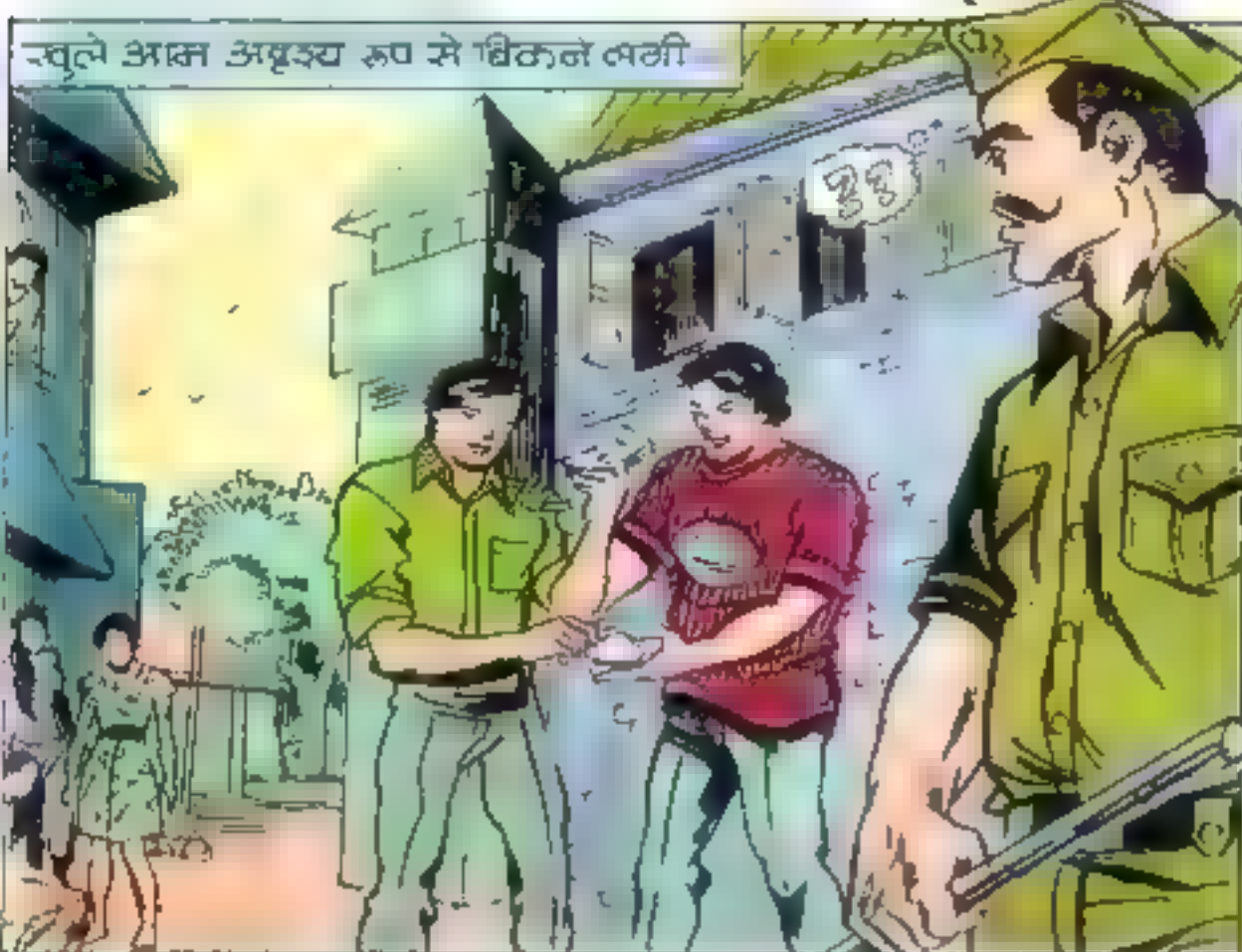
बाह ! सिपाहियों को कुचल
कर इतना बड़ा दक लेकर
हम भारत में आ गये
और किसी को
हमारी "हवा"
की नहीं लगी।

अब
भारत में
राजस्थान से
बिकती हुई
अदृश्य दक में
करी अदृश्य
रमैक।

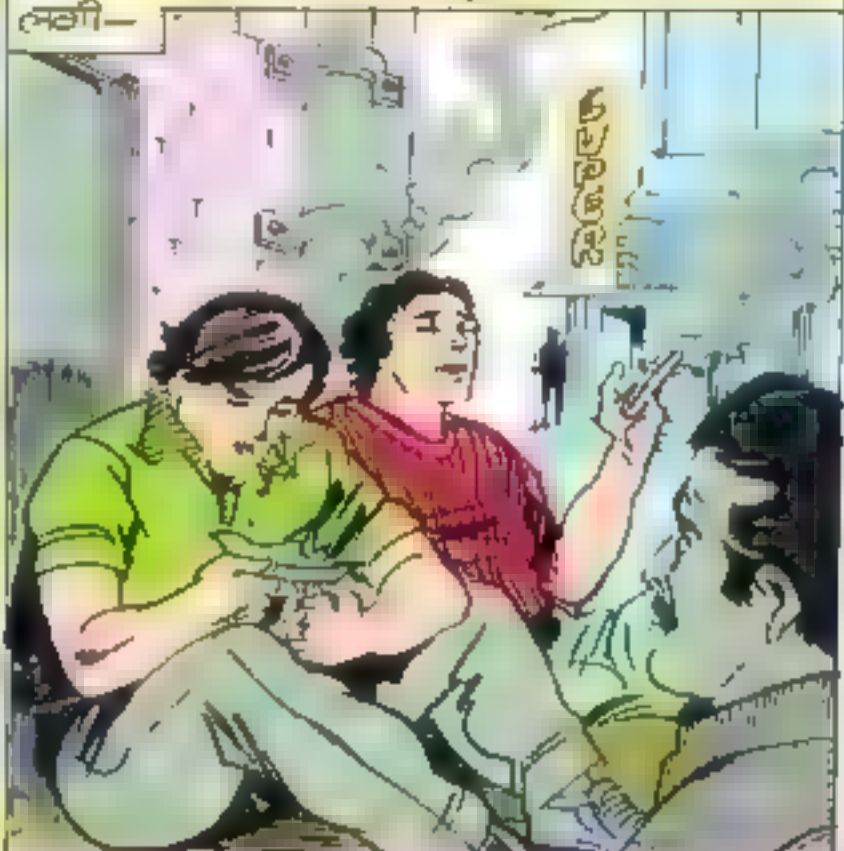
अदृश्य दक में लगी अदृश्य रमैक--



खुले आम अदृश्य रूप से धिक्कने लगी



और खुले आम ही अदृश्य रूप से पीजाने लगी—



आराम से तभी सफाई लेता वह अदृश्य जहूर।

गीत की गुंजाहरी पेई चिंग का चुकिंग हॉल —



तभी तो सुरक्षा व्यवस्था का इतना तवाड़ा इन्तजाम किया गया था—



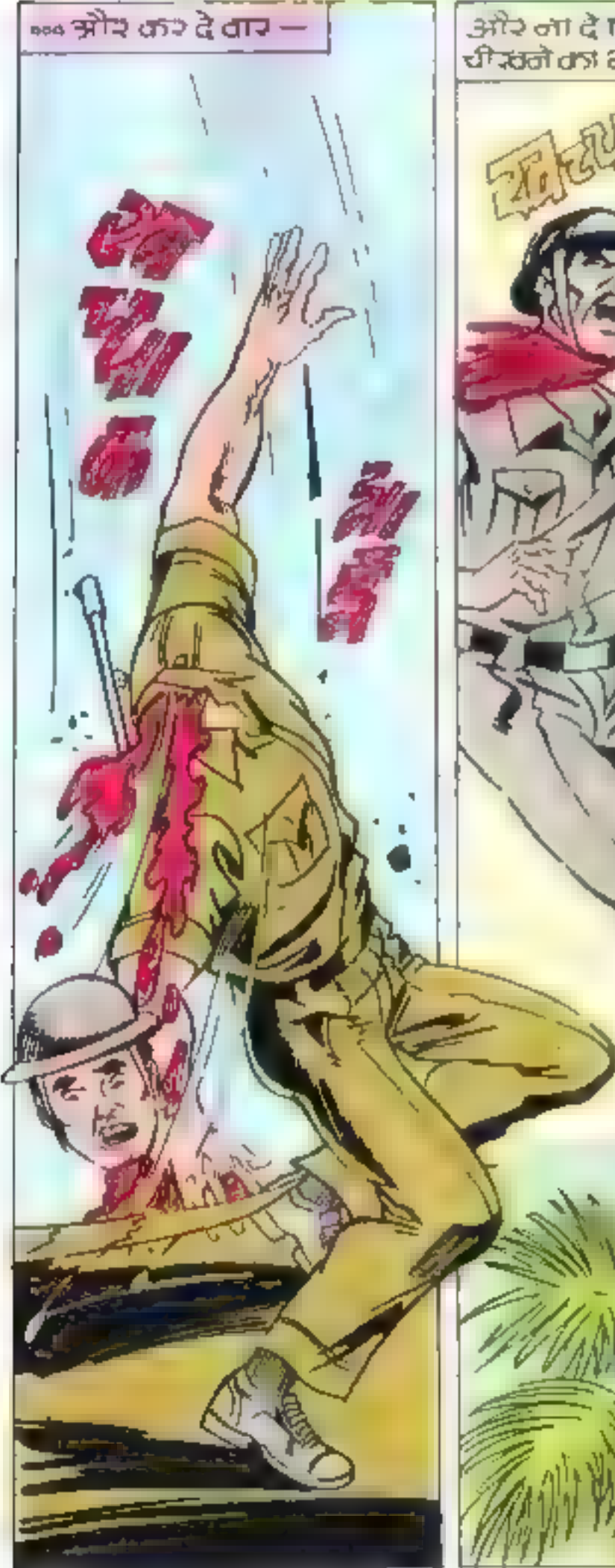
अहा आयोजित किया गया था राष्ट्रमंडल देशों का सम्मेलन—

खेकिल क्या करे कोई तब —

जब कोई इस तरह आये —



और कर दे वार —



और ना दे किसी को
चीखने का भी मौका —

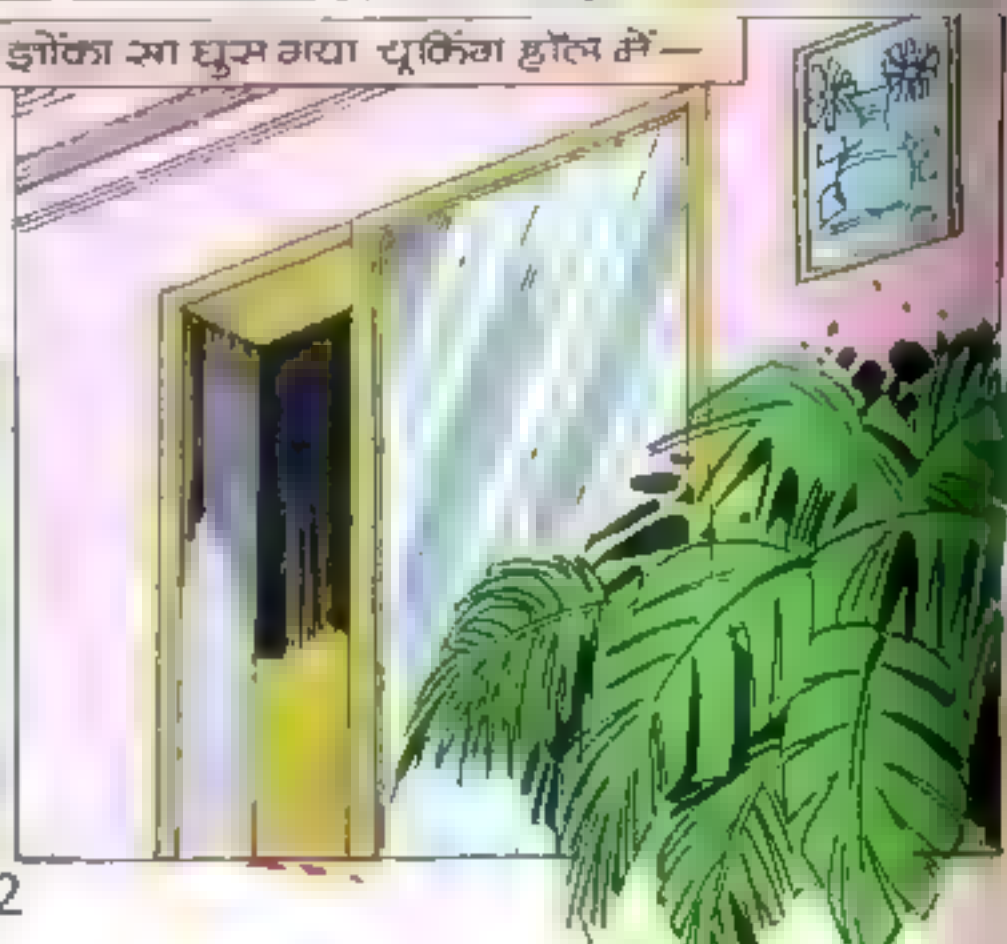


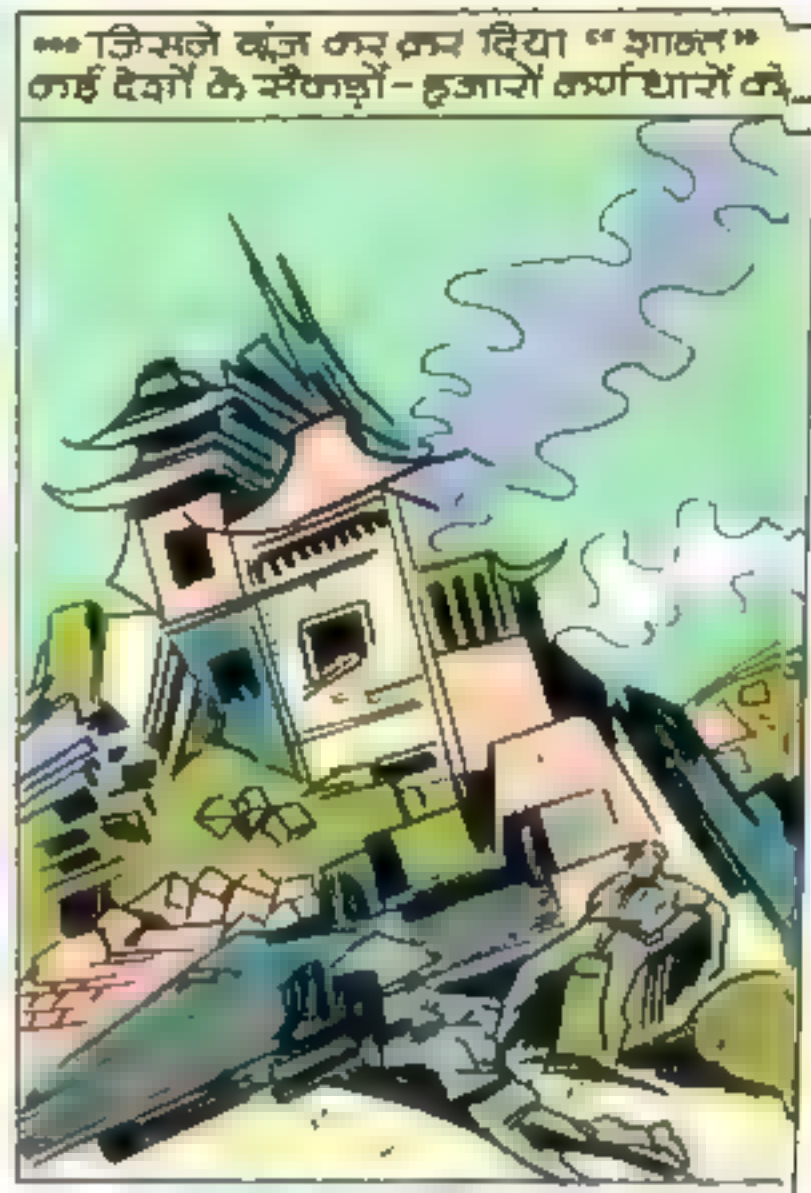
हैरान और परेशान थे सतर्कता की प्रतिमूर्ति मना
जाते ठाप्ते चीनी पुलिसकर्मियों —



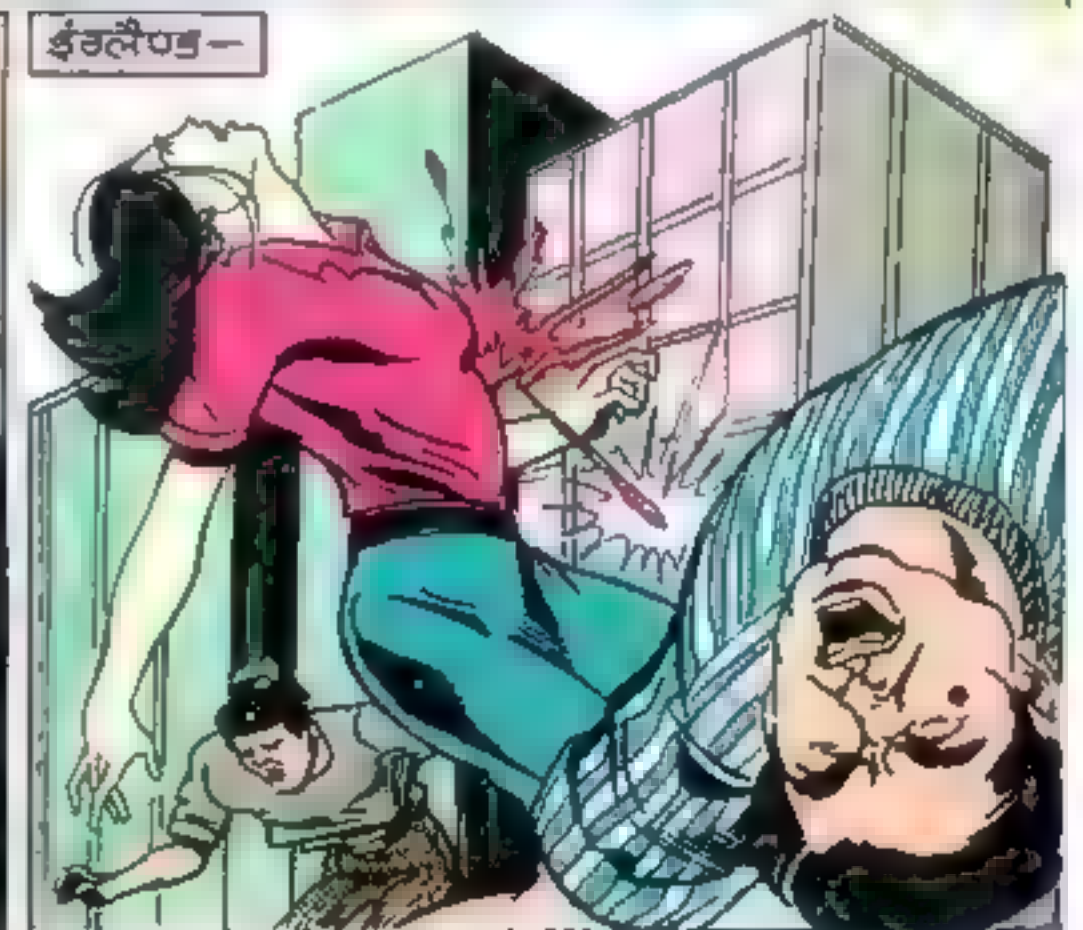
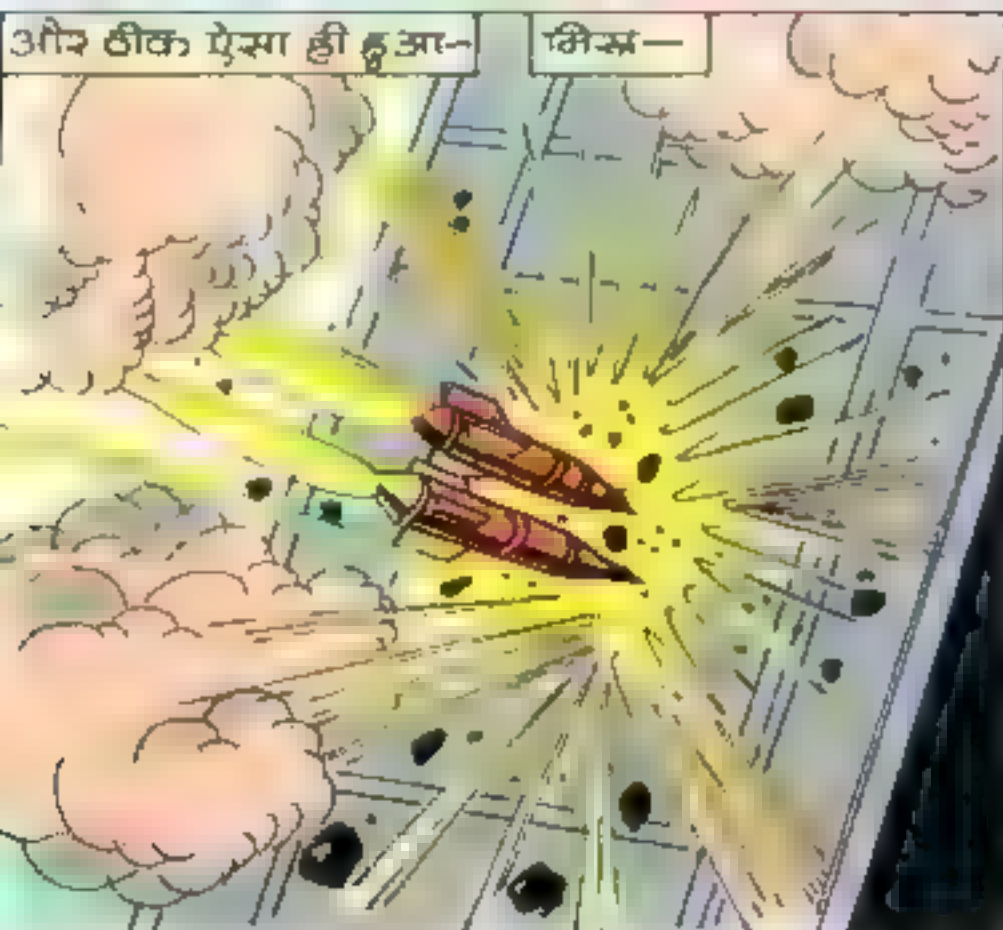
किसने
किया ये, यहाँ
तो कोई दिखानाई
ही नहीं दे रहा?

हवा का झोंका सा घुस गया चुकिंग हॉल में —





ऐसा ही कुछ हुआ जापान की राजधानी टोकियो में भी—

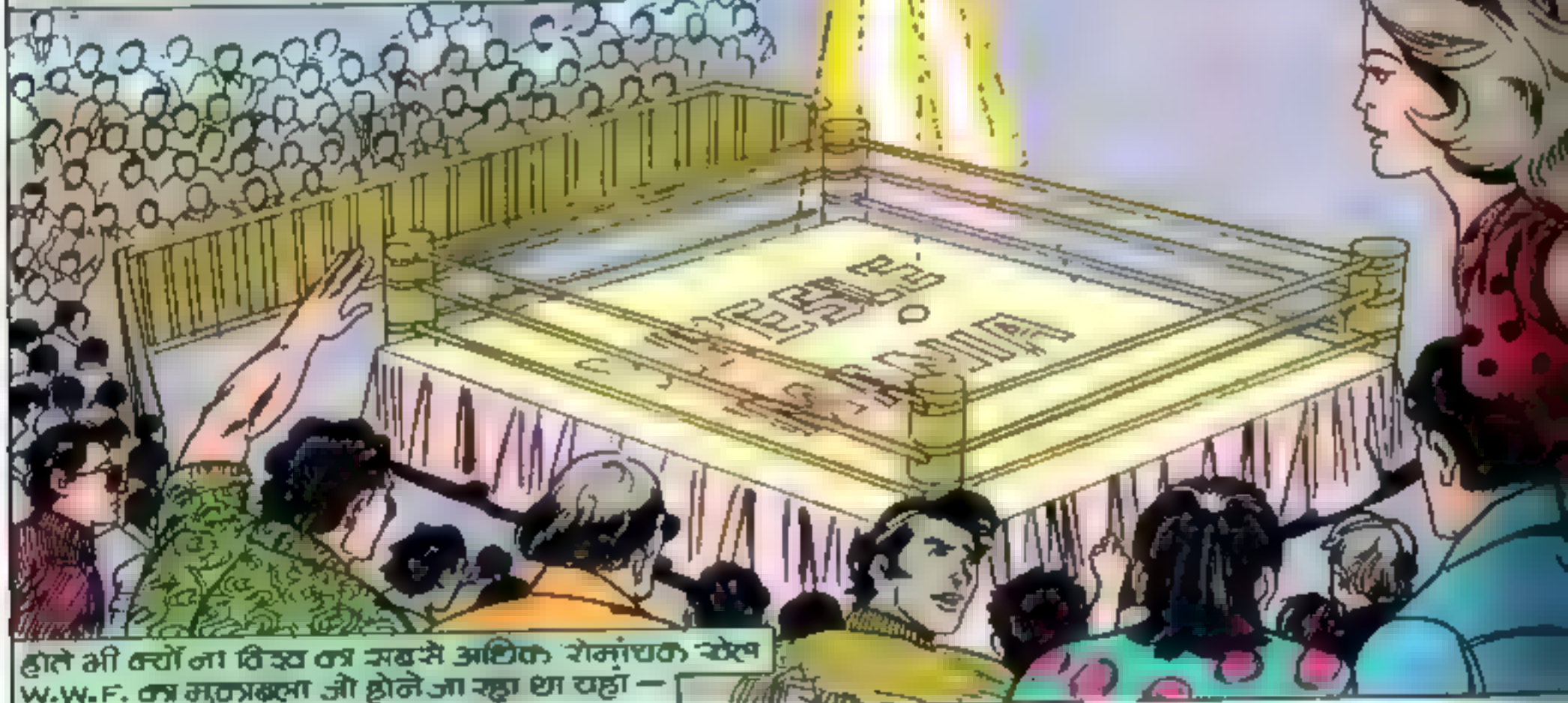


और विश्व के अन्त देशों में भी—

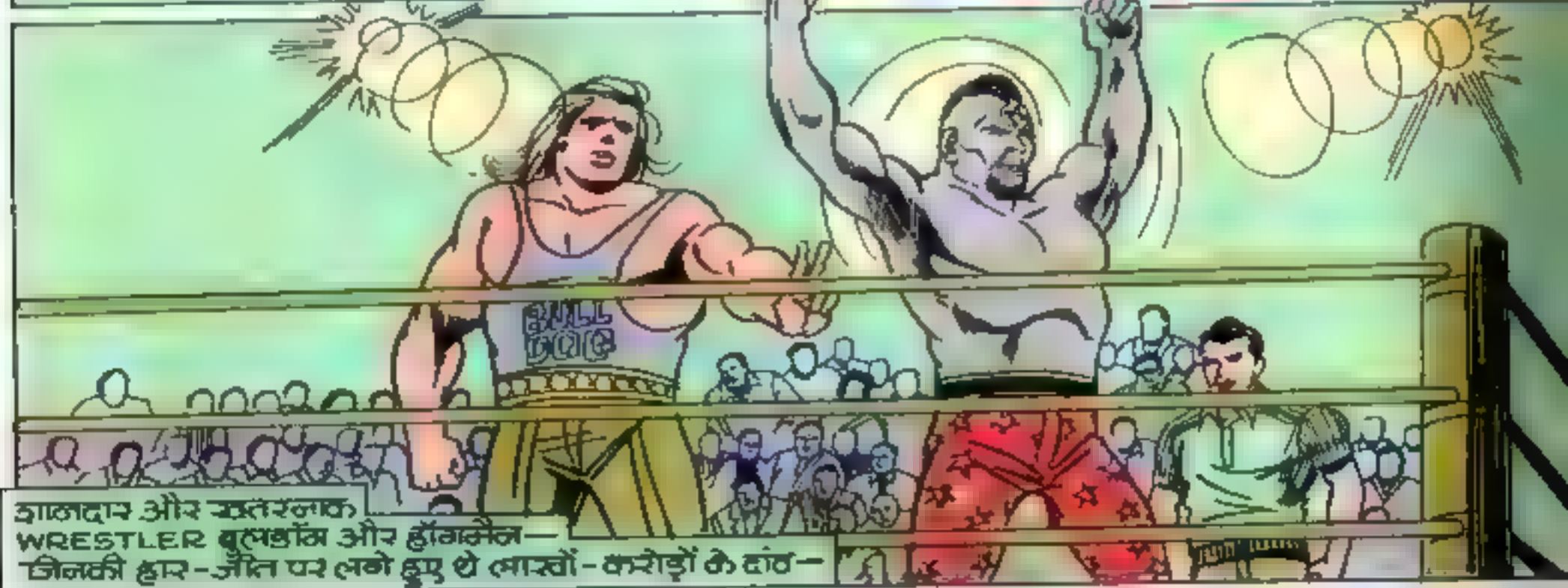


मद्रास का विशाल अन्नामलाई स्टेडियम—

जिसमें मौजूद थे हजारों उत्साही दर्शक—



होते भी क्यों ना विश्व का सबसे अधिक रोमांचक खेल W.W.F. का मुकाबला जो होने जा रहा था वहाँ—



झालदार और खतरनाक WRESTLER बुलडॉग और हॉगमेल—
छिनकी हार—जैत पर लगे हुए थे लाखों—करोड़ों के दार—

जमी तो धक-धक कर रहे थे "कुछ दिल"

ये मुकाबला बल्लडॉग जीत गया तो हमारे करोड़ों रुपये मारे जाएंगे जी।

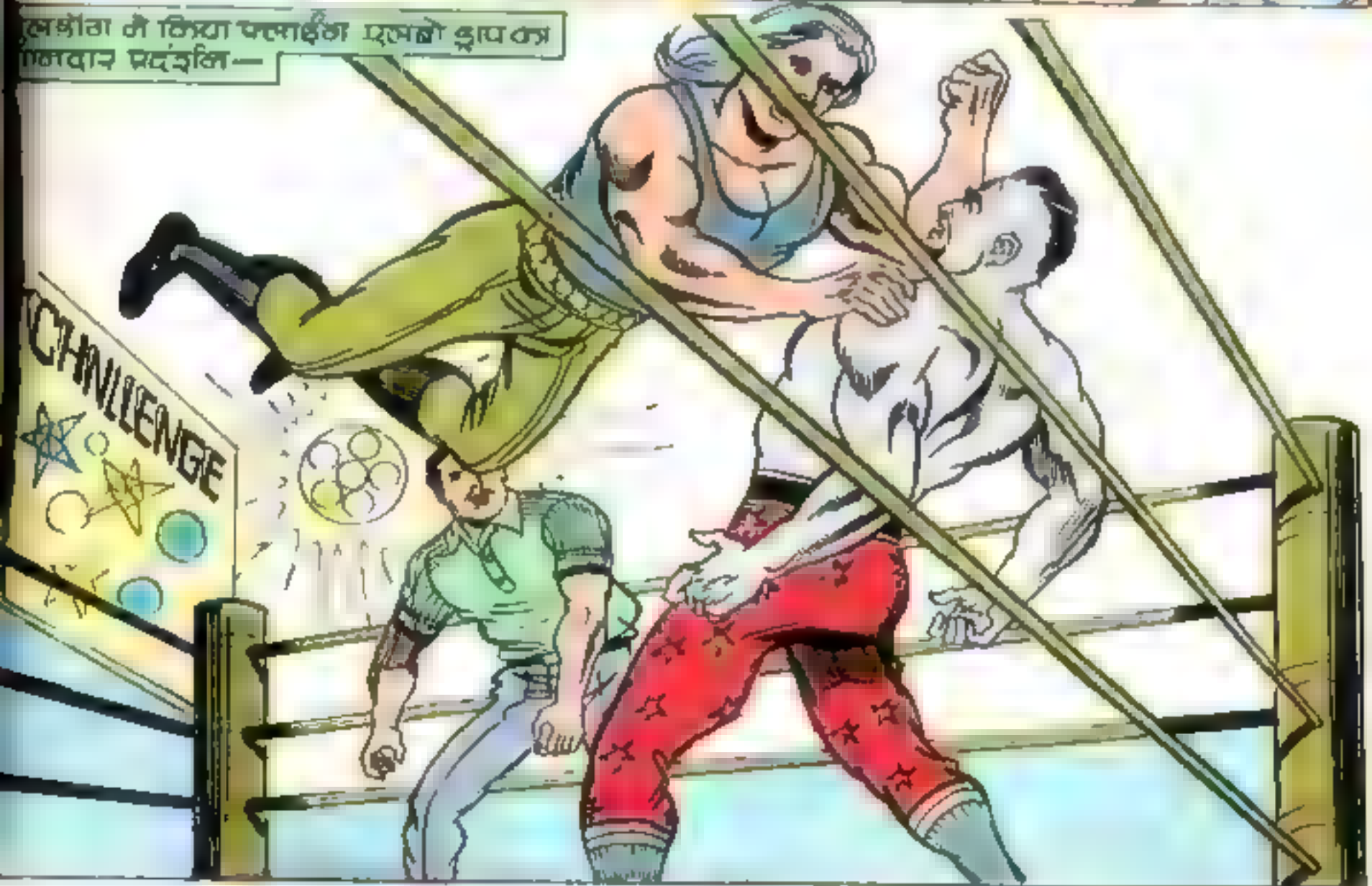
हमने कहा जा मिस्टर पुसन, कि मुकाबला हॉगमैन जीतेगा तो हॉगमैन ही जीतेगा। उसे जिताने के लिए हमने तुमसे ही नहीं हजारों 'कस्टमरों' से पड़वोंस लिया है।

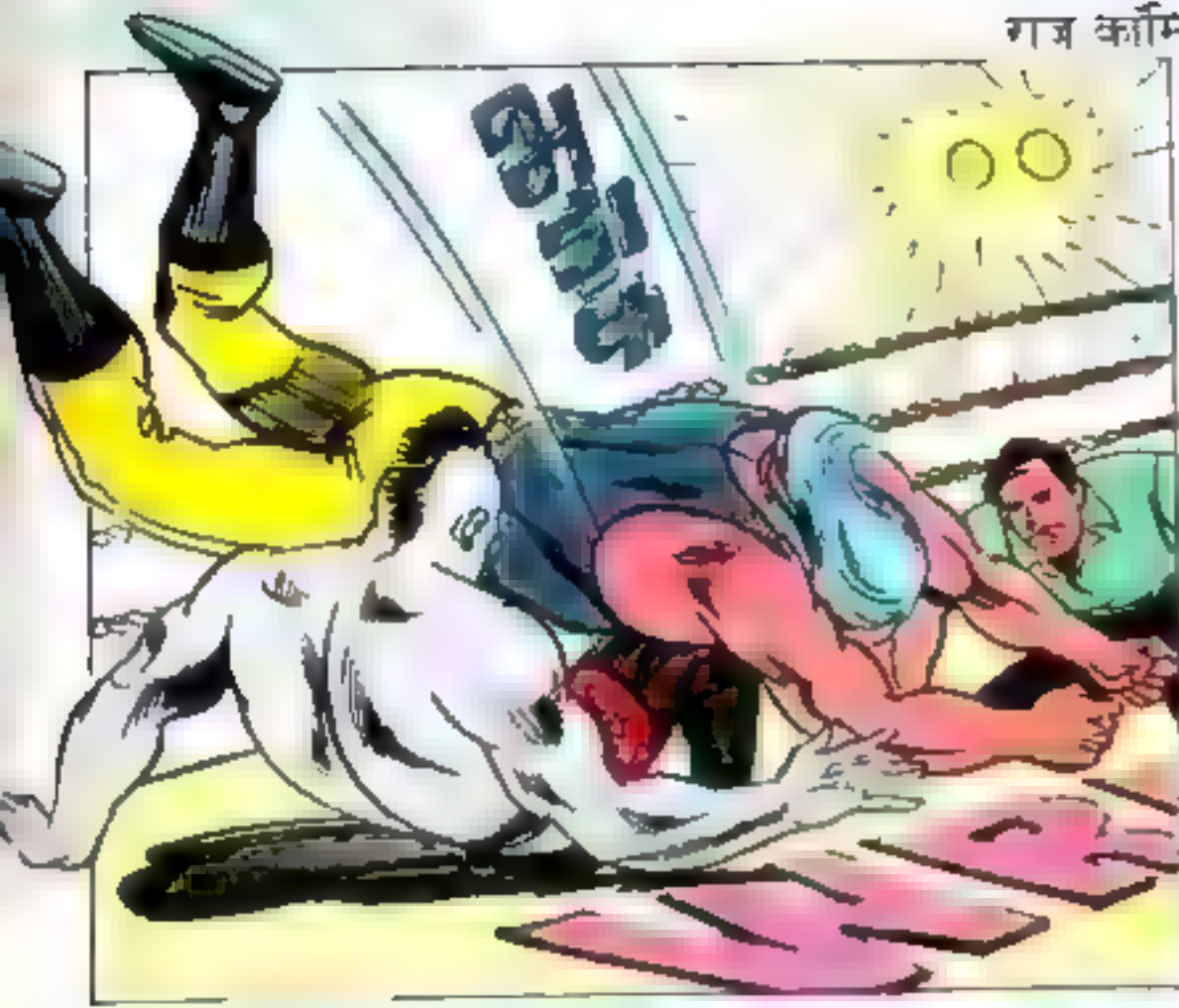
लेकिन ये होगा कैसे जी?

मुकाबला शुरू होने दो। अपने आप पता चल जायेगा।

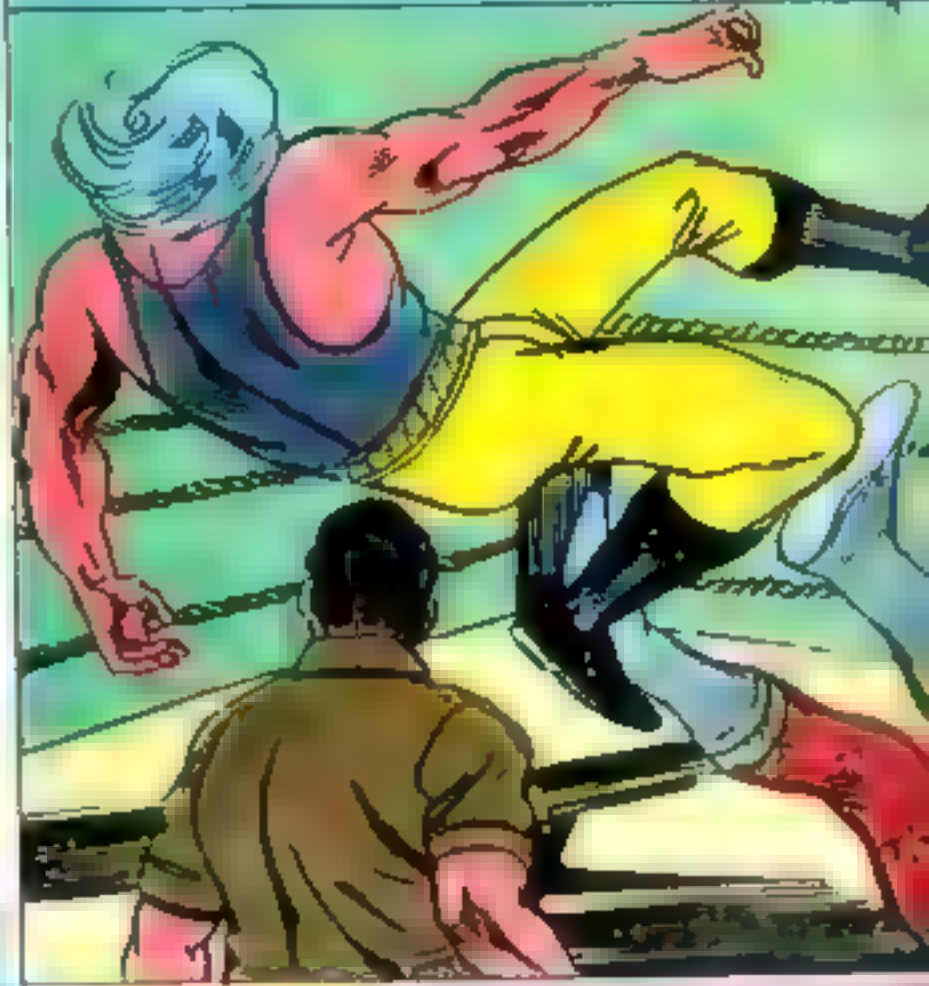


लडोंग ने किया पल्लईंग एम्बो डायक गजदार प्रदर्शित—





ये था हॉकमैन का गोरिल्ला स्लैम (GORILLA SLAM)



रिंज के जई - जई को हिसा दिया शड़म से त्रिरे ... अके भारी डारीर ने -



फिर उठने की लास कोड़ा।
कस्ने के बाद भी उठ लही
पाया वह -

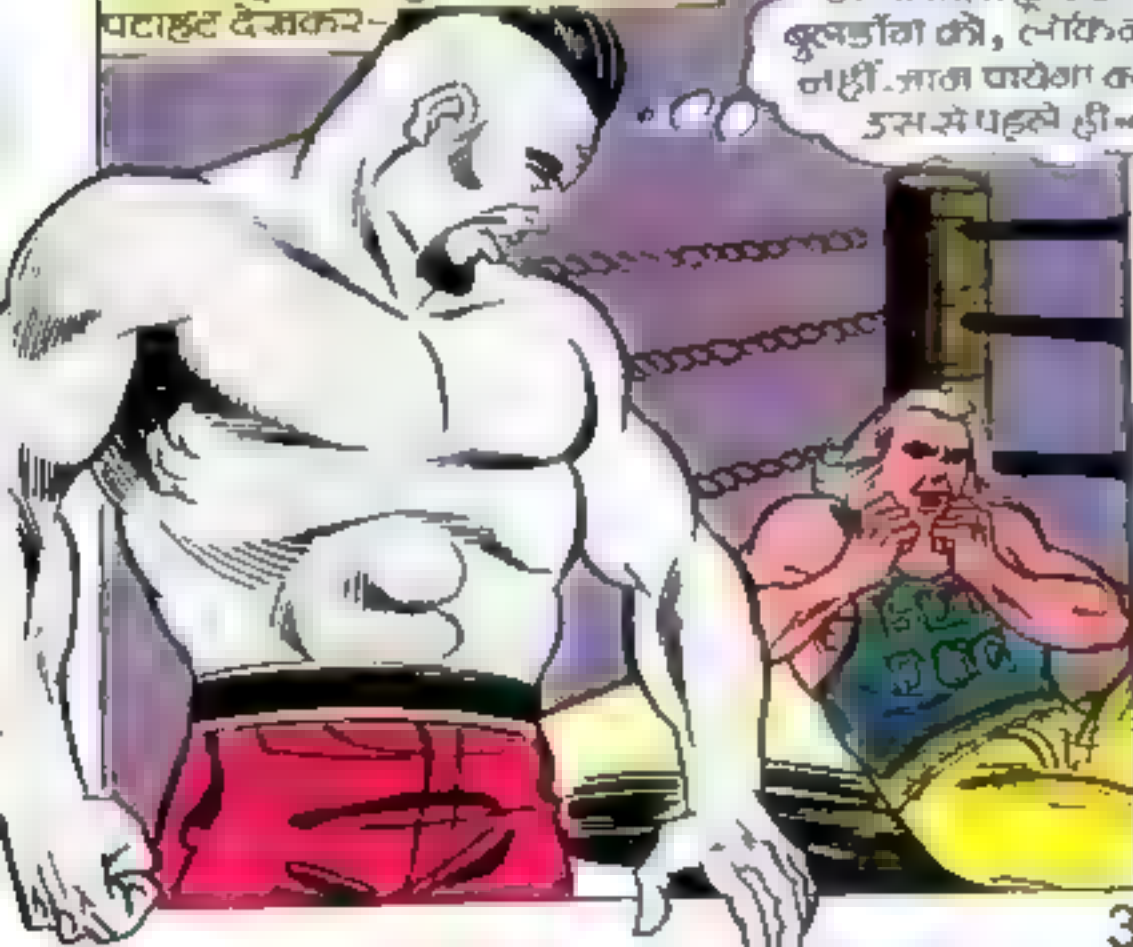
अरे, ये मुझे
किसने पकड़ लिया?!

... उफ!

पूर करतकत खोल गई हॉकमैन
के भयदे होंठों पर बुलडावा की छट -
पटाहट देसकर -

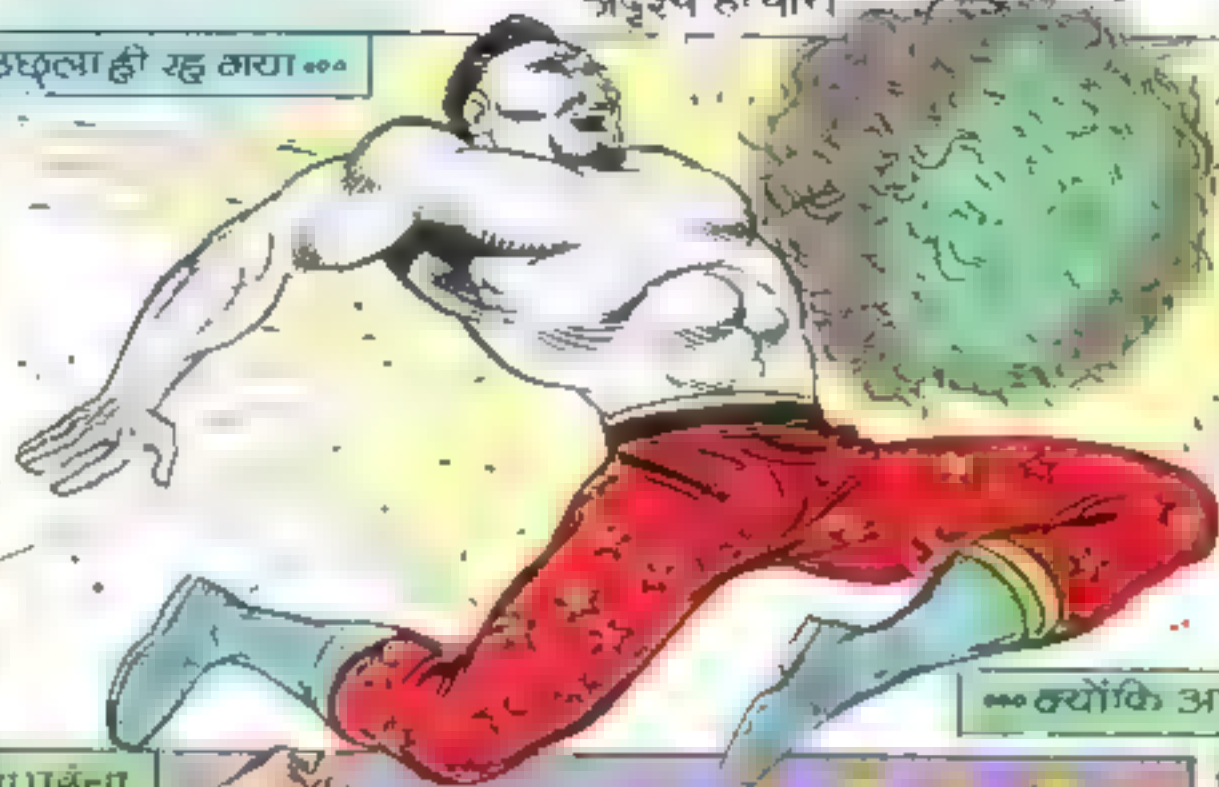
मे मानता हूँ क्या हुआ है
बुलडावा को, लेकिन वह कभी
नहीं जान पायेगा क्योंकि
उस से पहले ही...

... लिकल
जायेगी उसके
पाया।



हवा में उड़ता हुआ गोरिल्ला

रि उछला ही रह गया...



दी
दी
दी



...क्योंकि आ पहुँचा था नागों से बना वह गोला...

आ पहुँचा



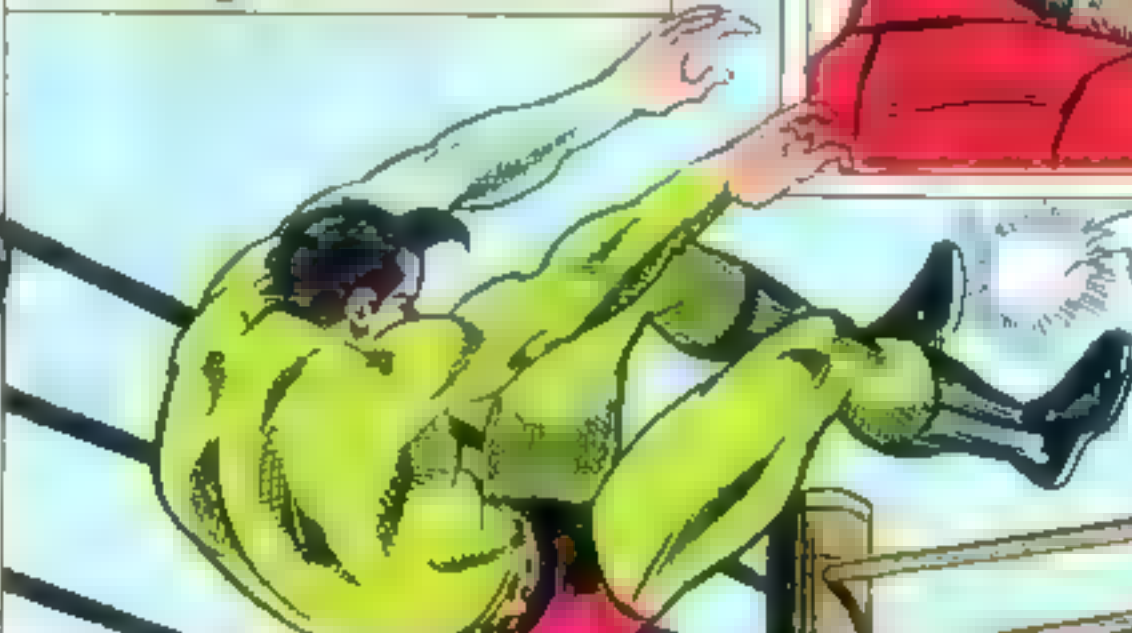
WWW
MANIA

पुलिस!



...एक मछली रूप में
और कई अदृश्य रूप
में।

वस इतना ही बोले पाया नागराज -

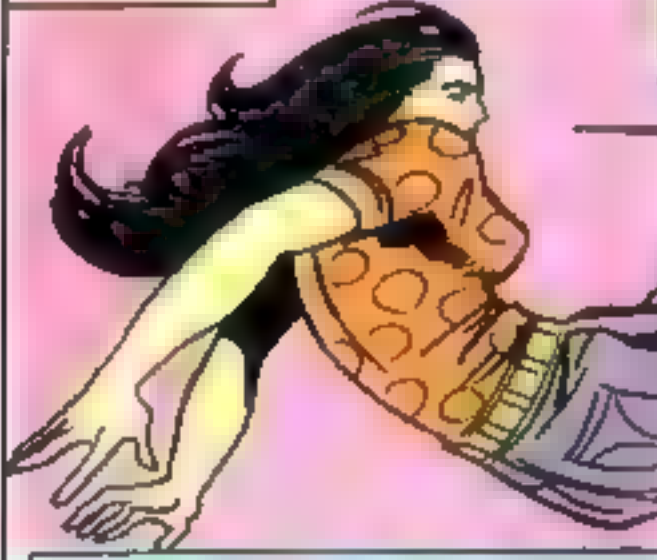


इस रहस्य की खोज-
कर तुमने अपनी
मौत बुझा ली
नागराज!

और मुंह गिरा नागराज—



ठीक तभी—

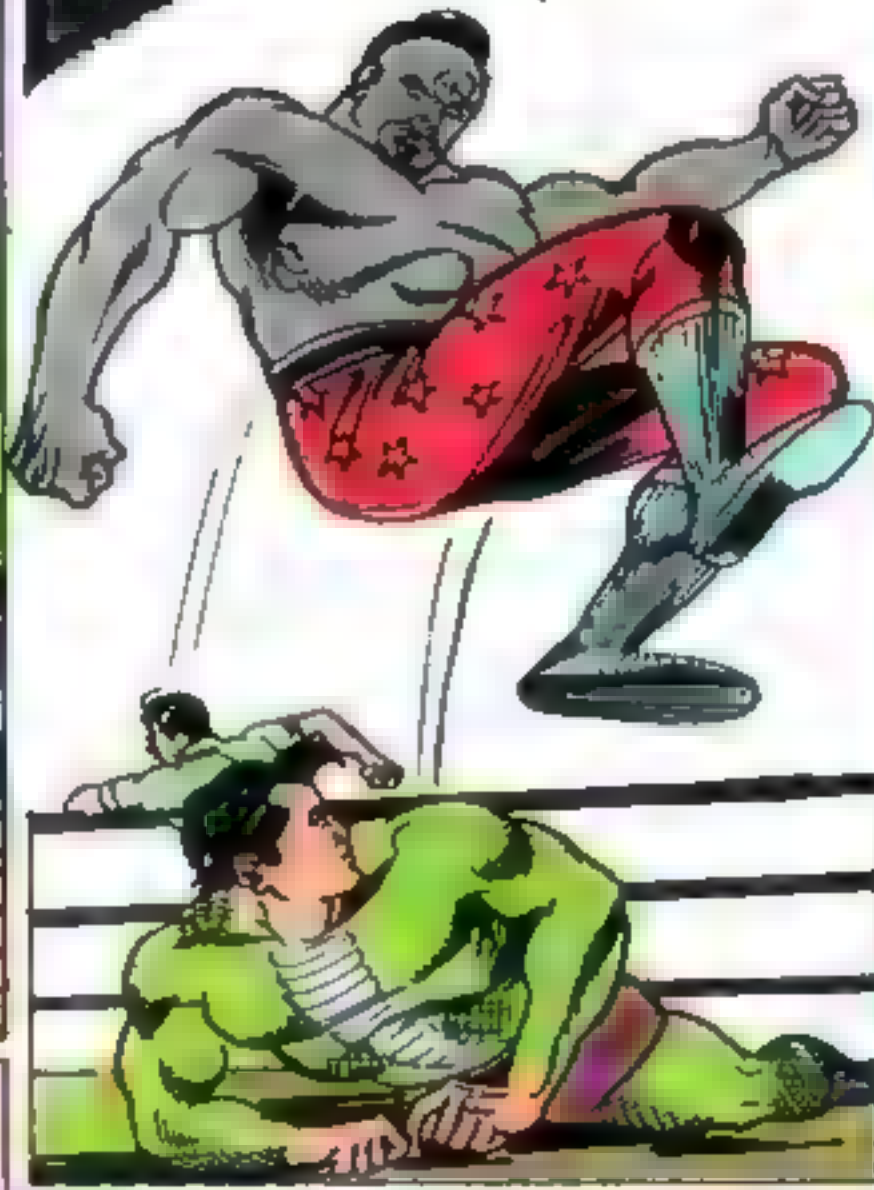


इस बार जौली उछली तो दो मजबूत हाथों ने
हवा में ही लपक लिया उसे—

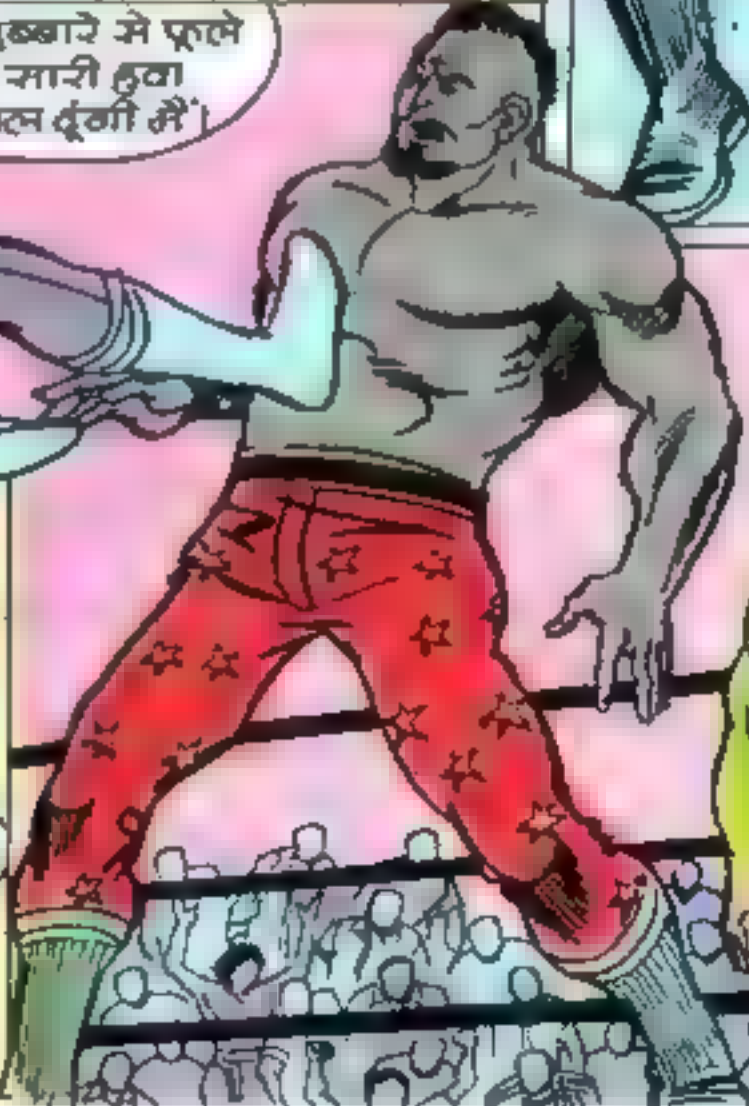


उसके सम्मुखों से पहले ही उछला होंगामैन—

तुम जैसे कब तो "लेन ड्राप"
के एक ही ठार में कपूमर
निकल जायेगा।

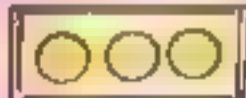
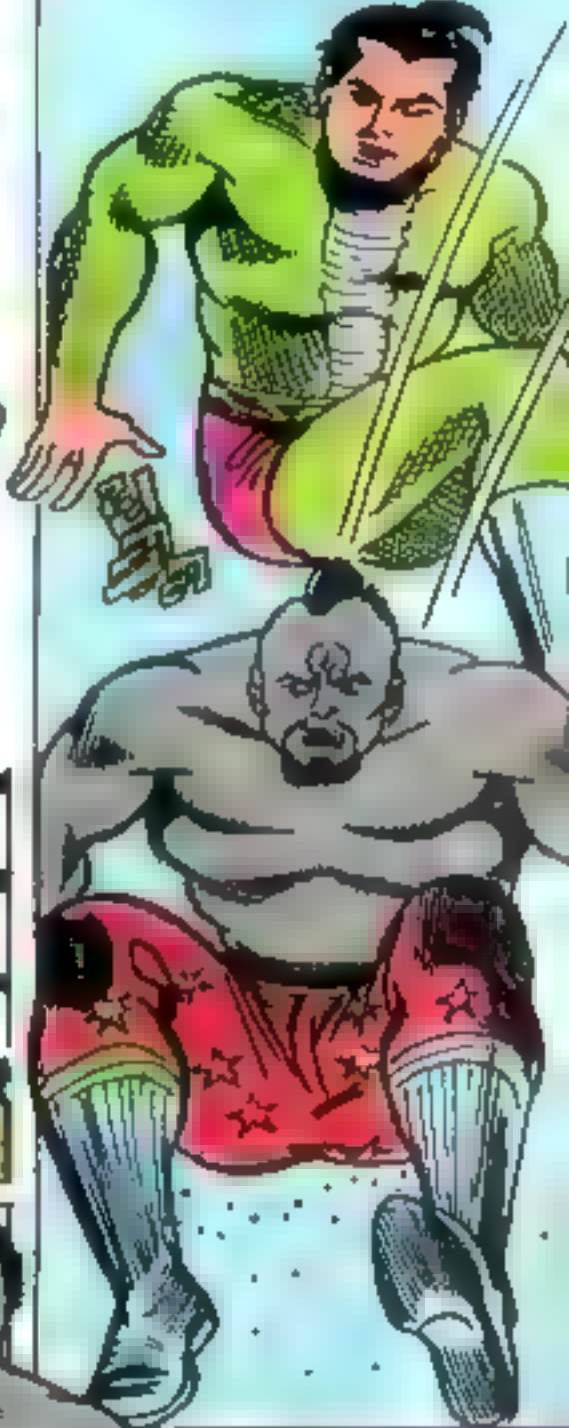


तुम्हारे इस ठुठकारे से पहले
शरीर की सारी हवा
निकल चुकी है।



सर्प सा सरक गया नागराज—

अगर ये मेरे ऊपर गिर ग
होता तो मेरी एक आध हड्
घटक जाती।



उछाल दिया—

अदृश्य हत्यारा



बेहद सलर्क लजर आखे जगा धा लालराज—

तीन वर्ल्ड रेसलर फाइटर
जिनमे दो अदृश्य और एक दिख
रहा है। लड़ाई के दौरान इनसे
मेरा ध्यान न बंटे इसलिये
मुझे इनसे लड़नी
होगी—

BLIND
FIGHT

जिसके लिए
मुझे चाहिए यह
कपड़ा।

और—

अब तीनों मेरी
आंखों से ओझल
हैं— अब मुझे
इसलिये करना
है अपनी सारी
स्लेक मैक्स।

बुलडॉग की बलियान झपट
ली लालराज ने—

तभी हुआ ठार। बचा नागराज—



अपने अंदाज की तरह ही सटीक था नागराज का ठार भी—



अदृश्य फाइटर के हत्यारों से चीख और शरीर से रक्त की धारा निकलती—

पल्लु सा अदृश्य शरीर "धड़क" से नीचे आ गिरा—



ठीक तभी नागराज को उधेल दिया दूसरे अदृश्य फाइटर के ठार ने—



हुवा में सैकड़ों कस्माबाजियां आकर आ जड़ा हुआ
वह लालों का राजा —



हाथी सा चिंछाड़ता
लालराज पर अपना
दूसरा अदृश्य फाड़ता —

लालों की बारिदा सी कर दी
लालराज ने आवाज की दिशा में—

ये चीख ही
तुम्हें ले इबेनी
प्यारे!



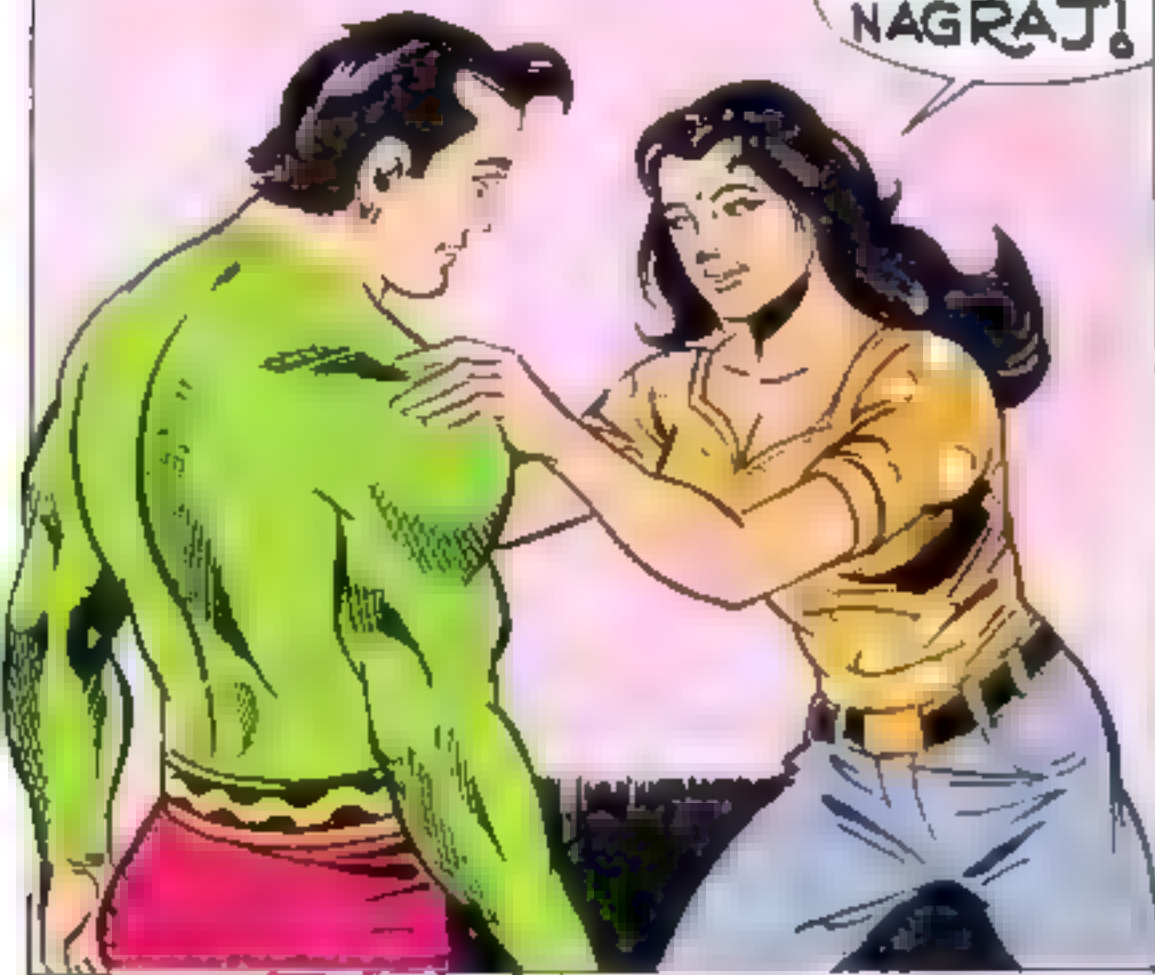
अगले पल—



साँपों का बुन गा
खलकर खड़ा गा
वह फाड़ता जो कुछ क्षणों
पहले अदृश्य था —

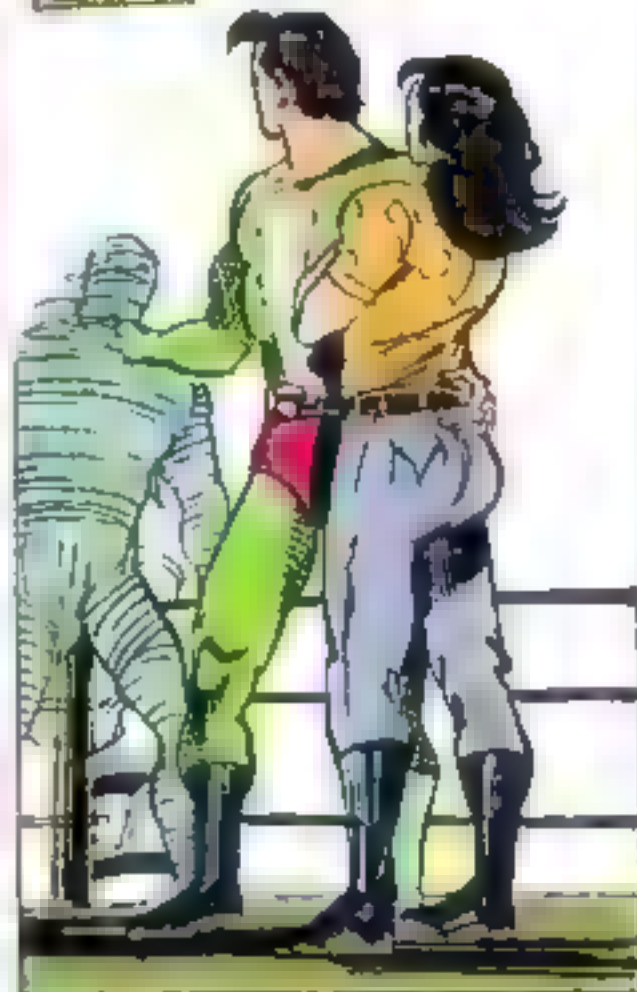
दौड़ी आई नागराज को बधाई देते जॉली

YOU ARE
GREAT
NAGRAJ!



पलटा नागराज लोगों का बुल
बने खड़े उन अदृश्य पाइटर की
तरफ -

अब तुम मुझे
बताओ कि किसके
इशारे पर नाच
रहे हो तुम?



अटके-अटके
से स्तर निकले
उसके हलक
से -

कि...
लर...
किंठा...



म इसतर्क है
बोल पाया
वह -

क्योंकि -



मांस का लोचड़ा बने पाइटर को
हैरत से देख रहे थे नागराज और
जॉली -

इलाविजिबल
रेज का आखिरी भाइया
ले लिया और उसका इस्त
माल कर रहा है किमर
किंग जी अपने इलाविजिबल
किलरों के बल पर
तहलका मचाए हुए
हैं पूरे विश्व में...



क्या
चलकर है ये
नागराज?

ममका बाया है जॉली...
आई इस समय लिहा...
के साथ मिलकर काम
कर रहा है।





य तो हमें
किस्मर किंता के
पास पहुंचकर ही
पता चल सकता
है।

लेकिन
क्यों?



हम उस
तक कैसे
पहुंचेंगे?

ये भी
जल्द ही
बताऊंगा मैं
तुम्हें।

मोहक मुस्कान खिल रही थी
नागराज के अंधरों पर -



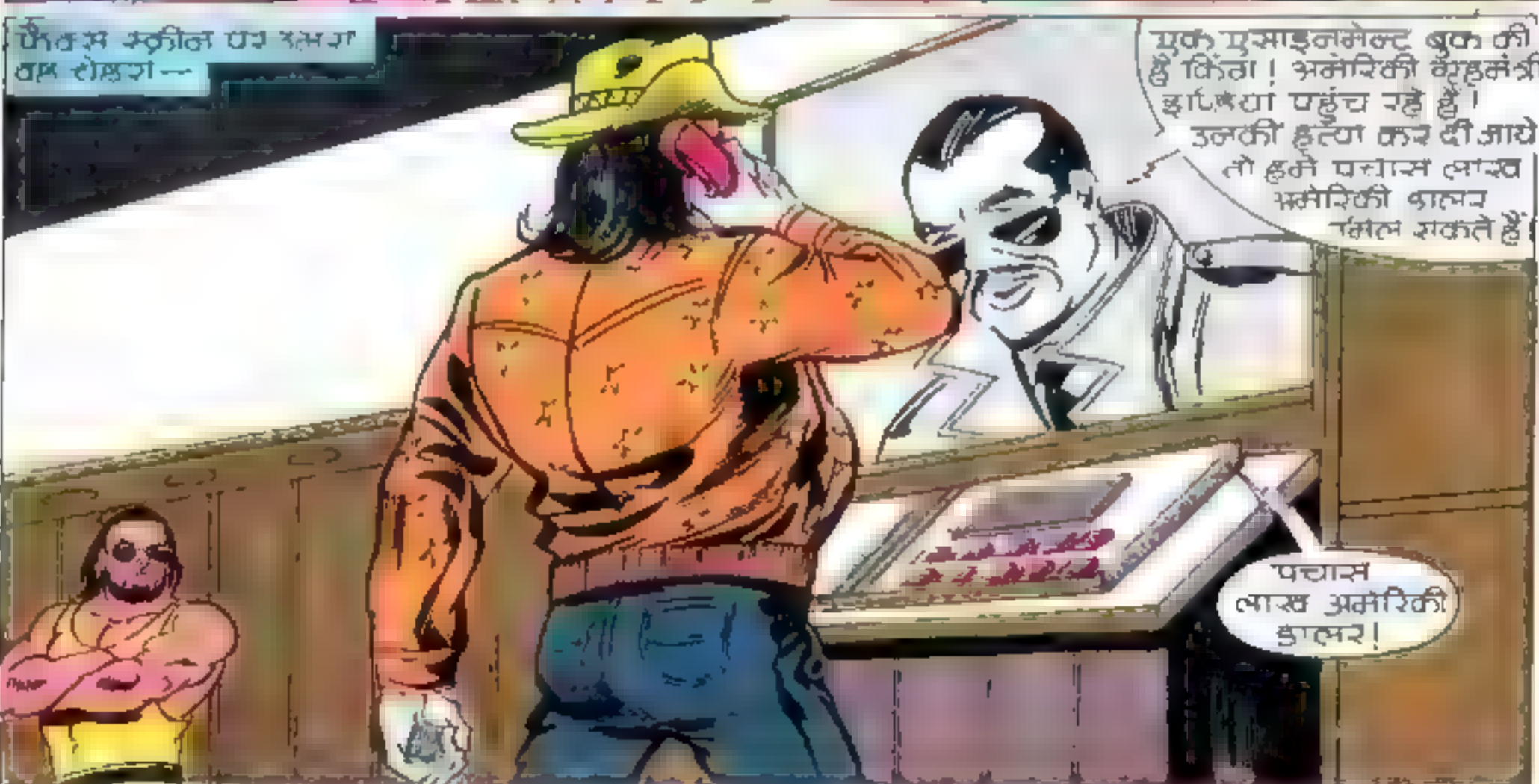
इधर क्रोध का भूकम्प तांडव कर रहा
था किस्मर किंता के चेहरे पर -

दो बार शिकस्त
दी है नागराज ने
मुझे। इसका बदला
नागराज को दो
दुकड़ों में बांटकर
लूंगा मैं।



तभी -

अमेरिका में
अपने व्यप के चीफ
आपसे बात करना
चाहते हैं किंता।



फैंकस स्ट्रीट पर खसरा
वस होलरा -

एक एसाइनमेंट बुक की
है किंता! अमेरिकी कंहुमंश्री
इजिप्शिया पहुंच रहे हैं।
उनकी हत्या कर दी जाये
तो हमें पचास लाख
अमेरिकी डॉलर
प्राप्त सकते हैं।

पचास
लाख अमेरिकी
डॉलर!

मालच से हुनार वोट के
बलब की भाँति चमक
रही थीं किलर किता की
आँखें —

इतनी रकम
के लिए तो किता
भगवान की भी हत्या
करने को राजी
हो जाये।



राजलक्षार इन्टरनेशनल एयरपोर्ट —



ठीक तभी —

COME
THIS WAY
SIR



सुरक्षा ठीकी ठीक की तरफ लेकर बड़े
अलंगरिगी से हुनार को —

छलाछला उठी झींझो की
दीवार —



और छलाछला उठी सैकड़ों मास्तिष्क —





लेकिन बारज का पाई -

मेरे लिए ला ये बर्ने
अदृश्य हैं और...

... और ला तुम,
क्योंकि मैंने पहचान
रहे हैं स्पेशल
इन्फारेस शीशो
वर्षे चश्मे।



लेकिन इसके बावजूद भी
मैं तुम्हें अदृश्य नहीं
रहने दूंगा।



रंग से कहाने पहले बर्ने दोनों -

अब किसी के लिए भी अदृश्य नहीं हो व
दोनों जिन्होंने घेर लिया था बारज को -

तुम्हारा
शरीर फाड़
डालूंगा मैं
अपने पंजों
से।



अपने रक्त ही बार में
इसे जमीन
धरा दूंगा मैं।

एक साथ हरकत में आये दोनों —

घातक हैं
दोनों के
ठार ! उफ !

एक
को सर्प-भस्मी
से रोकता है ताकि
दूसरे से आसानी से
भिड़ सकें।

उन्होंने चाकू से काट डाला उन सर्पों को —

बहुतकर आया नागराज —

हड़क

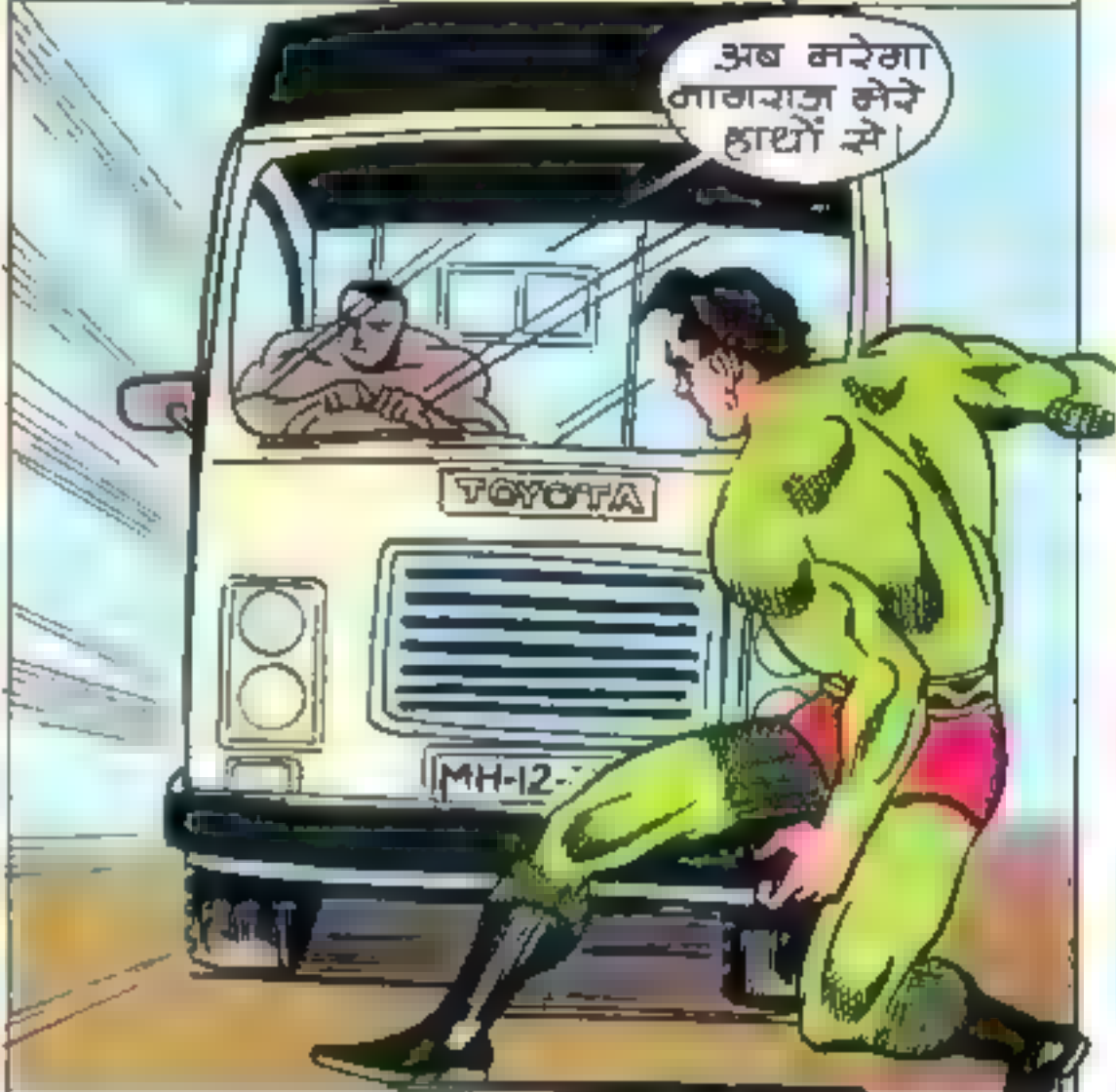
जिसने स्त्रीत्व
स्वीकृत करके बिस्तर काटी
उसकी खापसी —

जुद्धदस्त ही नागराज
की वृद्ध किश —

हलकों में भागकर पास ही खड़ी "लगेज वैल" में सवार हो गया दूसरा—



लूपाल की भागी वैल के आगे आ खड़ा हुआ नागराज—



खलने वाले कांप उठे दहशत से—

आँखों से नहीं हटा नागराज को मारा जायेगा।



हटो नागराज! हटो!



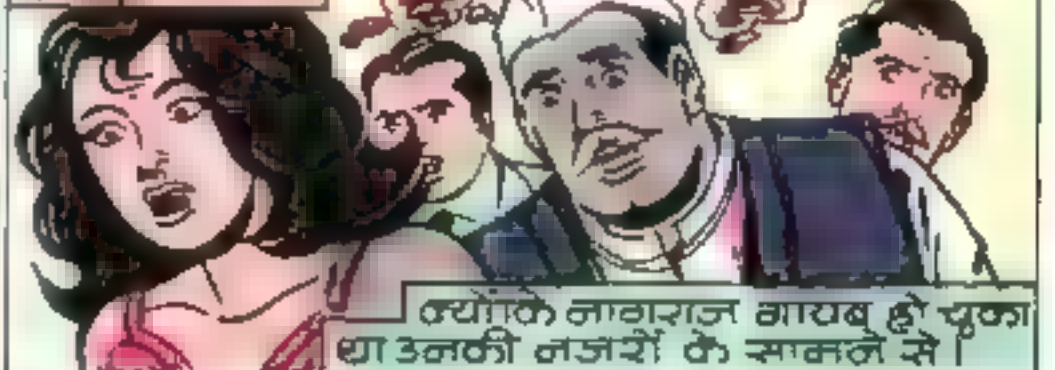
नागराज को ना हटना था सो ना हटा—



सर्रर्र से उसके ऊपर से गुजर गई भारी-भरकम वैल—



देखने वालों की आँखों आश्चर्य की अधिकता से फट सी पड़ी—

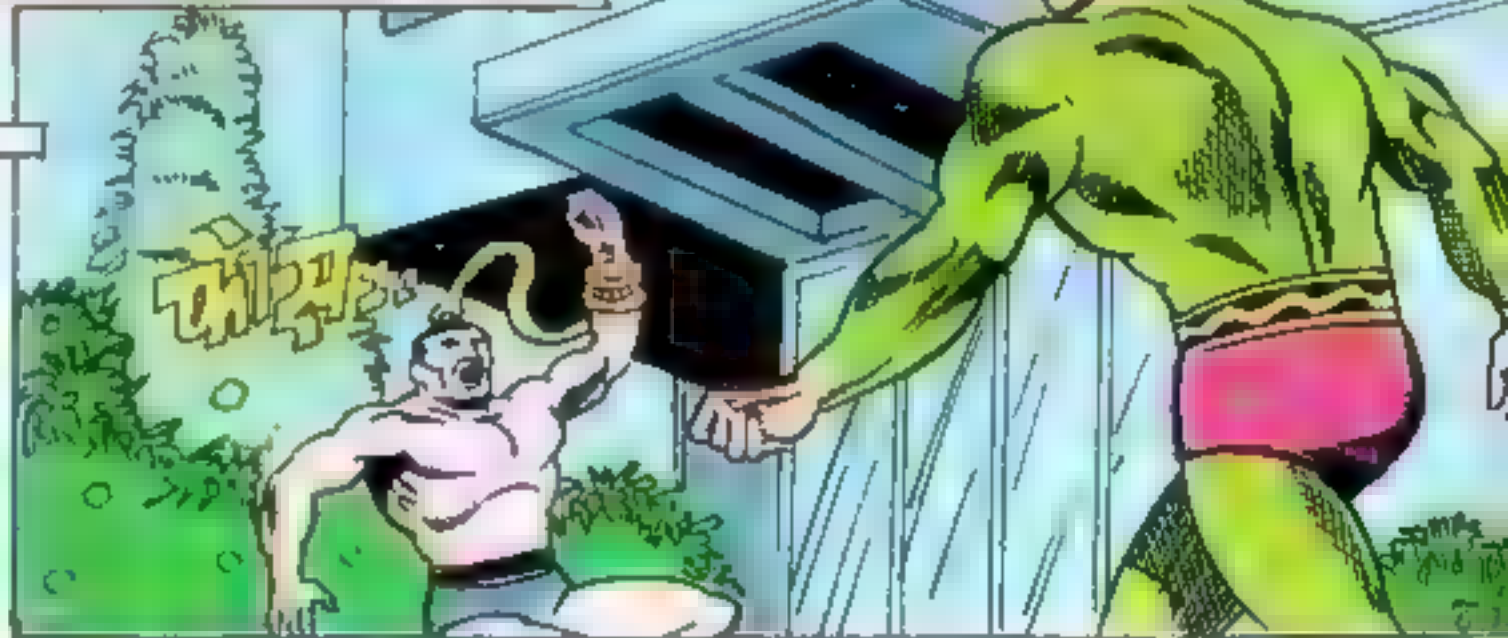


वैल को उड़न-खटोला सा उड़ाकर शिकारो टॉवर पहुँचा वह —

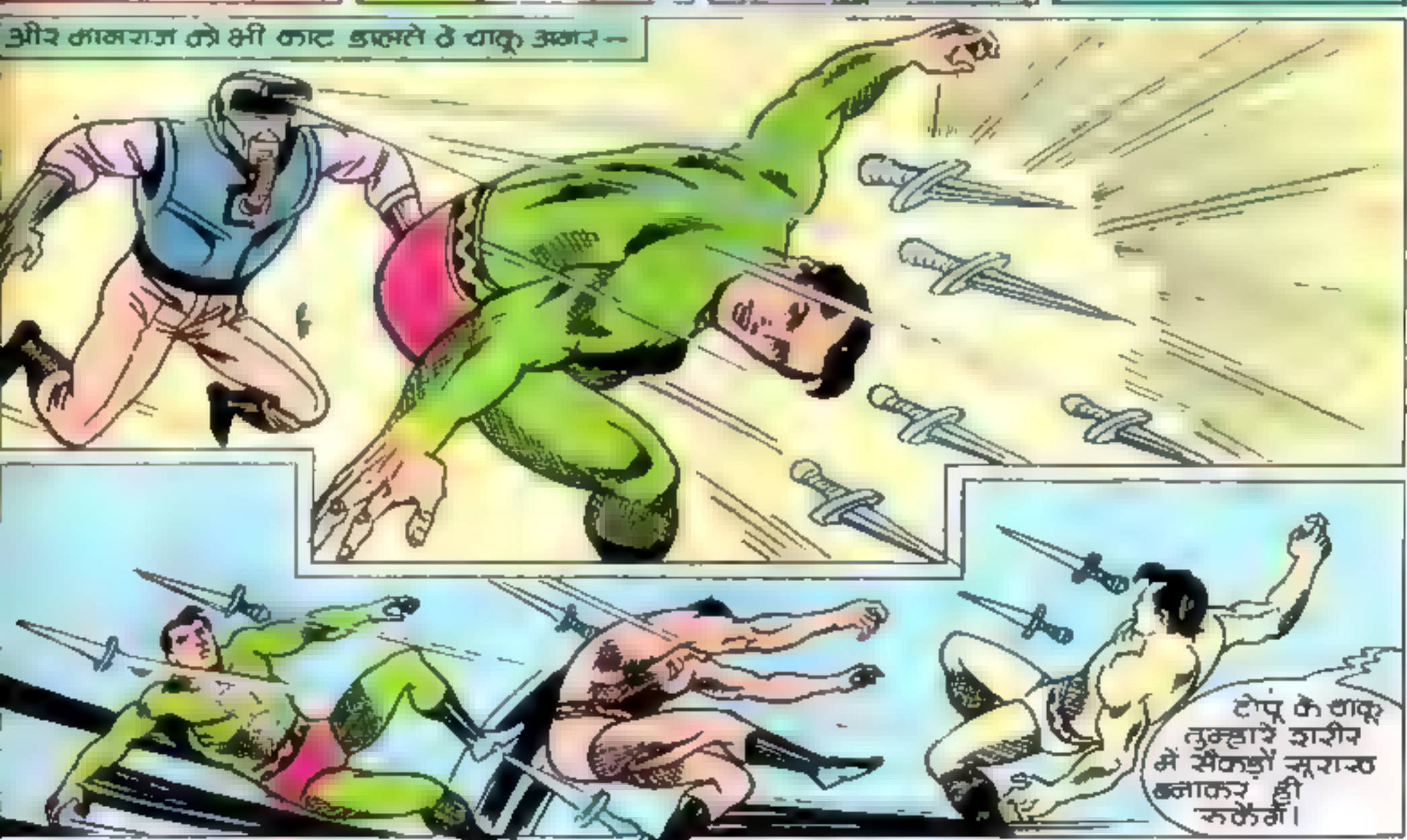
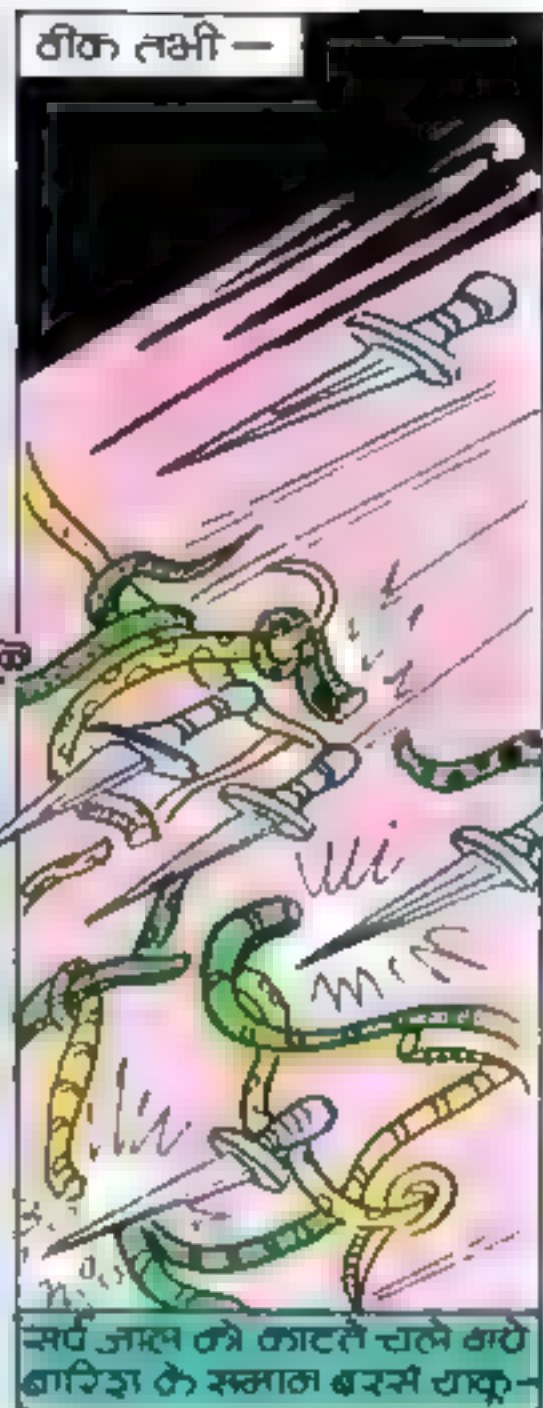
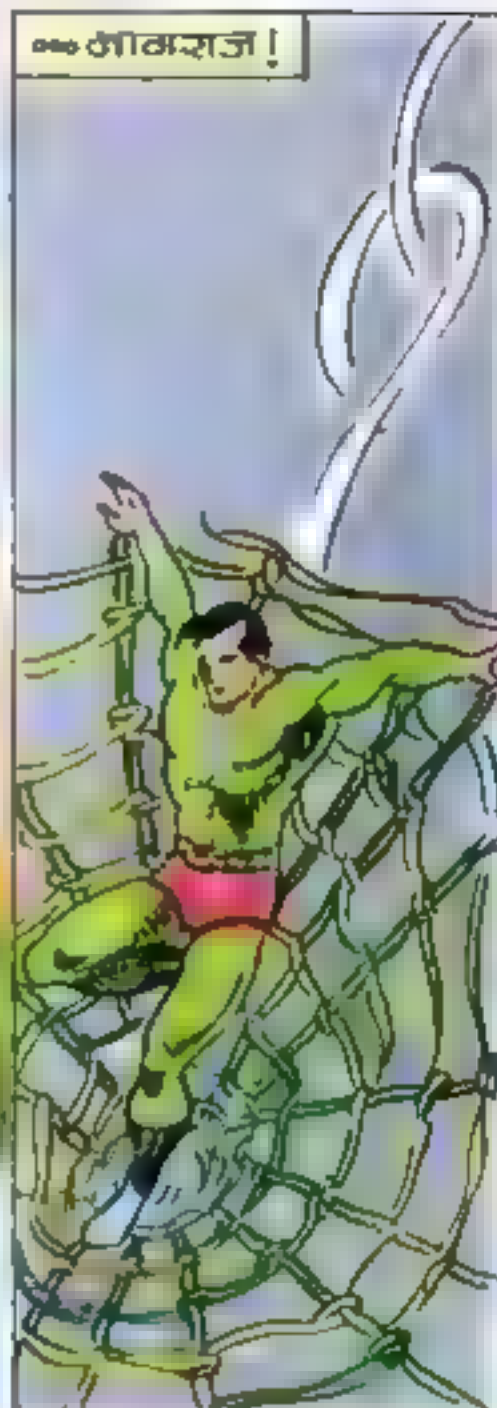


"मौल" ने चीखने लग भी तो मौका नहीं दिया डेयारे को —

शिकारो टावर!
तो ये ही है किलर
आर्गेलाइजेशन
का हैडक्वार्टर



एक झटके से टूटी जागराजसी ...



तुम्हारा आसना
जागराज...



... मे हैं
टोपू ...



... और ये बात
तुम्हें मैं जहाँ
तुम्हारे
चाकू ...



... ही
बलायेंगे !



जागराज द्वारा
फेके गये चाकू

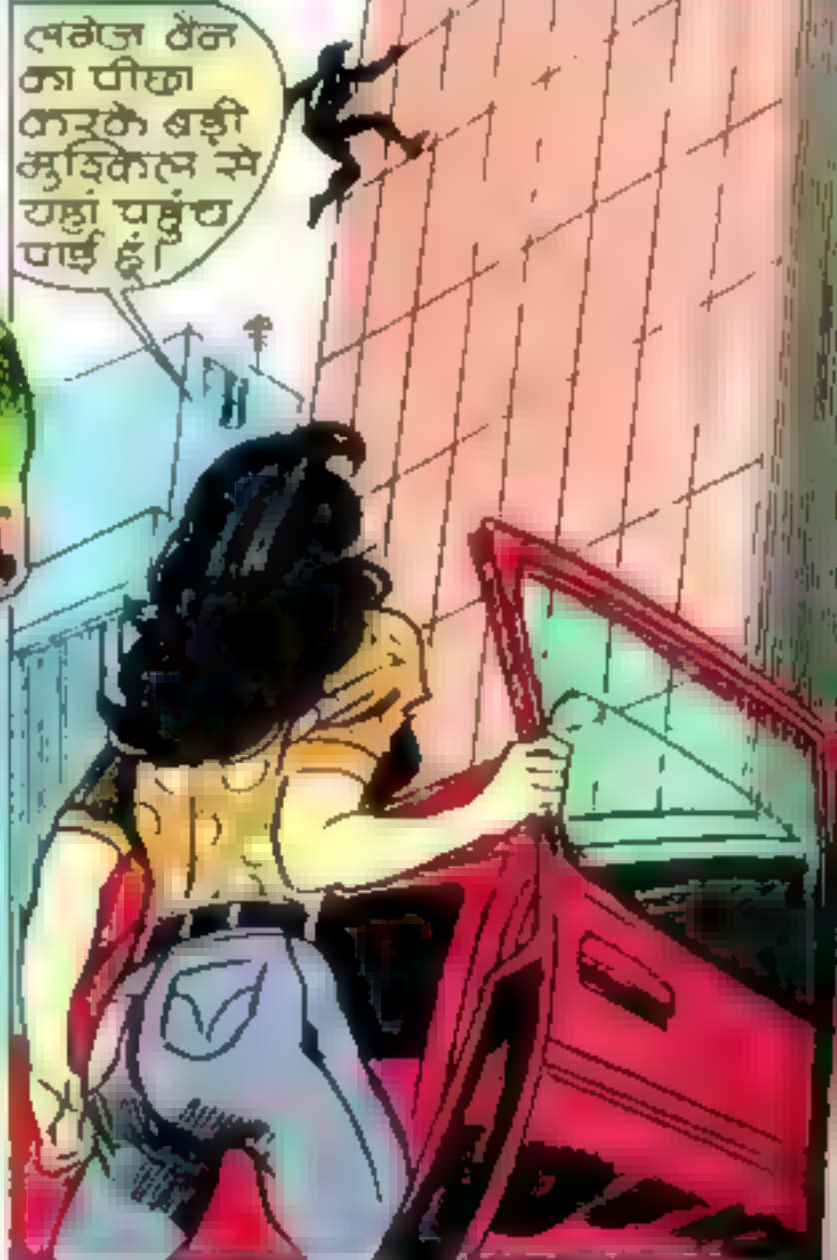
टोपू के शरीर में
डेर जमाते चले गये



फिर जागराज ने एक पल भी नहीं रुका
घूमती दुनिया की तरफ बढ़ने के लिए
इस अदभुत तरीके को अपनाते हैं—



घूमती दुनिया के काफी निकट पहुंच गया
था जागराज उस समय जब वहां पहुंची
जोखी—



लगेज वैन
का पीछा
करके बड़ी
सुविधा से
यहां पहुंच
पाई है।

काठराज तो अपने तरीके से ऊपर पहुँच चुका है, लेकिन वहाँ तक पहुँचने के लिए मैंने किसी रास्ते की खोज करनी होती।



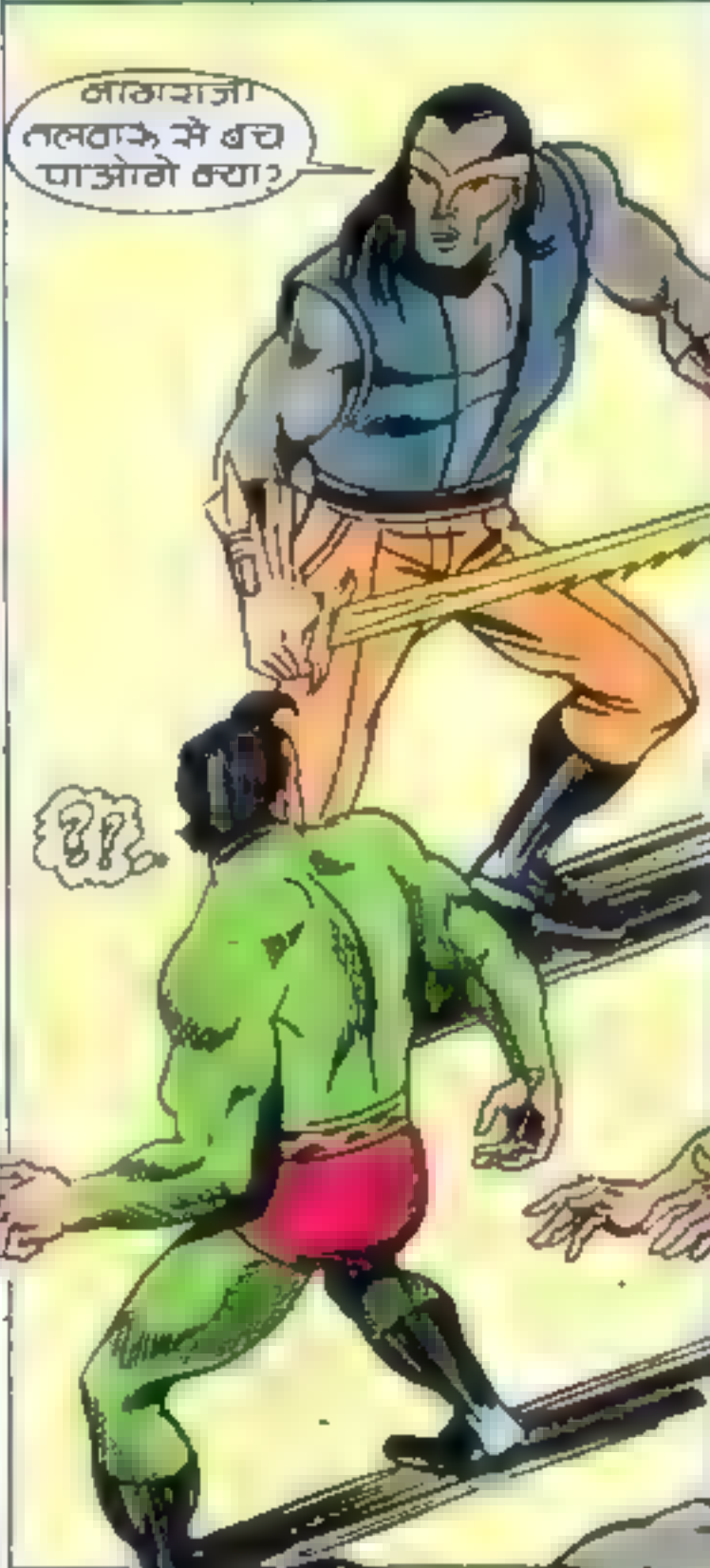
इधर काठराज पहुँच चुका था ऊपर -



अब मेरा लक्ष्य है वह दुनिया!

बार पर बार करता चला गया तलवार -

घूमती दुनिया की तरफ बढ़ते काठराज के कदमों की शैल लिया तलवार ने -



काठराज! तलवार से बच पाओगे क्या?

हूँ

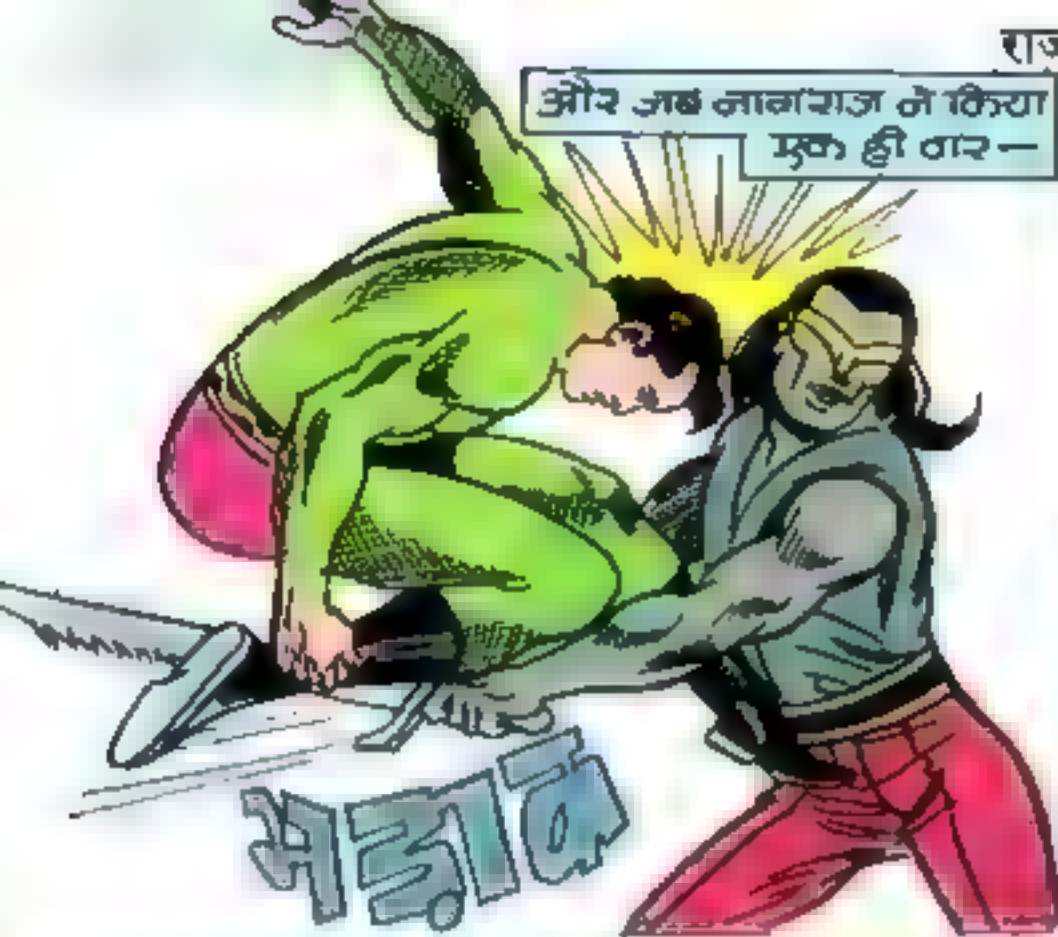
०० बंताओ ना।



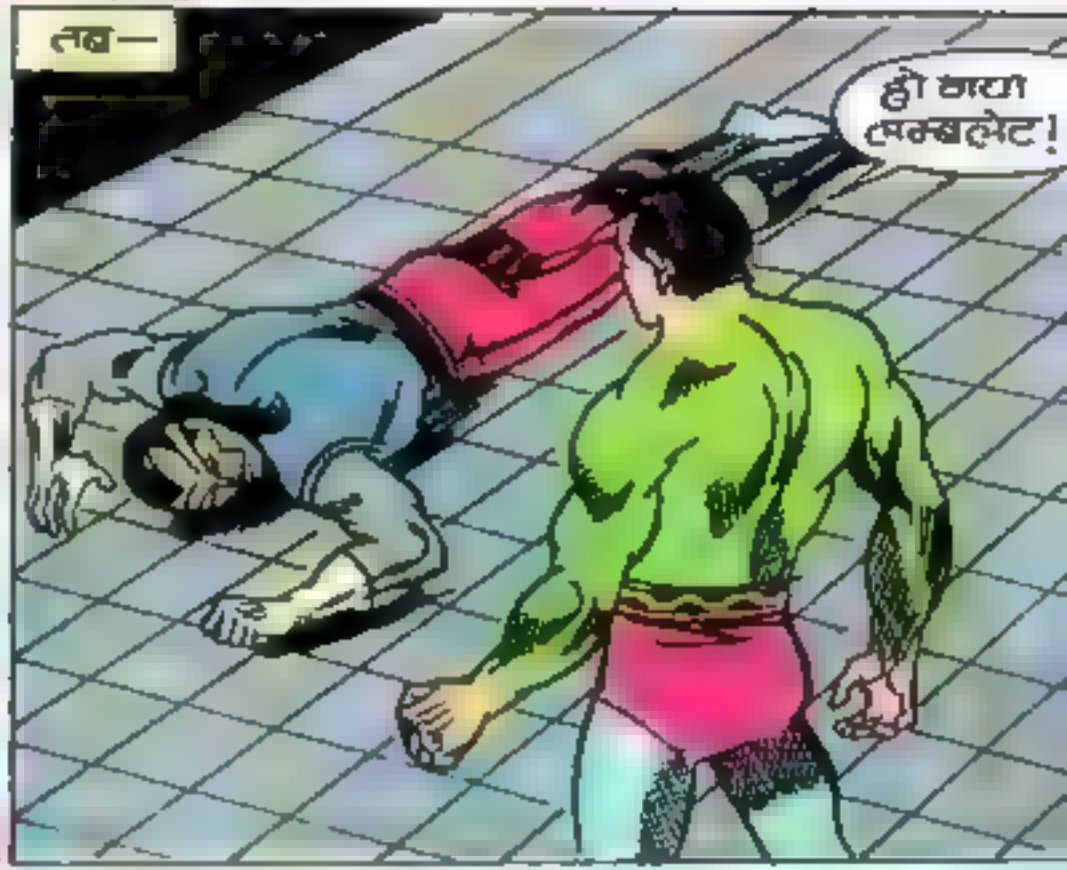
उफ! सही संकट पर बंटा बरसा गई थी गर्दन।



और जब नागराज ने किया
मुक ही ठार—



तब—



चिन्ता की खेती सहजता
उठी थी किलर किन्ना के
छहरे पर—

नागराज अगर
इसी तेजी से किलरों
को नष्ट करता रहा
तो ज्यादा देर नहीं
संकोगी उसे मुक
तक पहुँचने
में।



तभी—

मुक
अच्छी खबर
है किन्ना!

क्या?



उछल पड़ा किलर
किन्ना सुनकर वह
अच्छी खबर—

वाह ! बहुत शालदार
काम किया है तुमने,
अब देखता हूँ नागा-
राज कैसे नहीं
रुकता।



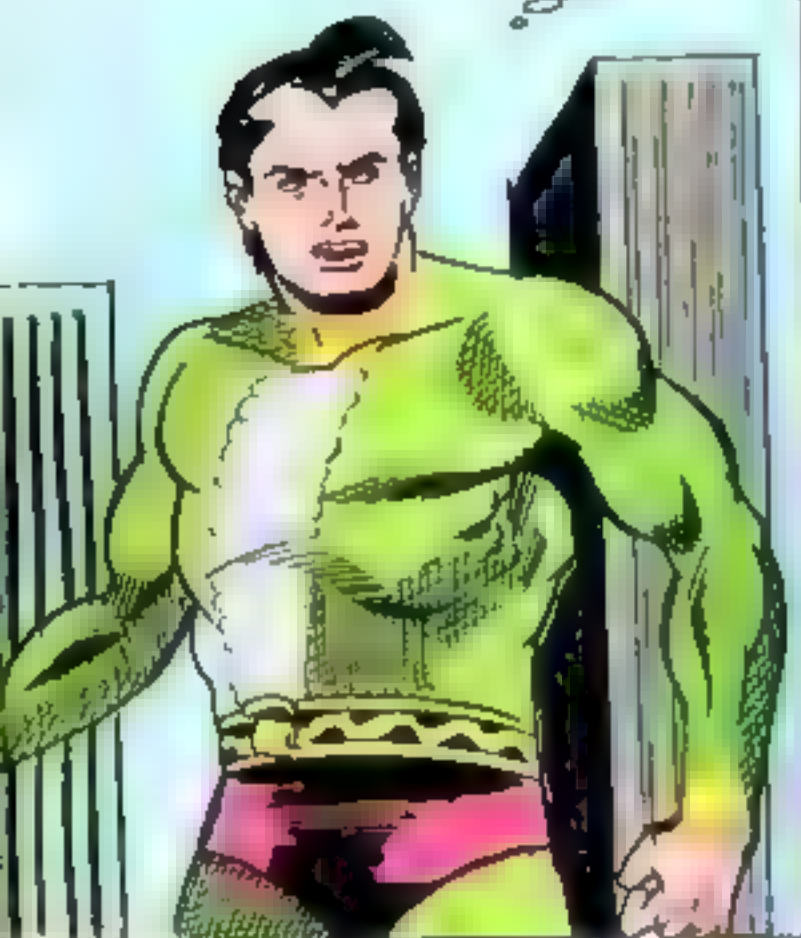
किन्ना—



जौली हमारी कैद
में है नागराज ! तुम्हारी
कोई भी हरकत उसकी
मौत का कारण बन
सकती है।



कैसे वह से
आंच भी नहीं आती
चाहिए जाली
पर



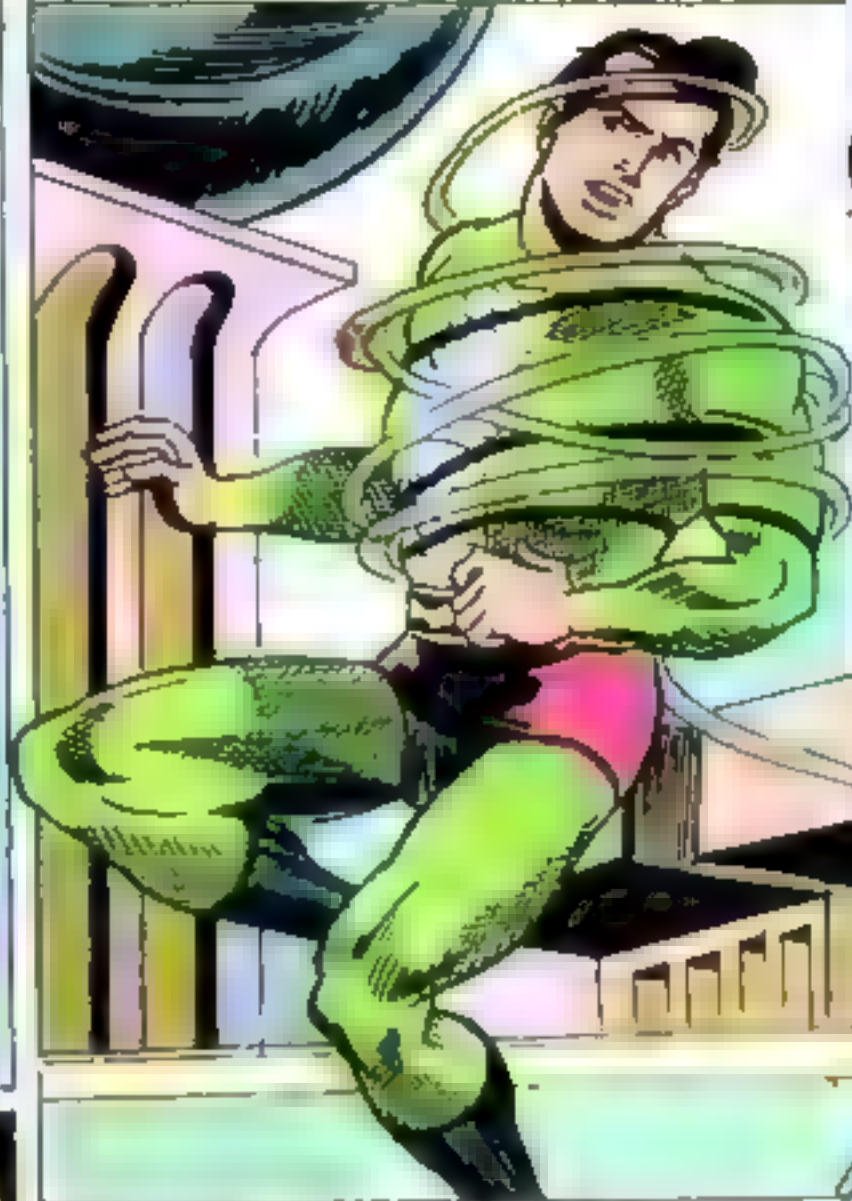
और कुछ चलो बाव ही—



जाली!

जागराज!

तुरन्त ही जकड़ लिया गया जागराज—



ओफ!



अपने डायर में
वास करते सर्प
सैलियों को बाहर निकालो
आवेश दे जागराज!
आज तुम्हारे सर्प
मेरे काम आउंगे।

जागराज के सर्प
सैलियों को क्या करना
चाहता था वह?

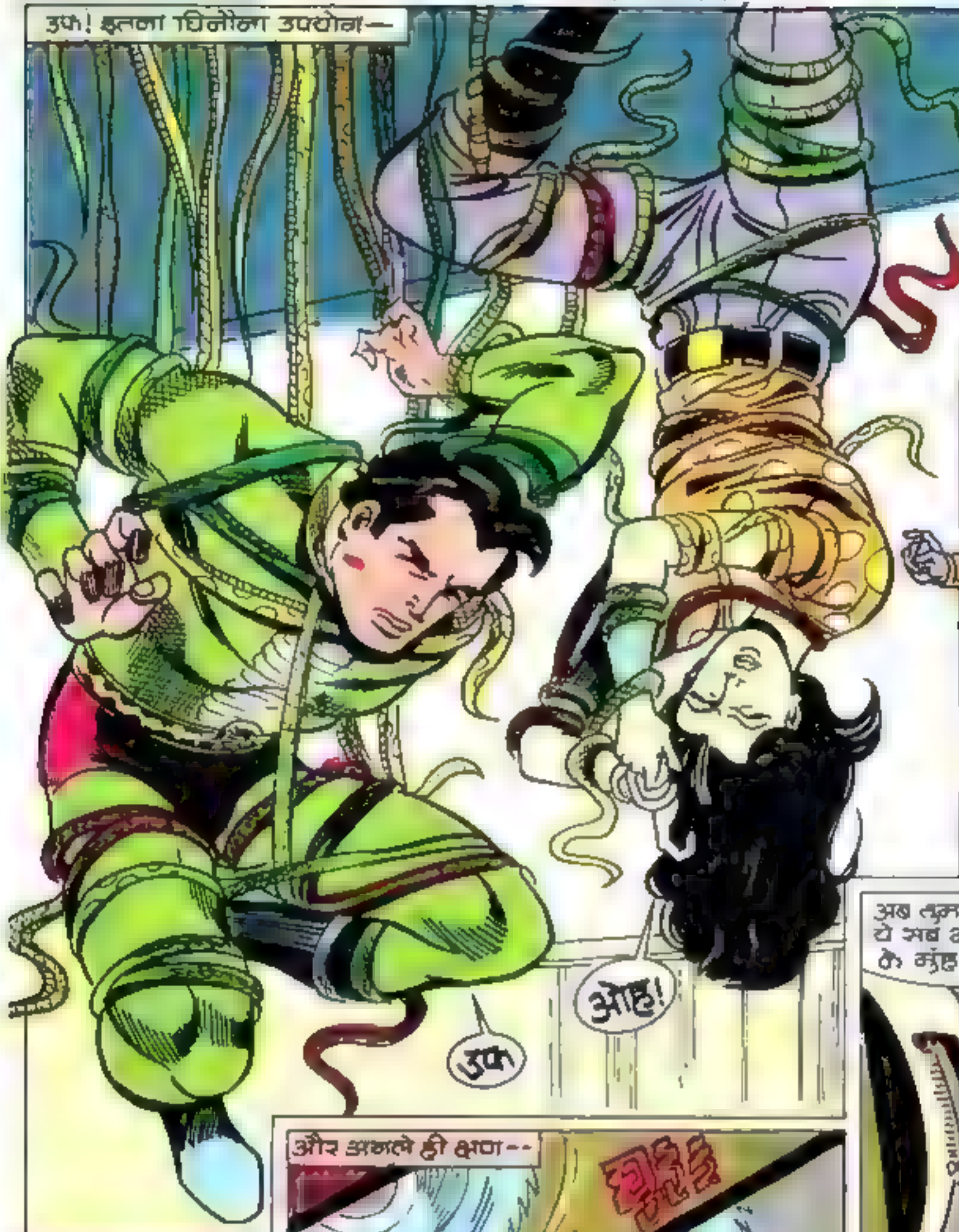


कितना किता
अपनी बुनिया में
तुम्हारा स्वागत
करता है
जागराज!



उफ! इतना घिनौना उपयोग—

देखा लालाशज!
अपने सर्व-सैलिकों
का शासक
उपयोग!



अब तुम दोनों के साथ
ये सब भी सीधा मौत
के मुँह में जायेंगे!



वहाँ वह लीटर—

और अगले ही क्षण—



धुड़धुड़
धुड़धुड़



ठीक तभी नागराज के शरीर से निकलकर सौझांगी लिपटती चली गई कटरों की छड़ों से—



अदृश्यास कर उठा किस्मर किश —

हा हा हा। मैं जानता था तू नागराज की मदद को जरूर आयेगी नागिनी, तभी मैंने ऐसा इन्तजाम किया है कि तू इन कटरों को रोक नहीं पाये।



मेरी लाश गिरने के बाद ही नागराज तक पहुंचेंगे ही पहुंचेंगे।





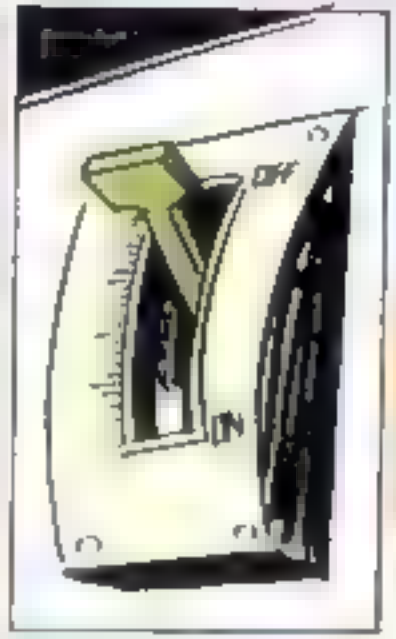
सबकुछ पूरी शक्ति लगाने के बाद भी सीडॉंगी कुछ ना कर पायी-

आइस



अब —

बस अब रहल जागराज और उसका किस्सा।



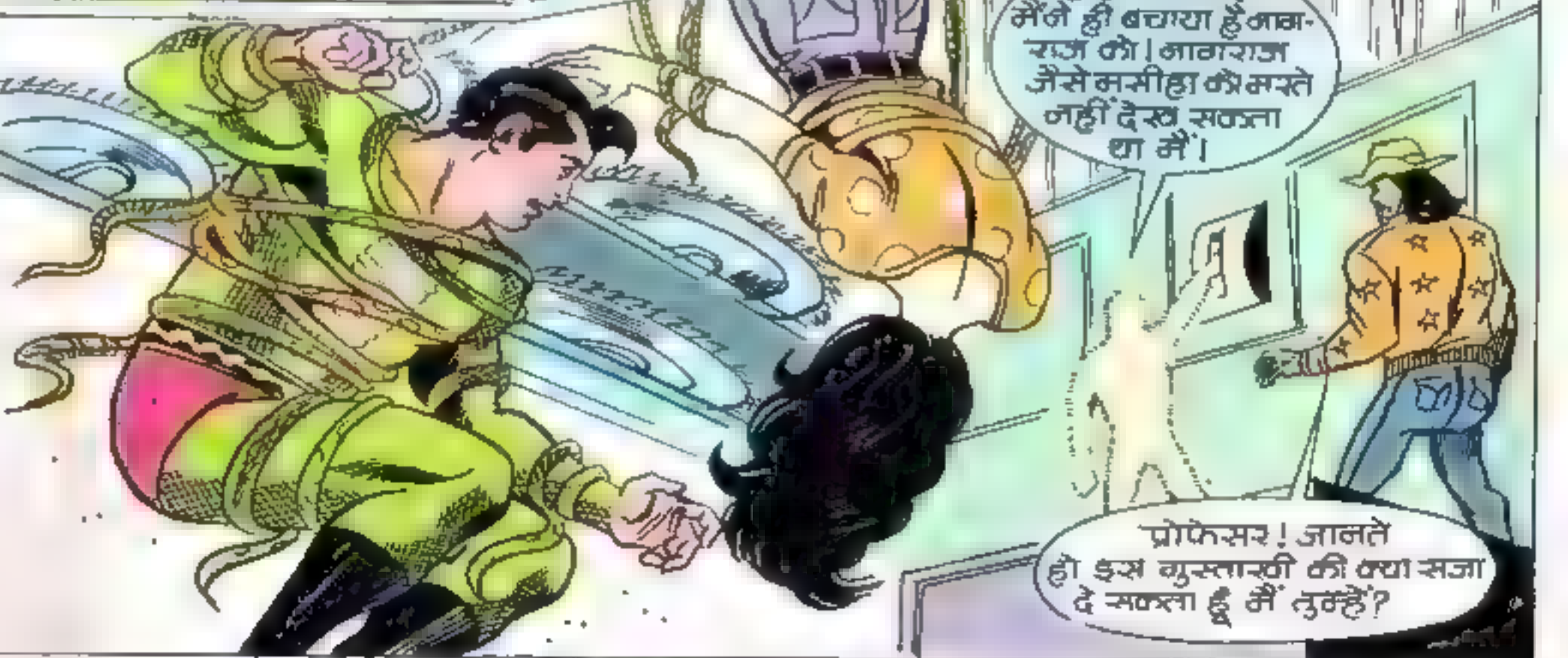
लेकिन पूरा सफर तय करने से पहले ही—

रुक जाये कटर!

कैसे?

हैरत से फट सी गई किलर किंग की आंखें-- दहाड़ उठा किलर किंग --

प्रोफेसर वर्मी तुम...। तुमने प्रयोगशाला से अप्रुप रूप में यहाँ आकर बचाया जागराज को।



हां, कमीने! मैंने ही बचाया है जागराज को। जागराज जैसे मसीहा को मरते नहीं देख सकता था मैं।

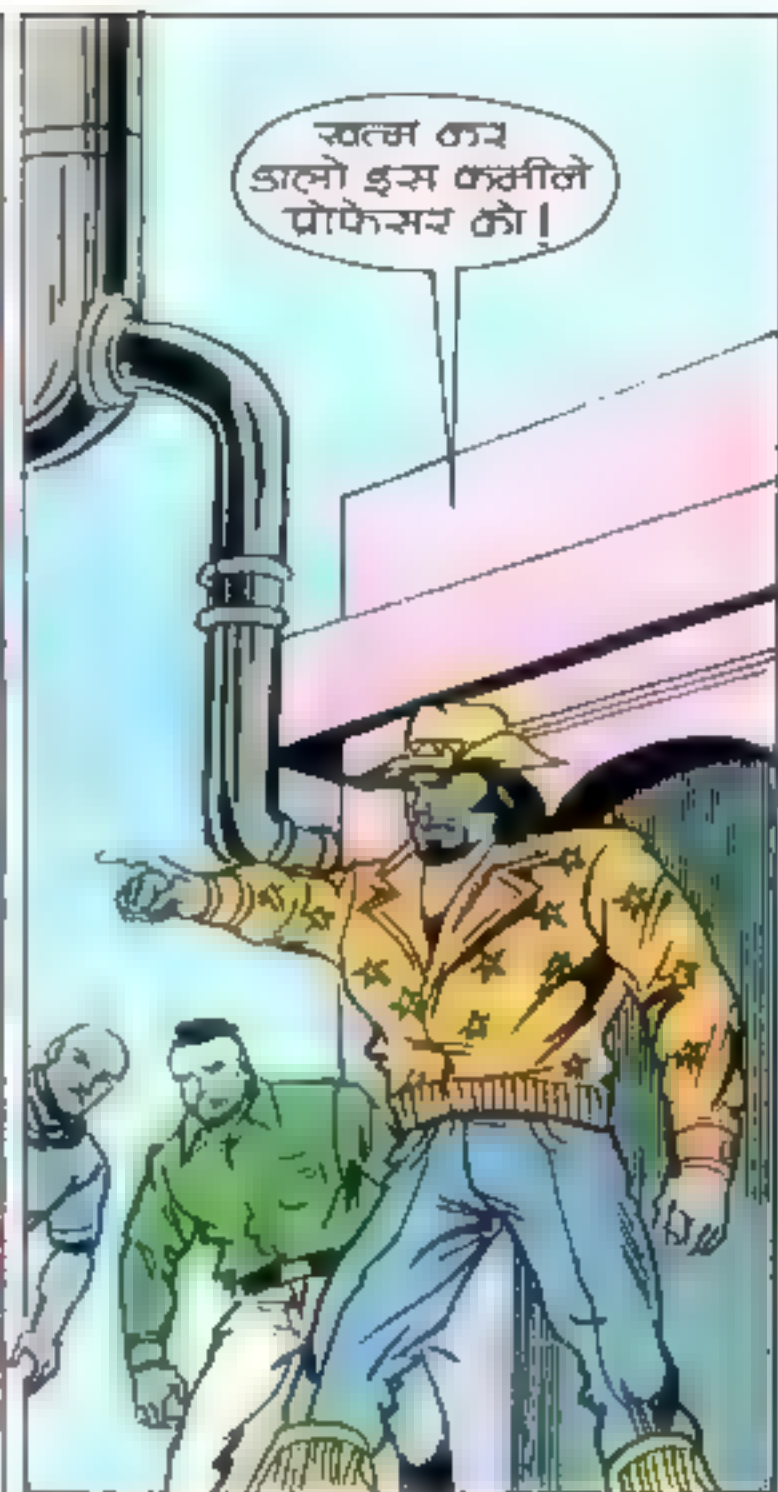
प्रोफेसर! जानते हो इस गुस्ताखी की क्या सजा दे सकता है मैं तुम्हें?



हैं, जानता हूँ!
मेरी बीवी और बच्चे को
मार डालेगा जा तू!
मार डाल! मार डाल
उन्हें...



नागराज जैसे
मानवता के रक्षकों के लिए
अपने बीवी-बच्चों को कुर्बान
करने के लिए तैयार हूँ
मैं!



सत्तम ठार
डालो इस कत्तिले
प्रोफेसर को!



झपटे बहुत से किलर
प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा
की तरफ!



इधर लपकती सौझांती
नागराज के सर्प बंधनों
पर—



धन्यवाद
सौझांती!

ये तो
मेरा फर्ज
था
नागराज!

फिर सौझांती ठाणस नागराज में समा गई—

इधर जागराज ने उछाल दिए
सर्पों के गुच्छे के गुच्छे प्रोफेसर
की तरफ बढ़ते-किलरों की
तरफ --

मौत बनकर दूट पड़े
जो किलरों पर --

जागराज ने सर्पसैनिकों को वापस बुलाया तो आज
हो गई जौली भी --

तुम अपनी भाभी
और भतीजे को तलाश कर
लें किलर किंग और
उसके किलरों को देखता
हूँ।



मिरते लगी किलरों
की लाशों पर लाशें--



तुरन्त ही मुक्त और लपकी जौली--



आज यह
पाप की दुनिया तबाह
होकर रहेगी।

अपनी दुनिया को तबाह होता देख
कांप उठी किलर किंग --

उफ! लहीं! जागराज
की शेरमले के लिए
इस्तेमाल करना होगा
इनविजिबल किलरों
का।



एक पल बाद ही नागराज को घेरे खड़े थे बहुत से अदृश्य किलर-



गरजी अदृश्य हाथों ने धक्का मारने लो रबड़ के बंधन की भांति उछला नागराज-



अपने ही साथियों की गोलियों से मरे कई अदृश्य किलर -

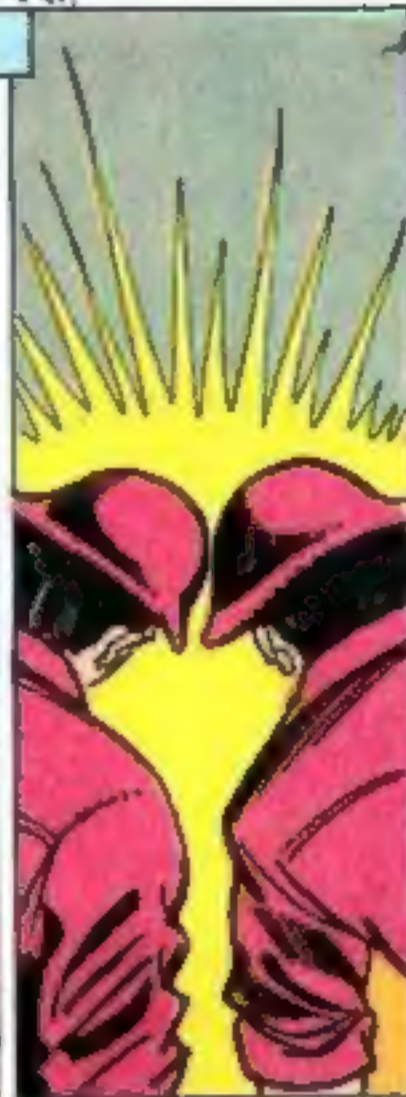
आँकी बचे रह गए हैरान -



अचानक -



दूटा जागराज का कहुर किलरों पर भयंकर रूप से—



इस किलर किंग को सम्मान दिया
प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा ने—

ठीक तुम्हारे किलरों
जैसा तुम्हारा भी हाल
होगा कमीने!



तब ही प्रोफेसर श्रीकांत वर्मा ने
किलर किंग पर गन और—

बता कमीने! कहां हैं
मेरी बीवी और बच्चा
जिनके बल पर तू मुझे
आज तक अपने इशारे
पर मचाता रहा।



सुणी महंगी पड़ी किलर
किंग को -

बोल कमीने! वरना
इस बार मैं तेरे सीने में
भर दूंगा सैकड़ों
गोलियां।



किलर किंग को मिला था एक सुलहरा
अवसर—

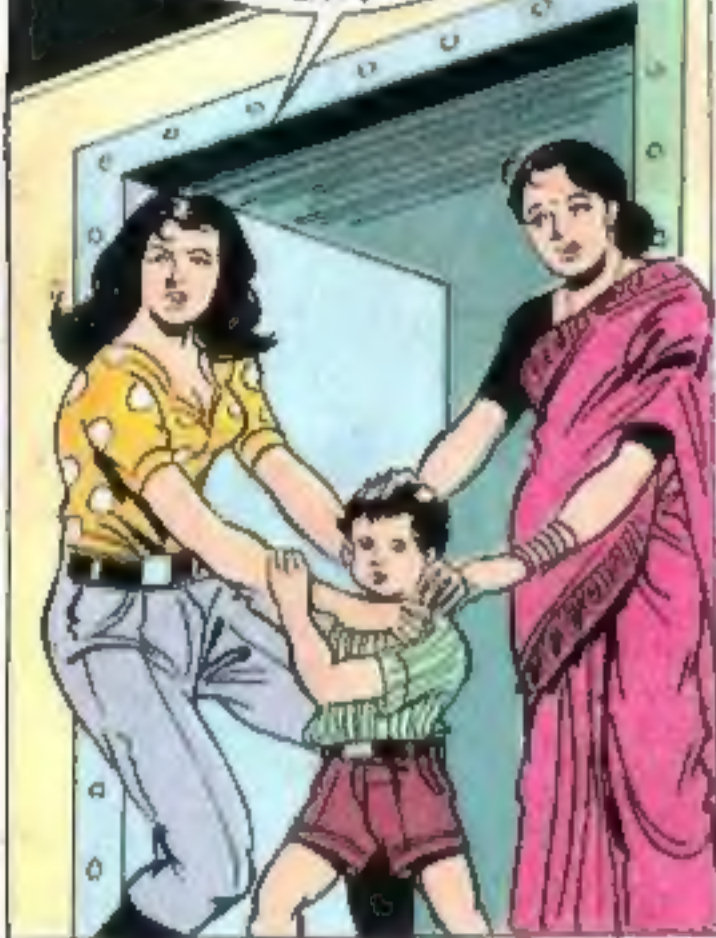
तुम मुझे नहीं मार
सकते, वरना तुम्हारे
बीवी बच्चों को मार
डालूंगा मैं।



जड़ होकर रह गया प्रोफेसर—

ठीक तभी —

भाभी और
नन्नु को मैं ले आई
हूँ भैया! स्वतंत्र कर
डालो इस डौलान
को।



गले मिले सभी बिछड़े हुए —

भैया!
पापा!
स्वामी!



अदृश्य हत्यारा

अगले पल समा गई सैकड़ों
गोलियाँ किलर किंग के जिस्म
में—

तड़ तड़ तड़
झाड़



एक पल के लिए चौंके सा
डकराया वह —

और फिर हमेशा के लिए शान्त हो गया—
इसी के साथ हुआ स्वात्मा वर्ल्ड
आर्गेनाइजेशन ऑफ किलर जोर्स
का—

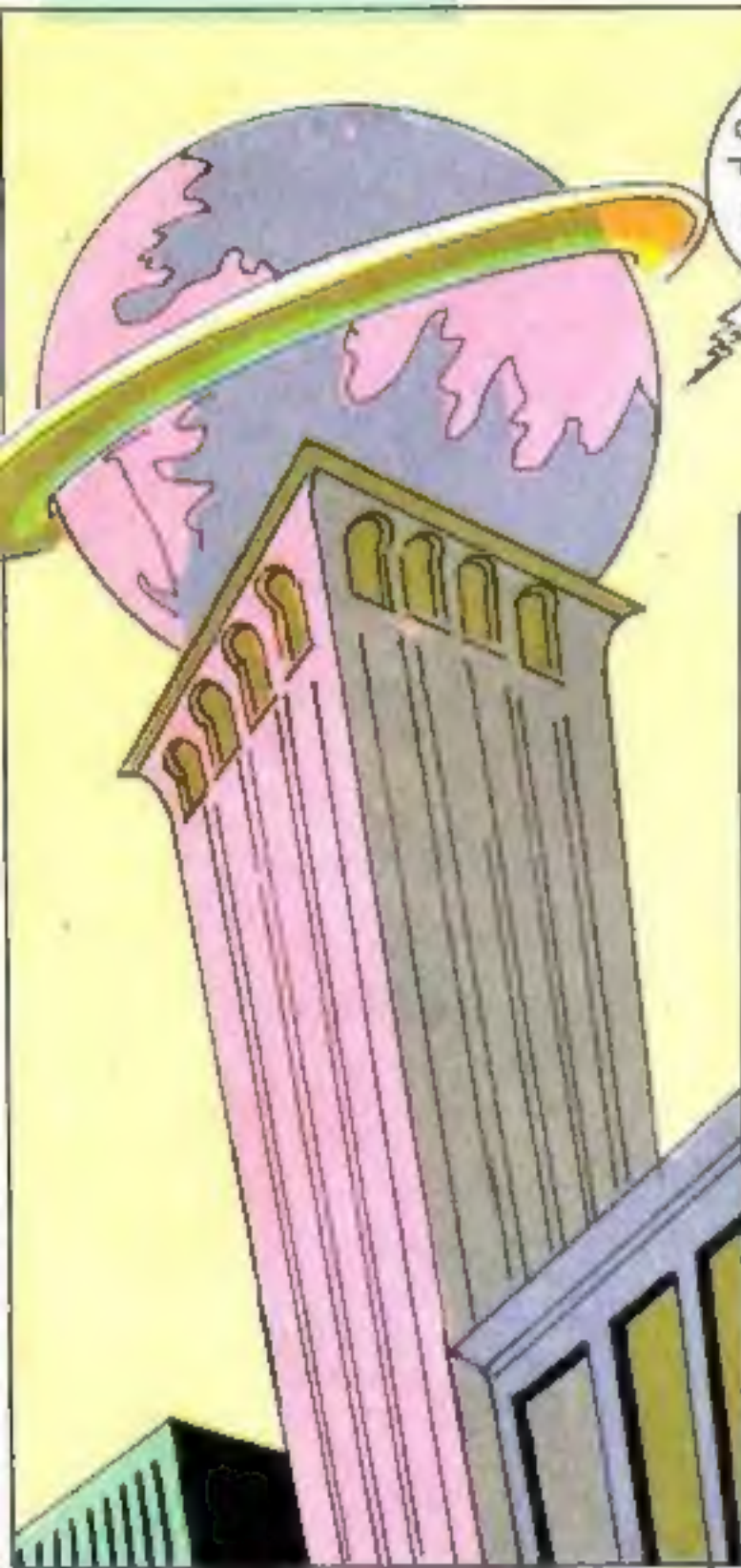


पलटा नागराज की तरफ प्रोफेसर
श्रीकांत वर्मा—

स्वामी भैया
तिवारी की हत्या मैंने इस-
लिए की नागराज कि वह
भेड़ की खास में भेड़िया
था। मेरा मित्र था वो
इसीलिए अपना आति-
थ्य पूरा होते ही
सबसे पहले मैंने उसे
बतारा था...

...लेकिन उसने
मेरी हत्या करवाकर
मेरे आतिथ्य को
हथियाने की कोशिश
की। ताकि वह उस
आतिथ्य को विदेशों
में बेचकर अरबों
डालर कमा
सके।...





... और कितनी किता
का साथ देने की मेरी मजदूरी
तुम जानते ही हो। अपने
परिवार को बचाने के लिए
मुझे उसके लिए अपने
आविष्कार की ईजाद
दुबारा करनी पड़ी...



... इसके लिए मुझे खेद
है नागराज!

मुझे तुमसे
सहानुभूति है प्रोफेसर,
लेकिन कानून की
नजरों में तुम दोषी हो,
और उसकी सजा तुम्हें
भुगतनी ही होगी।



नागराज ने पुलिस बुलवा ली जिसने
वहां पहुंचते ही पूरी घूमती दुनिया को
अपने कैदों में ले लिया -



अपने आविष्कार की
बढ़ोल्त में सदा के लिए अदृश्य
होकर रह गया है नागराज, लेकिन
इस रूप में मैं किसी दिन तुम्हारे
काम अवश्य आऊंगा।



पुलिस पार्टी के वहां से
रवाना होने के साथ ही
नागराज भी चले पड़ा
अपने उस सफर पर जो
विश्व से अपराध खत्म
होने के साथ खत्म होना
था -

लेकिन क्या कभी खत्म
होसकेगा नागराज का सफर?